THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 181 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.4, 15 2079 बुधवार, 14 सितंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

फ्रांसीसी नागरिक के घर से 20 मूर्तियां बरामद, फ्रांसीसी कनेक्शन की जांच शुरू

चेन्नई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पुडुचेरी में ऑरोविले से एक फ्रांसीसी नागरिक के घर से 20 मूर्तियां बरामद होने के बाद तमिलनाडु की आइडल विंग पुलिस ने फ्रांसीसी कनेक्शन की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को खुफिया सूचना को मिली कि एंटीक सामान बेचने वाली एक दुकान तमिलनाडु से चुराई गई कलाकृतियों का सौदा कर रही है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए आइडल विंग ने एक न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत से दुकान की तलाशी लेने का आदेश प्राप्त किया। 11 सितंबर को दुकान की तलाशी के दौरान टीम को फ्रांसीसी नागरिक के शामिल होने का खुलासा हुआ।

बंगाल में बवाल : पुलिस की गाड़ी जलाई

✻ शुभेंदु अधिकारी को हिरासत में लेने से भड़के ✻ महिला अफसर से बोले डोंट टच माय बाडी

कोलकाता, 13 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता में मंगलवार को भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोप में ममता सरकार के खिलाफ मार्च निकाला। इसे सचिवालय चलो मार्च (नबन्ना चलो मार्च) नाम दिया गया। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को सचिवालय पहुंचने से पहले बीच में ही रोक दिया। पुलिस ने शुभेंदु अधिकारी, लॉकेट चटर्जी समेत कई भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

पुलिसिया कार्रवाई के बाद भाजपा कार्यकर्ता भड़क उठे। कोलकाता के लालबाजार एरिया में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी फूंक दी। वहीं भीड़ को काबू पाने के लिए बंगाल पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए

आंसू गैस के गोले और वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया।

घोष बोले पुलिस नहीं,तृणमूल कार्यकर्ता

सांतरागाछी रेलवे स्टेशन के पास नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, सांसद लॉकेट चटर्जी समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस दौरान भाजपा नेता अधिकारी ने कहा, बंगाल की जनता ममता बनर्जी के साथ नहीं है, इसलिए वह बंगाल में उत्तर कोरिया की तरह तानाशाही कर रही हैं।दिलीप घोष ने कहा कि पुलिस तृणमूल पार्टी की तरह काम कर रही है।

3 तरफ से घेराबंदी की प्लानिंग, स्पेशल फोर्स तैनात :

भाजपा ने सचिवालय की तीन तरफ से घेराबंदी की प्लानिंग की थी। हावड़ा रेलवे स्टेशन से सुकांतो मजूमदार, सांतरागाछी से शुभेंदु अधिकारी और स्कॉड से दिलीप घोष को सचिवालय जाना था, लेकिन पुलिस ने तीनों को रोक लिया। नेताओं को रोकने के लिए बंगाल पुलिस ने स्पेशल फोर्स की तैनाती की थी।

विधानसभा सत्र से पहले शक्ति प्रदर्शन, भ्रष्टाचार मुद्दा :

पश्चिम बंगाल में 14 सितंबर से विधानसभा का सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा का यह प्रदर्शन सड़क पर ताकत दिखाने की कोशिश है। प्रदर्शन में भाजपा ने बंगाल में तृणमूल नेताओं के भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाया है। भ्रष्टाचार के आरोप में तृणमूल के दो कद्दावर नेता पार्थ चटर्जी और अनुब्रत मंडल जेल में हैं।

हिंदू धर्म के खिलाफ द्रमुक नेता ए. राजा ने उगला जहर

चेन्नई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। द्रमुक नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए हिंदू धर्म के खिलाफ कई बातें कहीं, जिसपर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है। द्रविड़ कड़गम द्वारा आयोजित सभा को संबोधित करते हुए, राजा ने पूछा, हिंदू कौन है? हमें दावा करने का अधिकार होना चाहिए, हम हिंदू नहीं बनना चाहते, आप मुझे हिंदू के रूप में क्यों देख रहे हैं?

उन्होंने कहा, मैंने ऐसा कोई धर्म नहीं देखा। कर्नाटक में लिंगायत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कह रहे हैं कि उनकी पूजा करने का तरीका और धार्मिक सिद्धांत अलग हैं। वे खुद को हिंदू घोषित न करने के लिए कह रहे हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट क्या कह रहा है? सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि अगर आप ईसाई, मुस्लिम या फारसी नहीं हैं, तो आप हिंदू है। क्या कोई और देश है, जहां इतनी क्रूरता है?

उन्होंने आगे कहा, जब तक आप हिंदू हैं तो आप शूद्र हैं। तुम शूद्र हो, तब तक जब तक तुम एक वेश्या के पुत्र हो। आप हिंदू नहीं हैं, तब तक जब तक आप पंजायथु (दलित) हैं और अछूत हैं। आप में से कितने लोग वेश्याओं की संतान बनकर रहना चाहते हैं? आप में से कितने लोग अछूत रहना चाहते हैं? अगर हम इन सवालों को लेकर मुखर हो जाएं, तो यह सनातन (सनातन धर्म) को तोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

राजा की टिप्पणी के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया में, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन (जो कोयंबटूर से विधायक भी हैं) ने ट्वीट किया, द्रमुक सांसद ए. राजा ने कई मौकों पर महिलाओं और हिंदुओं का अपमान किया है।

पूर्व राज्य मंत्री एसपी वेलुमणि के आवास पर विजिलेंस का छापा, विरोध करने पर सात विधायक हिरासत में

चेन्नई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और अन्नाद्रमुक पार्टी के नेता सी. विजयभाष्कर से जुड़े 13 ठिकानों पर विजलेंस की टीम ने छापा मारा है। जानकारी के मुताबिक, विजलेंस के अधिकारी चेन्नई, सलेम और पूर्व मंत्री से जुड़े अन्य ठिकानों पर पहुंचे हैं।

सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के मुताबिक, यह छापेमारी 2020 में अनिवार्यता प्रमाण पत्र जारी करने में अनियमितताओं के भ्रष्टाचार मामले में की गई है। इस बीच एआईएडीएमके सांसद सणमुगम पूर्व मंत्री सी विजयभाष्कर के आवास पर पहुंचे। उन्होंने कहा, विजिलेंस के ये छापे राजनीति से प्रेरित हैं, लेकिन हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। वे विपक्ष पर दबाना चाहते हैं। जानकारी के मुताबिक, विजलेंस की टीम ने मंगलवार सुबह-सुबह पुडुर स्थित थेनी मेडिकल कॉलेज के डीन बालाजनाथन के आवास पर भी छापा मारा है। इस छापेमारी का संबंध पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सी विजयभाष्कर पर लगे आरोपों से बताया जा रहा है। विजिलेंस की टीम ने भ्रष्टाचार के आरोप में पूर्व राज्य मंत्री एसपी वेलुमणि के आवास के अलावा उनसे जुड़े 26 ठिकानों पर छापेमारी की है।

नया संसद भवन करें डॉ. आंबेडकर के नाम

तेलंगाना विधानसभा ने पारित किया प्रस्ताव

हैदराबाद, 13 सितंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना विधानसभा ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित दिल्ली में बन रहे नए संसद भवन का नाम डॉ. बीआर आंबेडकर के नाम करने की मांग की। इसके अलावा एक अन्य प्रस्ताव पारित कर केंद्र द्वारा प्रस्तावित नए विद्युत संशोधन विधेयक का विरोध किया गया है। तेलंगाना के आईटी व उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने विधानसभा में ये प्रस्ताव पेश किए। इसमें कहा गया है कि नए संसद भवन का नाम संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर के नाम करना उपयुक्त होगा।

इसी तरह राज्य के ऊर्जा मंत्री जगदीश रेड्डी ने केंद्र के नए विद्युत विधेयक के विरोध में प्रस्ताव पेश किया। विधेयक को किसानों, गरीबों और बिजली क्षेत्र के हितों के खिलाफ बताया गया है। बता दें, राष्ट्रीय राजधानी में सेंट्रल विस्टा के पुनर्विकास के हिस्से के रूप में एक नया संसद भवन पूरा होने के अंतिम चरण में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2020 में नए भवन का शिलान्यास किया था। पिछले महीने उन्होंने भवन की छत पर बने राष्ट्रीय चिन्ह का अनावरण किया था। केंद्र की योजना नए भवन में संसद का शीतकालीन सत्र आयोजित करने की है। विद्युत संशोधन विधेयक 2022 उपभोक्ताओं को अपने इलाके में कार्यरत कई बिजली सेवा प्रदाताओं में से किसी एक को चुनने का विकल्प प्रदान करने और बिजली वितरण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का प्रयास करेगा।

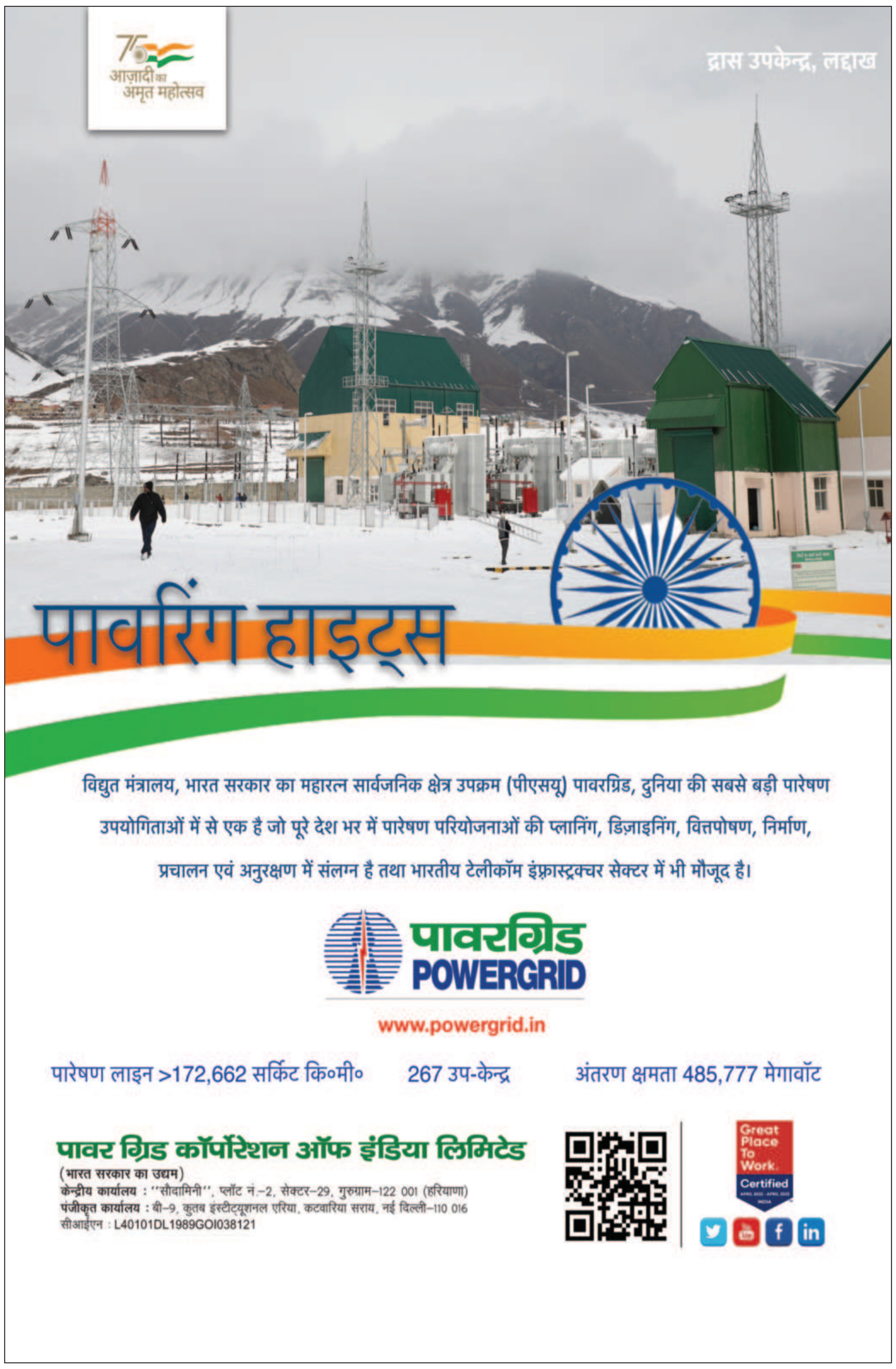

अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर भारतीय संस्कृति का बढ़ता साम्राज्य

डॉ. सी वी रत्नावती
कार्यकारी निदेशक। भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

संस्कृति। समाज का दर्पण होती है और संस्कृति का तात्पर्य उस समाज के आचार-विचार। व्यवहार। खानपान। भाषा आदि से है। इससे स्पष्ट होता है कि किसी भी समाज को समझने के लिए उस समाज के आचार-विचार। व्यवहार। खानपान। भाषा को समझना आवश्यक है और यही उसकी संस्कृति कहलाती है। संस्कृति। समाज निर्मित होती है और समाज के स्थान का भी संस्कृति ही निर्धारण करती है। निःसंदेह। प्रचीन काल से ही भारत अपनी संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है। परंतु विदेशी आक्रांताओं के कारण कुछ समय के लिए भारतीय संस्कृति धूमिल होती सी दिखाई पड़ने लगी। आज फिर से हम उस स्थिति मैं हैं जहां भारतीय संस्कृति को गति मिलने लगी है जो उसे अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर मजबूत करेगी। खानपान। संस्कृति का हिस्सा है और इस दृष्टि से भारतीय संस्कृति पर विचार किया जाए तो यहां की खानपान व्यवस्था विविधताओं से भरी हुई थी। जिनमें मोटे अनाज – ज्वार। बाजरा। मक्का। रागी आदि को अत्यधिक महत्व प्राप्त था। इतना ही नहीं पूजा। विवाह आदि संस्कारों में भी इनका उपयोग किया जाता था तथा हमारे प्राचिन ग्रंथों (वेद। पुराण आदि) में भी इनके महत्व को दर्शाया गया है। परंतु बढ़ती जनसंख्या की भूख को मिटाने हेतु विविध अनुसंधान किए गए। जिसकी परिणति 'हरित क्रांति' में हुई। परिणामस्वरूप लोगों का झुकाव गेहूं व चावल की ओर ज्यादा होते गया। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन व लोगों में बढ़ते जीवन शैली संबंधी रोगों के चलते लोग फिर से कदन्नों (पौष्टिक अनाज) की ओर आकृष्ट होने लगे हैं। भारत सरकार के द्वारा इस दिशा में आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय कदन्न (मिलेट्स) वर्ष 2018 का आयोजन किया गया एवं इस दौरान इन अनाजों के पौष्टिक। औषधिक गुणों एवं अन्य विशेषताओं का प्रचार-प्रसार किया गया है। आज भारत पूरे विश्व को पौष्टिक अनाज का महत्व बताने हेतु तत्पर है और भारत के प्रस्ताव को पारित करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न (पौष्टिक अनाज) वर्ष 2023 घोषित किया है। भाषा की दृष्टि से भारत हमेशा से ही समृद्ध रहा है और भारत की अधिकांश भाषाएं अंत्यधिक समृद्ध एवं उनमें विपुल साहित्य उपलब्ध है। परंतु एक काल खंड ऐसा आया जब ऐसी विचारधारा पनपने लगी कि अंग्रेजी बोलने वाले ज्यादा ज्ञानवान। सभ्य व शिष्ट होते हैं। आज स्थित भिन्न है और भारतीय भाषाएं हर विषय को व्यक्त करने में सक्षम है। विज्ञान। सूचना प्रौद्योगिकी। कंप्यूटर। फेसबुक। ट्विटर कोई भी क्षेत्र क्यों ने हो। आज भारतीय भाषाएं। विशेषकर हिंदी उनके संप्रेषण का मजबूत साधन बनकर उभरी है। देश के हर नेता व अधिकारीगण अपनी बात रखने हेतु हिंदी एवं अन्य स्थानीय भाषाओं को ही महत्व देने लगे हैं। इसके अलावा भारत की नई शिक्षा नीति में भी भारतीय भाषाओं को अत्यधिक महत्व प्रदान किया गया है। भारत ही नहीं आज पूरा विश्व हिंदी का लोहा मानने लगा है और अपनी बात ज्यादा-से-ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वतः ही हिंदी का उपयोग कर रहा है। आज हिंदी वैश्विक स्तर पर अपने आप को स्थापित करने में सक्षम है। समग्र रूप से। भारतीय संस्कृति का साम्राज्य अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर तीव्रता के साथ प्रसारित हो रहा है।

भाकृअनुप - भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

डॉ. महेश कुमार
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (राजभाषा)

भारतेन्दू हरीशचन्द्र जी की कविता की- निज भाषा उन्नति अहै। सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के। मिटत न हिय के सूल।। पंक्तियों को कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता। इन पंक्तियों से स्पष्ट है कि किसी भी तरह के विकास/उन्नति हेतु हमें अपनी भाषाओं की आवश्यकता होती है और जब तक हम अपने आपको व्यक्त करने में सक्षम नहीं हो पाते। तब तक हमारा ज्ञान भी निरर्थक ही पड़ा रहता है। व्यक्ति जिस समाज में रहता है उसे उस समाज की भाषा का ज्ञान आवश्यक रहता है। अन्यथा वह किसी भी तरह के कार्य-व्यवहार में अक्षम होता है। इसके अलावा हमारा ज्ञान मृतप्राय पड़ा रहता है। इसका एक अच्छा उदाहरण हम भारत को मान सकते हैं। भारत के पास ज्ञान के अगाध भंडार रहे हैं। परंतु वही ज्ञान विदेश से परिष्कृत होकर अंग्रेजी के माध्यम से हमारे समक्ष प्रस्तुत होने लगा और हम यह मानने लगे कि हमारा ज्ञान उनके ज्ञान की अपेक्षा कमतर है और हमें ज्ञानार्जन हेतु उनकी भाषाओं को सीखना आवश्यक है। परिणति हम अपनी भाषाओं से दूर होने लगे और अंग्रेजी की ओर आकृष्ट होने लगे और विशेषकर शहरों में हमारे ज्ञानार्जन का माध्यम अधिकांशतः अंग्रेजी होता गया तथा अंग्रेजी को हम अपने स्टेटस से जोड़ते चले गए। भाषा की दृष्टि से वर्तमान समय में कुछ बदलाव हुए हैं और हो रहे हैं जिसका संकेत हमें भारत की नई शिक्षा नीति 2020 में भी देखने को मिलता है। हम कितनी भी भाषाएं सीखें। परंतु शिक्षा अपनी भाषाओं में ही ग्रहण करनी चाहिए। शिक्षा का माध्यम कोई विदेशी भाषा (अंग्रेजी) होने पर बच्चों की विकासावस्था में उन्हें ज्ञानार्जन के स्थान पर एक भाषा विशिष्ट को सीखने पर बल देना पड़ता है। अन्यथा मातृभाषा में ज्ञानवर्धन आसान हो सकता है और ऐसा होने पर बच्चा अपनी बौद्धिक क्षमता का उपयोग केवल ज्ञानार्जन हेतु ही करेगा। हिंदी एवं अंग्रेजी की तुलना करते हुए राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र। मानेसर की एक वैज्ञानिक डॉ. नंदिनी चटर्जी सिंह ने अपने शोध के आधार पर बताया था कि अंग्रेजी बोलने में मस्तिष्क का केवल बायां हिस्सा सक्रिय रहता है। जबकि हिंदी बोलते समय मस्तिष्क के दोनों हिस्से सक्रिय रहते हैं। अतः हिंदी का उपयोग मस्तिष्क को अपेक्षाकृत ज्यादा सक्रिय रखता है। अतः जब हमारी भाषाएं सक्षम हैं तो हमें अपनी भाषाओं में ही प्रशिक्षण सामग्री तैयार करनी चाहिए और अपने शोधादि भी अपनी भाषाओं में ही होने चाहिए। इससे हमारे विकास को तीव्रता मिलेगी। संभव है प्रारंभ में कुछ कठिनाइयां आए। क्योंकि भारत पर लंबे समय तक अन्य भाषा-भाषियों का प्रभुत्व रहा और भारतीय भाषाएं दबी सहमी सी रहीं। हमारी अपनी भाषाओं के समृद्ध होते हुए एक विदेशी भाषा में कार्य करना एक अनावश्यक बोझ है और ऐसा करके हम हमारी भावी पीढ़ियों को उनकी जड़ों से दूर करते जा रहे हैं। एक सशक्त देश की पहचान को उसकी अपनी भाषा में ज्यादा अभिव्यक्ति मिल सकती है। अतः शिक्षण। शोध। संप्रेषण आदि में हिंदी एवं भारतीय भाषाओं का प्रयोग शिक्षार्थियों के बोझ को कम करेगा। जिससे उनकी बौद्धिक शक्ति का ज्यादा-से- ज्यादा उपयोग अनुसंधान व विकास कार्यों में किया जा सकेगा। वर्तमान में सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप कुछ राज्यों में एमबीबीएस जैसी उच्च शिक्षा व्यवस्थाएं हिंदी में की गई है एवं पांचवीं तक भारतीय भाषाओं में ही शिक्षण व्यवस्था की संकल्पना को साकार करने हेतु प्रयास जारी है। पूर्णतः इस शिक्षण व्यवस्था के अनुपालन से भारत तीव्रता के साथ विकास की ओर अग्रसर होगा और उसे समृद्ध भाषा वाले सशक्त देश के रूप में पहचान मिलेगी। जयहिंद !

कदन्न एवं अन्य अनाजों में पोषक तत्वों का संगठन

(प्रति १०० ग्राम १२% नमी)

अनाज (कदन्न/ अन्य धान्य)	कार्बोहाइड्रेट (ग्राम)	प्रोटीन (ग्राम)	वसा (ग्राम)	ऊर्जा (कि.कैलोरी)	पथ्य रेशे (ग्राम)	कैल्सियम (मिग्रा)
ज्वार	61.6	09.9	1.73	334.1	10.2	27.6
बाजरा	61.7	10.9	5.43	347.9	11.5	27.3
रागी	66.8	07.1	1.92	320.7	11.2	364.0
कोदो	66.1	08.9	2.55	331.7	06.4	15.3
चेना	70.4	12.5	1.10	341.1	-	14.0
कंगनी	60.0	12.3	4.30	331.0	-	31.0
कुटकी	65.5	10.1	3.89	346.3	7.7	16.1
सावां	65.5	06.2	2.20	307.1	-	20.0
गेहूं	64.7	10.6	1.47	321.9	11.2	39.4
चावल	78.2	07.9	0.52	356.4	02.8	7.5
किनोआ	53.6	13.1	5.50	328.4	14.7	198.0
जई	66.3	16.9	5.94	389.0	11.0	54.0

अनाज (कदन्न/ अन्य धान्य	फास्फोरस (मिग्रा)	मैग्नीशियम (मिग्रा)	जिंक (मिग्रा)	आयरन (मिग्रा)	थायमिन (मिग्रा)	राइबोफ्लेविन (मिग्रा)	नियासिन (मिग्रा)	फॉलिक अम्ल (मिग्रा)
ज्वार	274	133	1.96	3.95	0.35	0.14	210	39.42
बाजरा	289	124	2.76	6.42	0.25	0.20	0.86	36.11
रागी	210	146	2.56	4.62	0.37	0.17	1.34	34.66
कोदो	101	122	1.65	2.34	0.29	0.20	1.49	39.49
चेना	206	153	1.40	0.80	0.41	0.28	4.50	-
कंगनी	188	81.00	2.40	2.80	0.59	9.11	3.20	15.00
कुटकी	130	91.41	1.82	1.26	0.26	0.05	1.29	36.20
सावां	280	82.00	3.00	5.00	0.33	0.10	4.20	-
गेहूं	315	125	2.85	3.97	0.46	0.15	2.68	30.09
चावल	96	19.50	1.21	0.65	0.05	0.05	1.69	9.32
किनोआ	212	119	331	7.51	0.83	0.22	1.70	173
जई	429	177	4.0	5.0	0.76	0.13	0.90	56

www.millets.res.in

कदन्न (पौष्टिक धान्य) - आहार, स्वस्थ परिवार

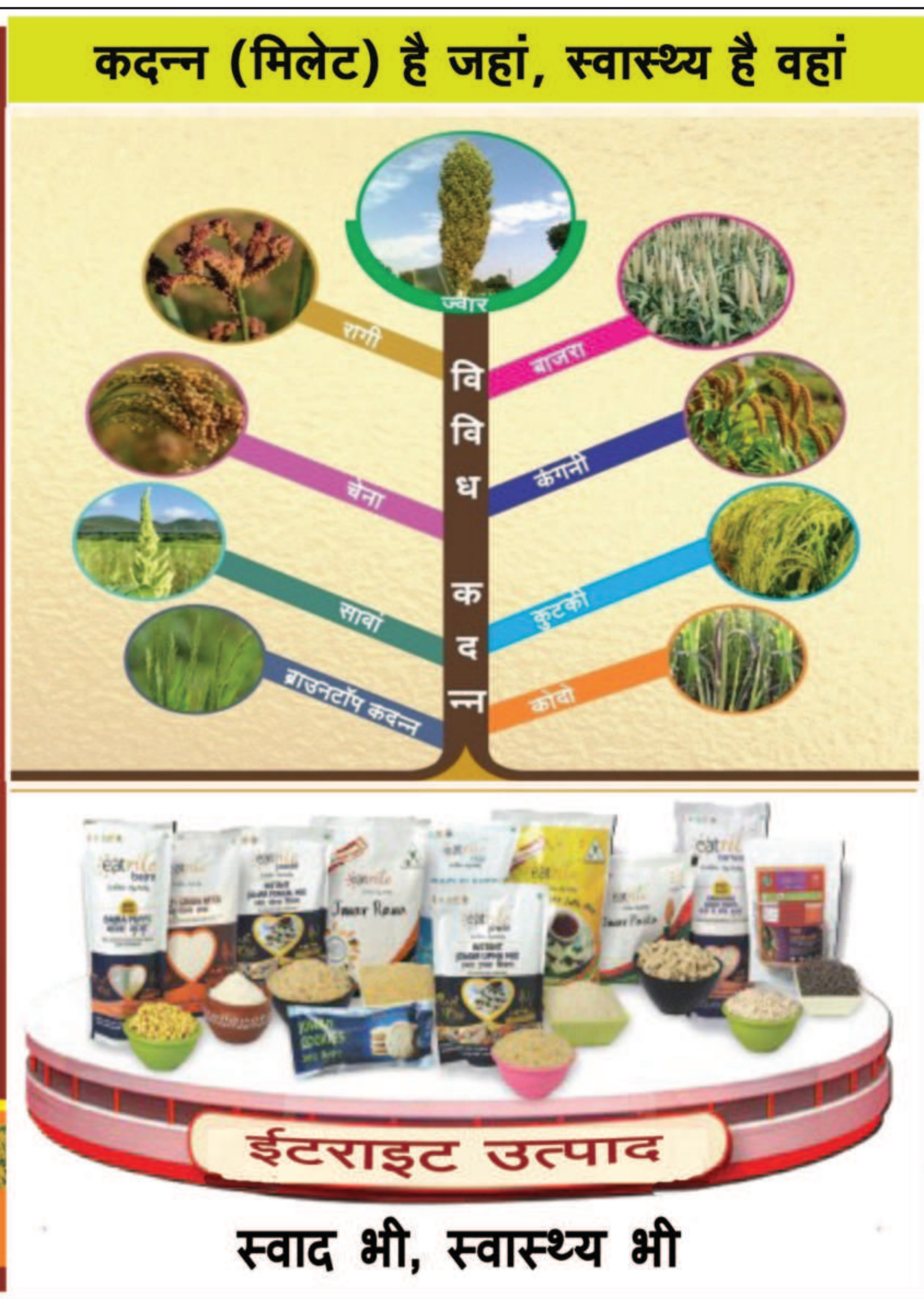

अंतर्राष्ट्रीय कदन्न (मिलेट) वर्ष 2023 की ओर अग्रसर...

भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500 030 तेलंगाना, दूरभाष : 040 24599300 वेबसाइट : www.millets.res.in

हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

सी वी रत्नावती, निदेशक (कार्यकारी)

हिन्दी की प्रगति देश की उन्नति : चंद्रशेखर

सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाना और समस्त सांविधिक एवं उपबंधों के अनुपालन को सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है। बहुलतावादी हमारे देश मे जहां कई भाषाओं का प्रयोग किया जाता है वहाँ हिंदी भाषा सभी भारतीय भाषा - भाषियों के बीच की कड़ी का कार्य करती है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में कार्य करने वाले केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी के प्रागामी प्रयोग द्वारा हम आम जनता तक अपने कार्य परिणामों को पहुंचाने का रास्ता सरल

बनाते है।

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है जो सरकारी योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने के लिए भरसक प्रयास करता है। सरकारी योजनाओं जैसे एग्री क्लीनिक्स एवं एग्री बीजिनेस केंद्र (एसी व एबीसी), ग्रामीण युवाओं का कौशल प्रशिक्षण (एसटीआरवाई), इनपुट डीलरों हेतु कृषि विस्तार सेवा डि🖉मा (देसी), आर के वी वाई - रफ्तार के क्रियान्वयन में आवश्यकता अनुसार हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाता है। उपर्युक्त कार्यक्रमों के प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण सत्रों में हिन्दी एवं स्थानीय भाषाओं को वरीयता दी जाती है। साथ ही प्रशिक्षण सामग्री भी हिन्दी भाषा में दिया जाता है। केवल यही नहीं मैनेज द्वारा विभिन्न राज्यों के सरकारी विस्तार अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए समकालीन विषयों पर आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों के आयोजन के समय भी प्रशिक्षण सत्र द्विभाषी रूप में आयोजित किए जाते है।

मैनेज अपनी सारी प्रशिक्षण सामग्री द्विभाषी रूप में तैयार कर रहा है। साथ ही इसे सार्वजनिक हित में संस्थान की वेब साइट पर भी उपलब्ध करवाया गया है। सरकारी विस्तार कर्मियें के लिए आरंभ की गयी स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंध डिप्लोमा की सारी शिक्षण सामग्री के सरल वीडियो पाठ बनाये गये है और उन्हें द्विभाषी रूप में तैयार कर वेबसाईट पर उपलब्ध करवाया गया है। मैनेज किसानों के हित में कृषि विस्तार सेवाओं के व्यावसायीकरण के लक्ष्य से प्रमाणित फसल सलाहकार एवं प्रमाणित पशुधन सलाहकार पाठ्यक्रम चला रहा है। साथ ही मैनेज ने एकीकृत पोशकतत्व प्रबंधन पर एक सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया है जो फर्टिलाईजर डीलरों के लिए 15 दिनों का आवासीय कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में भी हिन्दी एवं अन्य स्थानीय भाषाओं का प्रयोग किया जाता है।

मैनेज में राजभाषा अधिनियम के तहत निर्धारित सभी नियमों का अनुपालन किया जाता है। धारा 3 (3) का शत प्रतिशत अनुपालन, हिन्दी में प्राप्त पत्रों को जवाब हिन्दी मे देना, क क्षेत्र मे जाने वाले पत्रों को शत प्रतिशत द्विभाषी भेजने में सावधानी बरती जाती है। आंतरिक नोटिंग में राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए एक तिमाही में अधिक से अधिक नोटिंग लिखने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है। राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्य योजना के अनुसार मैनेज के राजभाषा संबंधी गतिविधियों की योजना तैयार की जाती है।

अंततः यह कहते हुए मैं गर्व महसूस कर रहा हूं कि मैनेज ने अपनी गृह पत्रिका मैनेज अंकुर का प्रकाशन आरंभ किया है जिसका मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा में तकनीकी लेखों को बढ़ावा देना है। इस पत्रिका के पहले अंक का विमोचन किया जा चुका है और दूसरा अंक प्रक्रियाधीन है। राजभाषा की उन्नति के लिए मैनेज हमेशा कटिबद्द है।

जय हिन्द ! जय हिन्दी !

-डॉ. पी. चंद्रशेखर ,
महानिदेशक, मैनेज

माओवादी के दो सदस्य हिरासत में

कोत्तागुडेम, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चेर्ला मंडल में मंगलवार को पुलिस ने भाकपा (माओवादी) मिलिशिया के दो सदस्यों को हिरासत में ले लिया।

मामले की जानकारी देते हुए भद्राचलम में एसीपी बी. रोहित राजू ने बताया कि चेर्ला पुलिस और सीआरपीएफ 141 बटालियन चेरलामंडल के कोराकटपाडु गांव के पास जंगलों में तलाशी अभियान में लगे हुए थे, उन्होंने दो लोगों को संदिग्ध रूप से आगे बढ़ते देखा। उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के किस्ताराम थाना क्षेत्र के दोकुपाडु गांव के वंडो जोगा और रवा उनगल के रूप में अपनी पहचान बताई। वे पिछले पांच वर्षों से निम्मलगुडेम आरपीसी में मिलिशिया सदस्य के रूप में काम कर रहे थे। वे छह दिन पहले पुलिस से बच निकले जब वे चेरला एलओएस कमांडर रजिता और अन्य के साथ कुर्नापल्ली-बोडानेल्ली वन क्षेत्र में पुलिसकर्मियों को मारने के लिए बारूदी सुरंग लगाने आए। एसीपी ने कहा कि मिलिशिया के सदस्यों को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा जाएगा। उन्होंने जनता को सलाह दी कि वे माओवादियों की मदद न करें और अगर लोगों को माओवादियों की मदद करते पाया गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रगति की ओर हिन्दी महाविद्यालय

दक्षिण की भूमि हैदराबाद के केंद्र में स्थापित संपूर्ण दक्षिण भारत का कल्पवृक्ष हिन्दी महाविद्यालय वर्ष 1961 से अपनी अविराम गतिविधियों एवं उपलब्धियों के कारण नगरद्वय की शिक्षण संस्थाओं का प्रेरणास्रोत रहा है। महाविद्यालय को सर्वप्रथम वर्ष 2006 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन समिति द्वारा मान्यता प्रदान की गई। वर्ष 2012 में स्वायत्तता प्रमाण पत्र के साथ संस्था की प्रगति की दिशा में नया अध्याय जुड़ गया है। सितंबर 2017 को महाविद्यालय ने राष्ट्रीय पुनर्मूल्यांकन एवं प्रत्यायन का तीसरा चक्र सफलतापूर्वक पूर्ण करते हुए बी. प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। इसी क्रम में अगस्त 2018 को हिन्दी महाविद्यालय ने स्वायत्तता की द्वितीय प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। स्थापना के समय से जिन लक्ष्यों को लेकर यह शिक्षण संस्था आगे बढ़ी उन्हें प्राप्त करते हुए महाविद्यालय प्रबंध समिति के नेतृत्व में ज्ञान ज्योति से निरंतर प्रज्वलित हो रहा है। चेयरमैन एमिरेटस सुरेंद्र लूणिया, अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, कार्यदर्शी लक्ष्मीनिवास शर्मा, संयुक्त कार्यदर्शी सुरेशचंद लाहोटी, कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा एवं समिति के सक्रिय सदस्यों के दिशा-निर्देश में कई कीर्तिमान स्थापित कर रही है और हीरक जयंती की ओर अग्रसर है। राष्ट्र के प्रति सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का निर्वाह करते हुए विभिन्न वर्गों के छात्रों को अदयतन तथा

डॉ. अविनाश जायसवाल
प्राचार्य-हिन्दी महाविद्यालय

शिक्षाजन्य हर संभव सहायता उपलब्ध कराना, तकनीकी ज्ञान प्रदान करना तथा महाविद्यालय में आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराना समिति का ध्येय है। इसी को ध्यान में रखते हुए छात्र एवं छात्राओं के लिए हॉस्टल की व्यवस्था की गयी है। हैदराबाद के भूतपूर्व वित्त मंत्री विनायक राव विद्यालंकार की इच्छा शक्ति का साकार रूप में हिन्दी महाविद्यालयय ने विगत 57 वर्षों में बार-बार यह सिद्ध किया है कि हिन्दी माध्यम से उच्च शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों का भविष्य उत्कृष्ट एवं उज्जवल बना है। सुप्रसिद्ध समाज सेवी पन्नालाल पित्ती जी का संस्था की स्थापना में अतुल्य योगदान चिरस्मरणीय है। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय भवन का शिलान्यास आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीलम संजीव रेड्डी के करकमलों से हुआ था। संस्थापक प्राचार्य कृष्णदत्त, पूर्व कार्यदर्शी गंगाराम, खंडेराव कुलकर्णी सहित अनेक हिन्दी सेवियों के निःस्वार्थ योगदान और समर्पण की यहाँ की हर शिला साक्षी है। कला महाविद्यालय के रूप में स्थापित हिन्दी महाविद्यालय ने प्रगति के सोपान तय करते हुए अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। वर्ष 1969 में वाणिज्य तथा वर्ष 1971 में विज्ञान का अध्ययन-अध्यापन प्रारंभ हुआ। वर्ष 1991 में माननीय राज्यपाल कृष्णकांत के आशीर्वाद से संस्था ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एम.एम. हिन्दी के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वास्तव में इस संस्था ने उत्तर को दक्षिण से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। सभी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में इस संस्था ने दक्षिण भूमि पर अंसभव को संभव बनाया। छात्रों के चतुर्दिक विकास को केंद्र में रखते हुए नए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की योजना के तहत अंग्रेजी माध्यम से क्रमशः वर्ष 2007-08 में बी.एससी तथा 2011-12 में बी.बी.ए. पाठ्यक्रम प्रारंभ किए गए। स्वायत्तशासी संस्था के रूप में हिन्दी महाविद्यालय ने विकास के कई चरण पूर्ण किये है। संस्था अपने विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता के लिये कटिबद्ध है। संस्था उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध रहते हुए नवीन पाठ्यक्रमों की रचना करने और उनका संचालन करने में स्वतंत्र है। छात्रों को उच्चतम शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखते हुए सुप्रसिद्ध सामाजिक विभूति स्वर्गीय माणिकचंद गुप्त के आर्थिक सहयोग से महाविद्यालय परिसर में जेएनटीयू से संबद्ध एम सी गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एमबीए) की स्थापना की गयी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से कौशल विकास योजना से जुड़े पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की नीति के अंतर्गत वर्ष 2015 से बी. वोकेशनल स्टडीज के अधीन स्नातक स्तर पर बैंकिंग एंड इंश्योरेंस तथा हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम प्रारंभ किये गये हैं। वर्ष 2017 में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का नवीनीकरण किया गया है, जिसमें वर्तमान में 100 से अधिक छात्रों ने राष्ट्रसेवक के रूप में प्रवेश लिया है। इस इकाई का उद्देश्य श्रेष्ठ नागरिक के रूप में छात्रों को सामाजिक सेवा कार्यों की दिशा में प्रोत्साहित करना है। सेल्फ फाइनांस संस्था के रूप में महाविद्यालय द्वारा शिक्षा का निरंतर विस्तारीकरण करते हुए अकादमिक वर्ष 2017-18 से अंग्रेजी माध्यम से ही बी.कॉम कंप्यूटर तथा वर्ष 2018-19 से स्नातकोत्तर स्तर पर एम.कॉम प्रारंभ किया गया है।

यहां स्नातक स्तर पर बीएससी मे थमेटिक्स, फिजिक्स, केमेस्ट्री, बी.वोकेशनल योगा तथा अकांउटेंसी एवं स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एससी मेथमेटिक्स, स्टटेस्टिक्स, एम. वोकेशनल बैंकिंग एंड इश्योरेंस तथा हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म एवं स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षा प्रदान की जा रही है। उत्तम शिक्षा के सभी मानदंडों को चरण दर चरण पूर्ण करने में क्रियाशील तथा दृष्टि 2030 के लक्ष्यों की सृष्टि की ओर निरंतर अग्रसर हिन्दी महाविद्यालय आज प्रगति के उच्च शिखर पर विराजमान है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व करीमनगर सांसद बंडी संजय कुमार का प्रजा संग्राम यात्रा के चौथे चरण के तहत शेरीलिंगमपल्ली विस क्षेत्र में स्वागत करते हुए संभाग के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद। इस अवसर पर गज्जला योगानंद ने कहा कि प्रजा संग्राम यात्रा को अप्रत्याशित प्रतिक्रिया मिलेगी और यात्रा की लोकप्रियता को देखें तो स्पष्ट है कि तेलंगाना में भाजपा की सरकार सत्ता में आएगी।

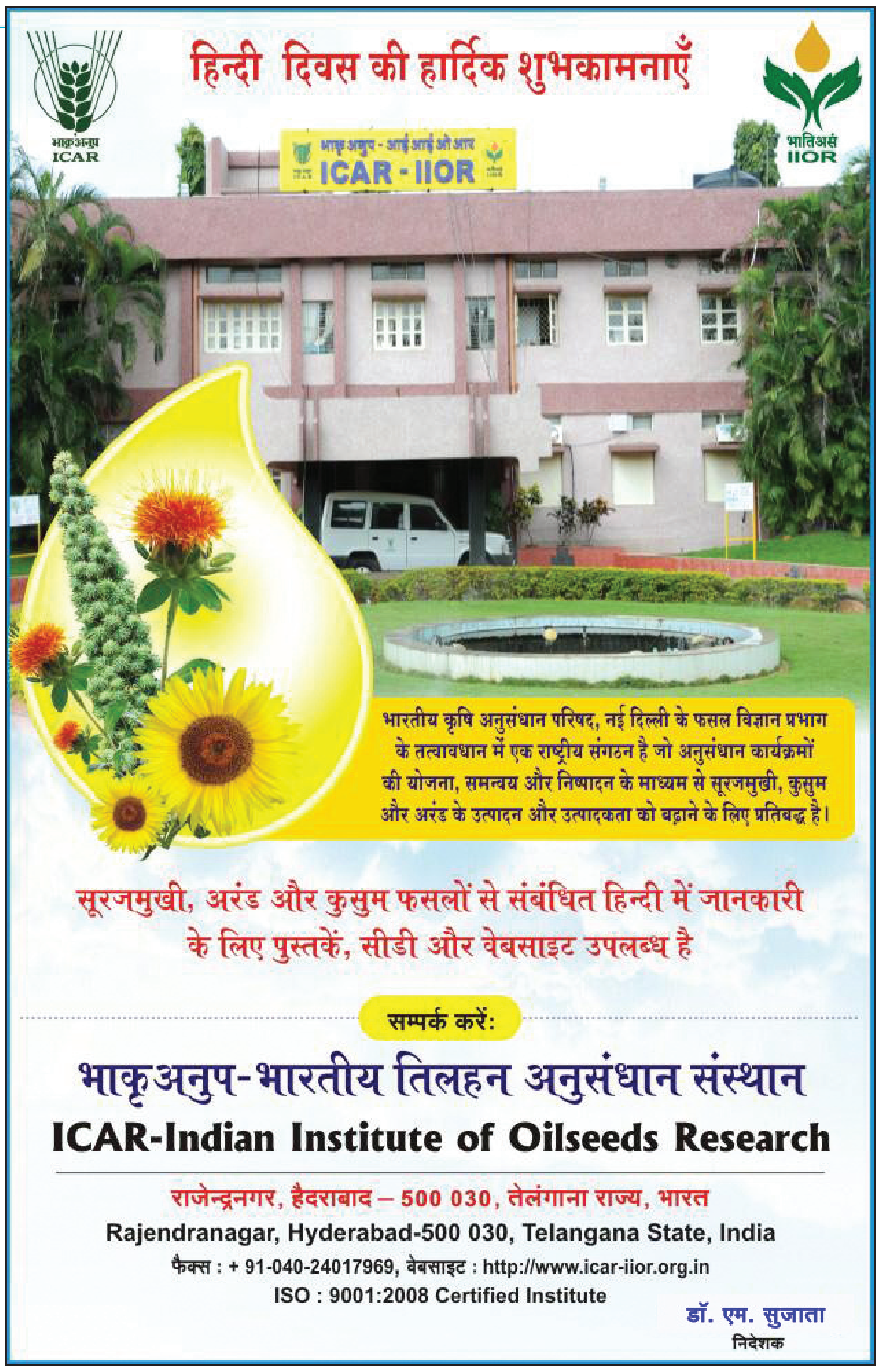

किसानों तक हमारे नवीनतम अनुसंधान व विकास गतिविधियों की पहुंच हेतु मुख्य भूमिका में हिंदी

डॉ. आर एम सुंदरम
निदेशक। भाकृअनुप – भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान

मुझे यह सूचित करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि चावल भारत की दो तिहाई से ज्यादा जनसंख्या का मुख्य आहार है तथा कुल खाद्यान्न उत्पादन में इसका लगभग 40% योगदान है। अतः यह लोगों की खाद्य एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उच्च उत्पादन युक्त किस्मों एवं संकरों की खेती तथा उन्नत फसल प्रबंध कार्यों को अपनाकर बढ़ती जनसंख्या को खाद्य प्रदान करने हेतु यह भाकृअनुप – भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान।

हैदराबाद तत्पर है। पिछले दो दशकों से भारत में निर्यात तेजी से बढ़ा है और हम 2011 से चावल के निर्यात में सबसे आगे हैं तथा प्रतिवर्ष लगभग 16 मिलियन टन चावल के निर्यात से 66000/- करोड़ से ज्यादा विदेशी विनिमय प्राप्त हो रहा है। हमारी उपलब्धियों के बावजूद भी हमें पोषण सुरक्षा हेतु चावल के जैव-संवर्धन (बायोफोर्टिफिकेशन) पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

इसके अलावा हमें समय की मांग के अनुरूप हमारे शोध को दिशा एवं गति प्रदान करना होगा। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए हमने कम ग्लाइसेमिक सूचकांक युक्त चावल की किस्में भी विकसित की है जोकि वर्तमान में जीनवशैली संबंधी रोगों से संघर्ष कर रहे लोगों के लिए खाद्य का एक अच्छा विकल्प है। इसके अलावा स्वास्थ्य हेतु उपयुक्त राईस ब्रॉन तेल भी बाजार में उपलब्ध है। हमने धान के विविध उत्पाद (दर्द निवारक बाम। लोशन आदि) भी विकसित किए हैं। जोकि लोगों के लिए अत्यधिक लाभप्रद हैं। केवल शोध अथवा उसके सकारात्मक परिणाम ही हमारे लिए पर्याप्त नहीं है। बल्कि हमारी प्रौद्योगिकियों व तकनीकों आदि को उनके प्रयोक्ता तक पहुंचाना आवश्यक है और इसके लिए हमें उनकी भाषा का ही प्रयोग अपेक्षित होता है। इस संदर्भ में निःसंदेह हमें भारतीय भाषाएं। विशेषकर हिंदी ही साथ दे सकती है चूंकि देश की अधिकांश जनसंख्या हिंदी का ज्ञान रखती है। अतः मेरा यह मानना है कि हमारे लिए हिंदी में कार्य करना आवश्यकता भी है और संवैधानिक दायित्व भी है। जयहिंद !

कृषि अनुसंधान संग हिंदी की प्रगति की ओर भाकृअनुप-क्रीडा के बढ़ते कदम

डॉ.विनोद कुमार सिंह,
निदेशक

देश में वर्षा आधारित कृषि शुष्क। अर्ध-शुष्क एवं उप-आर्द क्षेत्रों में खेती-किसानी का एक प्रमुख रूप है। वर्षा आधारित कृषि भारतीय कृषि का प्रमुख अंग है। जिसमें देश के प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं प्रबंधन को बनाए बनाए रखते हुए। खाद्यान्न एवं पोषण सुरक्षा के लिए समेकित दृष्टिकोण एवं बहु-विषयक अनुसंधानों की आवश्यकता को मद्देनजर रखकर वर्ष 1985 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप) द्वारा हैदराबाद में केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (क्रीडा) स्थापित किया। यह संस्थान देश को संधारणीय भविष्य की ओर ले जाने के लिए जलवायु परिवर्तन एवं वर्षा आधारित कृषि में अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकियों के विकास के महत्वपूर्ण अनुसंधान कार्यों हेतु निरंतर प्रयासरत है। भाकृअनुप-क्रीडा देश के वर्षा आधारित क्षेत्रों में जलवायु संबंधी समस्याओं से जूझते हुए सफल एवं प्रभावी नीतियों के निर्माण कार्यों में देश के अन्य वैज्ञानिक संस्थानों में अग्रगामी स्थान बनाए हुए है। यह संस्थान अखिल भारतीय समन्वित बारानी कृषि अनुसंधान परियोजना (एक्रीपडा) एवं अखिल भारतीय समन्वित कृषि-मौसमविज्ञान अनुसंधान परियोजना (एक्रीपाम) का भी मुख्यालय है। इन दोनों परियोजनाओं ने मिलकर संधारणीय भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए अनेकानेक प्रयास किए हैं। यह संस्थान भारतीय कृषि अुनसंधान परिषद के अन्य संस्थानों। राज्य कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ एक नेटवर्क के माध्यम से 'राष्ट्रीय जलवायु समुत्थान कृषि में नवप्रवर्तन' जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम की अगुवाई भी कर रहा है। वर्षाजल सिंचाई एवं पुनःचक्रण। बारानी क्षेत्रों में सस्ययन प्रणाली अनुसंधान। संरक्षण कृषि एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन। वैकल्पिक भूमि उपयोग एवं पारिस्थितिक रूप से संधारणीय कृषि। किसानों को मौसम के बारे में सलाह देना। बारानी फसलों का कृषि विज्ञान आधारित प्रजनन। कृषि शक्ति एवं मशीनरी। सामाजिक-आर्थिक नीतियां आदि क्षेत्रों में यह संस्थान अग्रिम पंक्ति में खड़ा नजर आता है। इस संस्थान के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह एक प्रमुख सस्य वैज्ञानिक हैं जिनके कुशल नेतृत्व में यह संस्थान संधारणीय भविष्य के लिए आगामी अनुसंधान का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में भी यह संस्थान निरंतर प्रयासरत है। इस संस्थान को नराकास। कृषि मंत्रालय के आईसीएआर और भारत सरकार के राजभाषा विभाग तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठनों से अनेकानेक राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। हाल ही में हमें परिषद द्वारा राजऋषि टंडन राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हमें विश्वास है कि वर्षा आधारित कृषि अनुसंधान के साथ-साथ राजभाषा हिंदी का सरल भाषा के रूप में निरंतर प्रयोग होता रहेगा तथा हमारी अनुसंधान उपलब्धियां। शैक्षिक कार्य तथा खेती- किसानी हेतु उपयोगी सूचनाएं हिंदी में भी प्राप्त होती रहेंगी।

दक्षिण की भी भाषा है हिंदी

श्रुतिकान्त भारती
संचालक
मिलिन्द प्रकाशन।

दक्षिण भारत में हिन्दी के पद का प्रयोग जब भी हम करते हैं तो हमरे मन में कई प्रकार के विचार आने लगते हैं। हिन्दी तो उत्तर भारत के कुछ राज्यों में बोली जाने वाली भाषा है। तब फ़िर दक्षिण भारत में हिन्दी का क्या अर्थ हुआ।

वास्तव में हिन्दी मात्र उत्तर भारत की ही भाषा नहीं है। यह दक्षिण की भी भाषा है। इसका पहले का रूप आज से थोड़ा भिन्न था। इसे तंजाऊरी हिन्दी। कर्नाटकी हिन्दी या फिर दक्खिनी हिन्दी आदि के नामों से अभिहित किया जाता था। भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान यह हिन्दी।

हिन्दवी या हिन्दुस्तानी आदि के रूप में संपूर्ण भारत में फैलती गयी। महात्मा गांधी के प्रोद्बल से यह दक्षिण में तेजी से फैलने लगी। लोग स्वतंत्रता आन्दोलन। महात्मा गांधी। हिन्दी का प्रचार-प्रसार देशाटन। इन सभी को एक दूसरे का पर्याय और जनता के ह्रदय से निकले 'राष्ट्र सेवा' के उद्गार मानते थे।

इन जीवनोत्सर्ग की भावनाओं को लेकर वे। गांधी जी के नेतृत्व में आजादी के लिए आगे ही आगे बढ़ने में अपने-आपको और अपने जीवन को कृतार्थ समझते थे। कहीं पर भी किसी में भी। लेश मात्र भी 'तेरी-मेरी' की भावना नहीं थी। सभी का एक मात्र लक्ष्य था 'हमें विदेशी राज से आजादी पाना है। इसके लिए चाहे हमें अपनी आहुति ही क्यों न देना पड़े। हम उसके लिए भी तैयार हैं।' मुक्त कंठ से संपूर्ण भारतीय जन मानस की यह वाणी थी। यह वाणी अखंड थी।

तभी तो हम आजाद हो गए। आजादी के बाद जब हमारा अपना भारतीय संविधान बनने लगा। तब स्वतंत्रता आन्दोलन को सुचारू रूप से चलाने में। सभी को एक सूत्र में ले आने में सफल। भारतीय जन-जन में फैली जनता की वाणी देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली खड़ी-बोली हिन्दी को।

केन्द्र सरकार के सरकारी क्रिया-कलापों को चलाने के लिए तथा अपने-अपने प्रान्तों में अपनी-अपनी प्रान्तीय भाषाओं को राजकाज चलाने वाली राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया। सांस्कृतिक। सामाजिक।

धार्मिक व राजनीतिक धरातल पर कहीं-कहीं। छुट-पुट संघटनाओं के अतिरिक्त संपूर्ण दक्षिण भारत में हिन्दी का विकास। शिक्षा। साहित्य। व्यवसाय। प्रौद्योगिकी आदि जैसे जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रोत्साहनजनक रहा है। हिन्दी की ऐसी सबल स्थिति के आधार पर उदारीकरण। वैश्वीकरण। कंप्यूटरीकरण। प्रौद्योगिकीकरण के बढते चरणों के चलते हिन्दी की गति न केवल दक्षिण भारत में अपितु भारत में।

विश्वस्तरीय एवं विश्वव्यापी भाषाओं में द्वितीय स्थान से भी आगे अव्वल बनने के लिए अपनी सार्वभौम क्षमताओं के आधार पर दिन दूनी रात चौगुनी के रूप मे बढ़ती जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 14 सितंबर, 2022

ज्ञानवापी पर सुनवाई

वाराणसी के काशी विश्वनाथ परिसर के पास स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा करने की गुंजाइश बढ़ गई है, क्योंकि इसको लेकर दायर याचिका को आखिरकार अदालत ने सुनवाई के लायक मान लिया है। जाहिर है कोर्ट के इस निर्णय से हिंदू समाज के लोगों में हर्ष व उल्लास है। हिंदू पक्ष इसे अपनी जीत मान रहा है। बता दें कि जब याचिका दायर की गई थी, तब मस्जिद के प्रबंधन से जुड़े लोगों ने अपील की थी कि यह मस्जिद वहां आजादी के पहले से है। इसलिए यहां किसी भी तरह का बदलाव 1991 के पूजा स्थल कानून के विरुद्ध होगा। बता दें कि इस कानून में अयोध्या को छोड़ कर देश के तमाम पूजा स्थलों में यथास्थिति बहाल रखने का प्रावधान है। जब ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के हिंदू मंदिर की जगह बने होने का दावा मजबूत होने लगे, तो कोर्ट ने मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण का आदेश दिया था। सर्वेक्षण में पाया गया कि मस्जिद परिसर में हिंदू प्रतीक और शिवलिंग स्थापित है। उसके बाद तो हिंदुओं का दबाव और बढ़ने लगा था। तब सुप्रीम कोर्ट ने वाराणसी की जिला अदालत को आदेश दिया कि वह तय करे कि याचिका पर सुनवाई की जा सकती है या नहीं। तमाम गवाहों के बयान और सर्वेक्षण के साक्ष्यों के आधार पर सोमवार को कोर्ट ने उक्त फैसला सुनाया। यह पहली बार नहीं है, जब ज्ञानवापी परिसर पर दावे के लिए अदालत में गुहार लगाई गई हो। इससे पहले भी कई बार अदालत का दरवाजा खटखटाया जा चुका है, लेकिन तब कोर्ट ने उन याचिकाओं को सुनवाई के लायक नहीं पाया। अब सर्वेक्षण के बाद जब कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं और गवाहों के ठोस बयानों से अदालत को लगा है कि यह मामला सुनवाई योग्य है। इस फैसले का स्वागत इसलिए भी किया जाना चाहिए कि अभी अदालत ने सिर्फ यह स्वीकार किया है कि मामले की सुनवाई की जा सकती है। लेकिन अभी यह अर्थ निकालना जल्दबाजी होगी कि इससे ज्ञानवापी परिसर पर किसी की दावेदारी सिद्ध हो गई है। जब यह मामला चलेगा, तो दोनों पक्ष अपने-अपने पक्ष में दलीलें देंगे। साक्ष्यों और ऐतिहासिकता आदि की भी पूरी पडताल होगी। बता दें कि देश में बहुत सारी जगहों पर इस तरह से दो समुदायों के पूजा स्थलों की भूमि पर कब्जे आदि को लेकर विवाद है। उन विवादों को समाप्त करने के मकसद से ही 1991 में पूजा स्थल कानून लाया गया था। इस कानून की मौजूदगी में ही अदालत तमाम पक्षों की परख और सुनवाई करेगा। इसलिए दोनों पक्षों से अपेक्षा की जाती है कि वे अदालत का अंतिम फैसला आने तक संयम बनाए रखेंगे। अदालत के विवेक पर भरोसा और उसके फैसले का सम्मान करना चाहिए। जिस तरह ज्ञानवापी परिसर में चल रहे सर्वेक्षण के समय कुछ लोगों ने संचार माध्यमों के जरिए एक समांतर अदालत चलानी शुरू कर दी थी और सर्वेक्षण का काम पूरा होने से पहले ही अपने-अपने फैसले सुनाने शुरू कर दिए थे, वैसा करना सामाजिक समरसता के लिए घातक होगा। सर्वेक्षण का काम पूरी तरह गुप्त होना था, मगर उसमें मिले प्रतीकों आदि के चित्र और सर्वेक्षण करने वालों के बयान तक जब बाहर आने शुरू हो गए थे, तो शहर में तनाव का वातावरण बन गया था। अदालत में जब तक सुनवाई चल रही है, तब तक ऐसी हरकतें न होने पाएं, इसका विशेष ध्यान रखना पड़ेगा। अच्छी बात है कि फैसला आने से पहले प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद कर दिया था जिससे किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी नहीं हो सकी। क्योंकि भारी पुलिस बल किसी भी उपद्रवी को ठिकाने लगाने के लिए तैयार दिख रही थी।

2023 होगा बाजरा वर्ष : भारत प्रोडक्शन में सबसे आगे

1980 की बात है। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के प्रचारक थे। वह एक स्वयंसेवक के घर गए जो झुग्गी में अपनी पत्नी और बच्चे के साथ रहता था। घर आए मेहमान को उन्होंने थाली में बाजरे की आधी रोटी और दूध की एक कटोरी परोसी। स्वयंसेवक की पत्नी बच्चे को गोद में लेकर वहीं पास में बैठी थीं। बच्चा दूध की कटोरी को देख रहा था। मोदी समझ गए थे कि जो दूध उन्हें परोसा गया है, वह बच्चे के लिए ही आया होगा। ऐसे में उन्होंने रोटी को पानी में डुबोकर खा लिया और दूध बच्चे को पिलाने के लिए मां को लौटा दिया। जैसे ही मां ने बच्चे को दूध दिया वह एक सांस में उसे गटक गया। यह देख वहां सबकी आंखें नम हो गई थीं। यह किस्सा गुजरात के मशहूर डॉक्टर अनिल रावल अक्सर सुनाया करते हैं। तब वह मोदी के साथ थे। प्रधानमंत्री मोदी ने अगस्त 2022 के 'मन की बात' कार्यक्रम में 1 से 30 सितंबर को 'न्यूट्रिशन मंथ' बताया और कहा कि बाजरा पैदा करने में भारत दुनिया में सबसे आगे है। सभी भारतीयों को इसे खाना चाहिए। यही अनाज कुपोषण से लड़ने के लिए फायदेमंद है। दरअसल, साल 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। 2021 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र को इसका प्रस्ताव भेजा था। बाजरा जैसा स्मार्ट फूड अपने आप में कंप्लीट मील है। बाजरा तो एक ही है लेकिन देश के हर हिस्से में लोग इसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं। जिस बाजरे की बात हम आपसे कर रहे हैं उसका जिक्र इतिहास में भी मिलता है, जिसे आज स्मार्ट या सुपर फूड नाम दिया जा रहा है। 322–185 ईसा पूर्व के बीच भारत में मौर्य राजवंश का दबदबा था। इतिहासकार बताते हैं कि सर्दी में यहां बाजरा ही खाया जाता था। उस समय मोटे अनाज से शराब भी बनाई जाती थी।

दिल्ली सल्तनत का शासक शेरशाह सूरी एक साहसी योद्धा था। वह अपना शासन बढ़ाने के लिए राजस्थान पर कब्जा करना चाहता था। उसका मुकाबला जोधपुर मारवाड़ के राजा मालदेव के सेनानायक जैताजी और कूपाजी से हुआ। यह बात 1543 की है। इस समय गिरी-सुमेल की लड़ाई लड़ी गई, जिसमें शेरशाह सूरी कमजोर पड़ गया। मारवाड़ की सेना दिल्ली के करीब पहुंच गई थी। ऐसे में शेरशाह सूरी ने मैदान छोड़ने का फैसला किया। युद्ध के बाद शेरशाह सूरी ने कहा, 'बोल्यो सूरी बैन यूं, गिरी घाट घमसाण, मुठी खातर बाजरी, खो देतो हिंदवाण।' यानी 'आज मैं मुट्ठी भर बाजरे के लिए पूरे हिंदुस्तान की सल्तनत खो देता।' शेरशाह सूरी ने बाजरे का जिक्र इसलिए किया, क्योंकि राजस्थान में सबसे ज्यादा बाजरे की पैदावार होती है।

बाजरे का राजस्थान से पुराना नाता

दुनिया में सबसे ज्यादा बाजरा भारत में उगता है जिसकी 85% पैदावार अकेले राजस्थान में होती है। दरअसल, राजस्थान का मौसम शुष्क होता है, जमीन कम उपजाऊ होती है और बाजरा इसी तरह की रेतीली जमीन और सूखे मौसम में बेहतर उगता है। राजस्थान में आपको बाजरे की रोटी से लेकर खिचड़ी तक मिल जाएगी। मारवाड़ी खिचड़ी को 'खिचड़ा' या 'खिच' कहते हैं। वहां चीला, बाटी-चूरमा, हलवा, कचौड़ी, मठरी समेत तमाम चीजें बाजरे की मिलती हैं। बाजरे के साथ-साथ ही ज्वार और रागी भी बहुत फायदेमंद हैं।

बाजरा सबसे पहले अफ्रीका में ही उगाया जाता था। अफ्रीका के कुछ इलाकों की जलवायु भी कमोबेश राजस्थान की तरह ही है। वहीं से इसे भारत लाया गया। कर्नाटक के 'हल्लूर' में हुई खुदाई के दौरान इसकी खेती के सबूत मिले हैं। इतिहासकारों के अनुसार 1500 ईसा पूर्व के आसपास भारत में बाजरे की खेती शुरू की गई होगी। एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि बाजरे को सबसे पहले करीब 4500 साल पहले अफ्रीकी देश माली में उगाया गया था। बाजरे में पूरे पोषक तत्व मिलते हैं, जिस वजह से इसे स्मार्ट फूड कहना गलत नहीं होगा। यह ग्लूटन फ्री है और यह प्रोटीन से भरपूर होता है। इसमें विटामिन बी 6, फ्लोराइड, आयरन और जिंक भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

डाइटीशियन कामिनी सिन्हा कहती हैं कि बाजरे में प्रोटीन और फाइबर भरपूर मात्रा में है। जिन लोगों को सीलिएक बीमारी (Celiac disease) है, उनके लिए यह बहुत अच्छा है। क्योंकि यह ग्लूटन फ्री है। इस बीमारी के मरीज को गेहूं नहीं पचता, क्योंकि उसमें ग्लूटन होता है। मरीज की आंतें गेहूं में मौजूद ग्लूटन को पचा नहीं पातीं जिससे लगातार लूज मोशन रहते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए यह प्रोटीन का बहुत अच्छा सोर्स भी है। इसमें मौजूद फाइबर शरीर के पानी को सोखता है जिससे वजन नहीं बढ़ता। बाजरा में मैग्नीशियम अच्छी मात्रा में मिलता है जो इंसुलिन को काबू में रखता है। इससे शुगर नहीं बढ़ती। यह दिल के लिए भी अच्छा है। इसे खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल कम रहता है और गुड कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल बढ़ता है। बाजरा अल्कलाइन नेचर का होता है और यह एसिडिटी नहीं होने देता। पेट में गैस की दिक्कत से भी बचाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो इंफेक्शन नहीं होने देते। इससे खून की कमी भी दूर होती है क्योंकि यह आयरन का भी अच्छा सोर्स है।

बाजरे में फास्फोरस होने की वजह से यह हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। जिंक और विटामिन ए होने से यह स्किन और आंखों को दुरुस्त रखता है। ज्वार भी बाजरे की तरह ही ग्लूटन फ्री होता है। इसमें भी फाइबर है जो डाइजेशन को सही रखता है और वजन कम करने में मदद करता है। ज्वार इम्यूनिटी बूस्टर है। यह जिंक का भी सोर्स है। यह आपके यौवन को बनाए रखता है। ज्वार की लेयर्स में एंटी कैंसर प्रॉपर्टीज हैं जो हमारे शरीर को कैंसर से सुरक्षित रखती हैं। आप इसे रोटी, इडली या हलवा बनाकर खा सकते हैं। कुछ लोग इसमें आलू डालकर खाते हैं। लेकिन हम यहां यह बताना जरूरी समझते हैं कि अगर ज्वार में आलू मिलाकर खाएंगे तो वजन कम नहीं होने वाला। बाजरा और ज्वार मोटा अनाज होता है लेकिन इन्हें बच्चों को नहीं खिलाना चाहिए

इतिहासकार मानते हैं कि ज्वार अफ्रीका में उगता था। भारत पहुंचने से पहले यह ऑस्ट्रेलिया पहुंचा। अमेरिका में इसका पहला रिकॉर्ड अमेरिकी वैज्ञानिक और लेखक बेंजामिन फ्रैंकलिन के पास मिला। उनके अनुसार 1757 में ज्वार का इस्तेमाल झाड़ू बनाने के लिए किया जाता था।

रागी में कैल्शियम होता है जिससे घुटनों के दर्द में आराम मिलता है। इसमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है। नाश्ते में रागी का डोसा, इडली और चीला बनाकर खाएं, दिन अच्छा गुजरेगा। इसमें एमिनो एसिड होते हैं। 'ट्रिप्टोफैन' होने से यह नर्वस सिस्टम को दुरुस्त रखता है जिससे दिमाग तेज होता है। यह बच्चों के लिए बहुत अच्छा है। लेकिन, अगर किसी में हड्डी बढ़ने की समस्या हो तो रागी नहीं खानी चाहिए। अगर आप बाजरा, रागी और ज्वार की रोटी खाना पसंद नहीं करते तो आप मिठाई के तौर पर भी इनके स्वाद का मजा ले सकते हैं। ज्वार, बाजरा और रागी आंतों के लिए बेहतरीन क्लींजर का काम करते हैं। इसे खाने से आंतें साफ रहती हैं।

शरीर के लिए ज्वार और बाजरे का कॉम्बिनेशन अच्छा होता है। लेकिन कुछ लोगों को इन्हें खाने से बचना चाहिए। अगर कोई किडनी का मरीज है और उसमें पोटेशियम का लेवल ज्यादा है तो उन्हें ज्वार बाजरा नहीं खाने दिया जाता। क्योंकि इन दोनों में पोटेशियम अच्छी मात्रा में होता है। वहीं, जिसे हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत हो, उसके लिए भी पोटेशियम खतरनाक साबित हो सकता है। जिन्हें जोड़ों का दर्द रहता है या यूरिक एसिड ज्यादा बनता हो, तब भी इसे खाने से बचना चाहिए। प्रेग्नेंट महिला को भी यह नहीं खाना चाहिए क्योंकि यह गर्म होता है। जबकि बेबी होने के बाद गुड़ के साथ बाजरे का हलवा खाना फायदेमंद है। यह प्रेग्नेंसी के बाद आई शरीर में खून की कमी को दूर करता है।

बाजरा, ज्वार और रागी को हमेशा दिन में खाना चाहिए क्योंकि इन्हें पचने में ज्यादा समय लगता है। गर्मी के मौसम में ज्वार-बाजरा खाने से बचना चाहिए। क्योंकि, इन्हें खाने से प्यास बहुत लगती है। यह शरीर में सोडियम और पानी को सोखने लगता है।

6 महीने में पुतिन के 7 करीबियों की मौत

3 मार्च 2022 को रूस के सबसे बड़े तेल व्यवसायी और व्लादिमीर पुतिन के करीबी रविल मगनोव ने यूक्रेन पर हमले की आलोचना की। साथ ही बातचीत के जरिए जल्द जंग खत्म करने की अपील की। अभी इस बात के 6 महीने भी नहीं बीते थे कि 31 अगस्त को 67 साल के रविल की मॉस्को के एक अस्पताल में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पिछले 6 महीने में रूस के 7 ओलिगार्क की संदिग्ध हालातों में मौत हुई है। ज्यादातर तेल और गैस के बिजनेस से जुड़े हुए लोग थे। ओलिगार्क ऐसे रईसों को कहा जाता है, जिनका किसी देश की राजनीति और कुछ विशेष नेताओं से गहरे संबंध होते हैं। उस देश की तकरीबन पूरी अर्थव्यवस्था पर इन गिने-चुने रईसों का कब्जा होता है। ये कुछ बड़े नेताओं को लाभ देकर अर्थव्यवस्था में एकाधिकार स्थापित करते हैं और अपने फायदे के लिए राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल करते हैं। अब एक-एक कर इन बिजनेसमैन की मौत और उस पर उठ रहे सवालों को जानते हैं। 3 मार्च 2022 को रविल मगनोव ने एक कार्यक्रम में रूस और यूक्रेन जंग की आलोचना की थी। साथ ही उन्होंने बातचीत के जरिए जल्द से जल्द इस जंग को खत्म करने की अपील भी की थी। 31 अगस्त यानी इस बयान देने के 6 महीने बाद मॉस्को के एक अस्पताल में उनकी मौत हो गई। मॉस्को के एक अस्पताल की खिड़की से नीचे गिरकर रविल मगनोव की मौत हुई है। वहीं, तेल कंपनी 'लुकोइल' ने अपने बयान में कहा कि रविल मगनोव की मौत एक गंभीर बीमारी से हुई है। 19 जुलाई 2022 को सेंट पीटर्सबर्ग स्थित अपने घर के स्विमिंग पूल में 61 साल के यूरी वोरोनोव का मृत शरीर पानी में तैरता हुआ मिला था।यूरी वोरोनोव के शरीर पर गोली का निशान मिला। पुलिस के मुताबिक किसी ने उनकी गोली मारकर हत्या की है। रूसी जांच एजेंसी ने बताया है कि मृत शरीर मिलने के करीब 14 घंटे पहले उनकी मौत हुई है। वोरोनोव की पत्नी ने पुलिस को बताया कि पैसे को लेकर बिजनेस पार्टनर के साथ उनका झगड़ा हुआ था। इसके बाद ही 1 जुलाई को वह सेंट पीटर्सबर्ग स्थित अपने घर गए थे। 7 मई 2022 को रूसी तेल कंपनी लुकोइल के पूर्व महाप्रबंधक अलेक्जेंडर सुबोटिन की मौत एक तहखाने में हो गई थी।

मौत के बाद उनके शरीर में जहर मिला था। जांच में पता चला कि उन्हें जहर का इंजेक्शन दिया गया था। यही नहीं मौत से पहले अलेक्जेंडर शराब और ड्रग्स के नशे में भी थे। 19 अप्रैल 2022 को स्पेन के कैटालोनिया पुलिस के पास रूसी बिजनेसमैन सर्गेई प्रोटोसेन्या के बेटे का कॉल आया। उसने पुलिस से कहा कि कई घंटों से वो अपने माता-पिता को कॉल कर रहे हैं, लेकिन कोई कॉल नहीं उठा रहा है। पुलिस सर्गेई प्रोटोसेन्या के कैटालोनिया वाले घर पहुंची तो हैरान रह गई। दरअसल, धारदार चाकू से सर्गेई की पत्नी और बेटी की हत्या हुई थी। जबकि घर के बगीचे में बिजनेसमैन का मृत शरीर एक पेड़ से लटका हुआ था।

18 अप्रैल को रूसी गैस कंपनी के बैंक गजप्रॉमबैंक के पूर्व उपाध्यक्ष व्लादिस्लाव अवायव, उनकी पत्नी और बेटी की मॉस्को के एक अपार्टमेंट में मौत हो गई। अपार्टमेंट अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़ने पर सबसे पहले पुलिस की नजर मरे हुए अवायव पर पड़ा जिसके हाथ में बंदूक थी। उसकी गर्भवती पत्नी और उसकी बेटी उसके बगल में फर्श पर थीं और दोनों की गोली मारकर हत्या की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि एक पारिवारिक विवाद में अवायव ने खुद को मारने से पहले दोनों की हत्या की थी।

रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू होने के कुछ दिनों बाद 28 फरवरी को दक्षिण पूर्व इंग्लैंड के अपने घर में वाटफोर्ड मृत मिले थे। वाटफोर्ड का मृत शरीर उनके ही घर के गैराज में फांसी के फंदे से झूलता हुआ मिला था। घर के माली की नजर सबसे पहले वाटफोर्ड के मृत शरीर पर पड़ी थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में जांच जारी है, लेकिन पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली है। रूस और यूक्रेन जंग शुरू होने के कुछ घंटे बाद ही अलेक्जेंडर ट्युलाकोव का शव उनके घर के गैराज में फंदे से झूलते हुए मिला था। इस घटना को लेकर स्थानीय पुलिस जांच कर रही है। अभी तक इस केस में कोई नई जानकारी सामने नहीं आई है।

आपने ऊपर जिन 7 बिजनेसमैन की मौत के बारे में पढ़ा, ये सभी तेल और गैस के बिजनेस से जुड़े हैं। जंग के बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस की तेल और गैस कंपनियों पर पाबंदी लगा दी है। इसका परिणाम ये हुआ कि रूस का 30 लाख बैरल यानी 47 करोड़ लीटर तेल उत्पादन हर रोज प्रभावित हुआ है। एनर्जी सेक्टर से जुड़े रूसी बिजनेसमैन की आमदनी तेजी से गिरी है। कई बड़े रूसी बिजनेसमैन ने जंग और पाबंदी की आलोचना की है। 6 महीने के अंदर रूस के एनर्जी सेक्टर से जुड़े 7 बड़े बिजनेसमैन की मौत पर सवाल उठने की तीन बड़ी वजह ये भी हैं।

जिन 7 रूसी बिजनेसमैन की मौत हुई, उनमें रविल मगनोव और व्लादिस्लाव अवायव भी थे। ये दोनों पुतिन के काफी करीबी थे। इसके बावजूद उनकी तरफ से देश के टॉप बिजनेसमैन की मौत पर मर्डर केस की जांच आदि को लेकर कोई बयान नहीं आया है।

रूस के टॉप बिजनेसमैन की संदिग्ध हालातों में मौत की जांच केजीबी या दूसरी इंटेलीजेंस एजेंसी को सरकार ने क्यों नहीं सौंपा है? आखिर रूसी जांच एजेंसी इन मौत का खुलासा क्यों नहीं कर पा रही है?

कारोबार विकास की रीढ है हिंदी

अतुल कुमार

हिंदी को राष्ट्रभाषा से वैश्विक भाषा के रूप में रू पां त रि त होते हुए दे ख ना सौभाग्य है। तेज़ी से हिंदी का प्रसार हो रहा हो तब कुछ लोगों का कहना या सोचना कि हिंदी का क्या फ्यूचर है ? अटपटा लगता है । जिस भाषा को आज विश्व का हर पांचवा व्यक्ति समझता और जानता हो ! जिस भाषा को अमेरिका के 150 से अधिक शिक्षण संस्थाओं , विश्वविद्यालयों और शिक्षा केंद्रों मे पढाया जा रहा हो ! और जो भाषा ग्लोबल इकनामी के केंद्र में खडे हो रीढ की भूमिका में दिखायी दे रही हो ? उसकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व करने के बजाए उसके भविष्य के बारे में कहने को वैचारिक नादानी नहीं तो और क्या कहा जाए ? टीका टिप्पणीकार या आलोचक क्या अन्य किसी और भाषा के संबंध में ऐसी टिप्पणी कर सकते है ? हताशा और निराशा को व्यक्त करने जो अभिशप्त हों पहले यह देखें कि हिंदी आज मार्केटिंग की सबसे बडी ताकत बन उभर चुकी है । क्या कोई भी प्रोडक्ट बिना हिंदी के बाज़ार में बिक या चल सकता है ! उसे जन जन तक पहुंचाने का कार्य हिंदी ही तो करती है। हिंदी को सिर्फ भाषा शास्त्र के नज़रिये से देखने वालों को अब हिंदी को अर्थ शास्त्र के मेरु के रूप में देखना चाहिये । उदारीकरण के बाद अर्थ व्यस्वस्था ने जो छलांग भरी उसमें हिंदी की भूमिका की अनदेखी कैसे हो सकती है । ? कोई भी विदेशी उत्पाद ,कंपनी और व्यावसायिक केंद्र यहां कारोबार करने आते हैं तो सबसे पहले अपने आगमन की सूचना हिंदी में ही देते हैं ताकि जन सामान्य तक उनकी बात पहुंचे और उनका व्यवसाय बडे। उदाहरण के लिये पिछले दिनों ही फर्नीचर बनाने वाली एक विदेशी कं ने हैदराबाद में कैपेंन शुरु किया जिसका शीर्षक रखा " घर आ जाओ " । उसे इन शब्दों और इसकी भाषा की असीमित पहुंच का भली भांति ज्ञान है अर्थात मुनाफा कमाने और सामान बेचने में हिंदी की जय जय है। वास्तव में हिंदी को केवल साहित्यिक चश्मे से देखने की आदत को छोडना होगा 2क्योंकि जिस भाषा में लगभग पूरा व्यवसाय हो रहा हो ,मनोरंजन , चिकित्सा के रूप में योग तथा आयुर्वेद की मांग बढ रही हो , ढाबा कल्चर कोने कोने में पसर रहा हो , भारतीय संस्कृति और भोजन की हर तरफ लोकप्रियता बड रही हो, और सभी प्रादेशिक वस्तुओं की पारस्परिक खरीददारी और बिक्री कल्चर तेज़ी से बड रहा हो तब उसमें भी तो हिंदी ही है । फूड सप्लाई कंपनियों ,कूरीयर कंपनियों में जो युवा काम करते हैं वे प्रादेशिक भाषा और हिंदी के बल पर ही तो आगे बढ रहे हैं हिंदी के विकास और प्रचार को नये उभरते परिप्रेक्ष्य में देखने की ज़रूरत है । सोशल मीडीया ,वाट्स अप और एफ एम रेडियों की बढती हुई लोकप्रियता को कौन नहीं जानता और सुनता है उसमे हिंदी का ही तो बोल बाला है। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडीया में हिंदी ही तो सबसे आगे है। तकनालाजी की सर्व व्यापकता को हिंदी ने ही तो उडान दी है । जन धन योजना के अंतर्गत उपलब्ध सूचनानुसार लगभग 40 करोड से अधिक बैंक खाते खुले उसमें भी तो हिंदी की अदम्य पहुंच और शक्ति की भूमिका ही तो है । इतिहास में पहली बार इतनी भारी संख्या में खाते खुले यह यशस्वी कीर्तीमान हिंदी और भारतीय भाषाओं के कारण ही संभव हुआ । स्थिति यह है किअंग्रेज़ी के शब्द हिंदी में और हिंदी व भारतीय भाषाओं के शब्दों को देवनागरी लिपि में लिखा जा रहा है । उदाहरण स्वरूप मार्निंग न्यूस , डाउन लोड , आफ लाइन , शार्ट वीडीयो ,सब्सक्राइब और चटनी ,जंगल ,वरांडा ,चारपाई और गरम मसाला आदि यह सभी दोनों भाषाओं के इस्तेमाल होने वाले कुछ शब्द हैं जो एक दूसरे में जम गये हैं । यह मिली जुली भाषाओं का युग है तकनालाजी ने पूरे भाषायी रूप स्वरूप को बदला । इसकी मिसाल सोशल मीडीया पर लिखे या पोस्ट किये जा रहे शब्द व वाक्य हैं । जिसमें भाषायी विविधता का सुंदर समुच्चय पढने और देखने को मिलता है जिसका सुखद तजुर्बा ही कुछ और है मुंबइया हिंदी में आधी प्याली 3 चाय को कटिंग और दोस्त को भीडू कहते है यह शब्द सीधे आम जनता की पाठ शाला से निकले हैं जिनकी उपयोगिता को कौन रोक सकता है । ऐसे ढेरों शब्द हैं जो बोलचाल की हिंदी को नये आयाम दे रहे हैं । यह मानना ही होगा कि यह मिश्रित हिंदी का दौर है जिसमें अंग्रेज़ी और अन्य भारतीय भाषाओं के शब्द मिल कर उसे पल्लवित कर रहे हैं। हिंदीतर भाषी क्षेत्रों के कई शब्द हैं जो हिंदी में मिले जैसे रसम ,सांभर , और मील्स इत्यादि ।

अंग्रेजी में इतनी पॉलिश क्यों दिखाई देती है?

प्रियंका सौरभ

किसी भी भाषा की सुंदरता उ स के उपयोगकर्ता के कौशल में निहित होती है। यह बोलते समय आवाज, उच्चारण और स्वर पर भी निर्भर करता है। मुझे लगता है कि इलाहाबादी हिंदी बहुत पॉलिश है और इसी तरह हिंदी फिल्मों में इस्तेमाल की जाने वाली टपोरी भाषा थोड़ी अजीब है। देहाती बिहारी लहजे में भी मजा आता है। मूल रूप से, भाषा के विभिन्न द्वंद्वात्मक रूप हैं। इसलिए कोई भाषा नीरस नहीं लगती। अगर लोग हिंदी या कोई भी भारतीय भाषा ठीक से बोलते हैं - तो वह पॉलिश दिखाई देगी। हमें बस किसी भी भाषा का अच्छा संस्करण सुनना है। बोलचाल के प्रयोग ने उच्चारण को इतना दूषित कर दिया है कि हम इस तरह की राय विकसित करने की प्रवृत्ति रखते हैं। विशेष रूप से सभी पुरानी भाषाएँ - संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली, आदि वास्तव में मधुर और संगीतमय हैं। राष्ट्रीय हिंदी दिवस पूरे देश में हिंदी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। भाषा को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी दिन देश के राष्ट्रपति हिंदी भाषा और साहित्य में योगदान के लिए लोगों को सम्मानित भी करते हैं। यह दिन 14 सितंबर को मनाया जाता है क्योंकि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था। साथ ही 14 सितंबर को राजेंद्र सिम्हा की जयंती है, जिन्होंने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने की दिशा में अथक प्रयास किया। भारत की संविधान सभा ने 1949 में हिंदी भाषा को भारत की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में अपनाया और मान्यता दी। हिंदी भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। यह भारत गणराज्य की 22 अनुसूचित भाषाओं में से एक है। दुनिया में बोली जाने वाली कुल भाषाओं में हिंदी पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। संविधान का अनुच्छेद 343 भारत की राजभाषा से संबंधित है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लगभग 43.6% वक्ता हिंदी को अपनी मातृभाषा के रूप में पहचानते हैं। हिंदी नाम की उत्पत्ति फारसी में हुई है। हिंद शब्द का अर्थ फारसी में 'सिंधु नदी की भूमि' है। 11वीं शताब्दी की शुरुआत में तुर्की आक्रमणकारियों ने इस क्षेत्र की भाषा को हिंदी, 'सिंधु नदी की भूमि की भाषा' नाम दिया था। हिन्दी की आधुनिक लिपि देवनागरी 11वीं शताब्दी में अस्तित्व में आई। दुनिया में बोली जाने वाली कुल भाषाओं में हिंदी पांचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, युगांडा, सूरीनाम, त्रिनिदाद और मॉरीशस सहित विभिन्न देशों में बोली जाती है। दुनिया भर में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। शिक्षा मंत्रालय ने 1960 में केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना की। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने विदेशों में विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों में 'हिंदी चेयर' की स्थापना की है।

हिंदी भाषा का 'नया स्वरूप

नेहा सिंघानिया

हम जानते हैं। कि, भाषा किसी भी देश की संस्कृति एवं सभ्यता को प्रतिबिंबित करती है इसलिए हमे गर्व होना चाहिए, कि हम सब भारत के नागरिक हैं। किसी राष्ट्र का विकास वहां पर निवास कर रहे लोगों से होता है, किंतु लोगों के मध्य समन्वय स्थापित करने के लिए किसी भाषा बिंदु की आवश्यकता होती है। जो लोगों के अंदर एकता एवं अखंडता की भावना को जागृत करती है । हिंदी एक ऐसी भाषा है। जो लोगों के बीच एक सेतु का कार्य करती है। जिससे लोग अपने विचार विमर्श असानी से कर सकते हैं। इसका साहित्य बहुत ही सरल एवं सुगम है हिंदी भाषा का इतिहास 12 वीं शताब्दी का है एवं इसका उदय 300 वर्ष पहले ही हो चुका था। हिंदी को संस्कृत की बड़ी बेटी माना जाता है। हिंदी सबसे प्राचीन एवं प्रभावशाली भाषा है। यह आधुनिक इंडो आर्यन भाषाओं में से आती है। हिंदी एक पारसी भाषा का शब्द है। प्रथम हिंदी कविता प्रख्यात कवि 'अमीर खुसरो' ने लिखी थी इसका प्रथम साहित्य इतिहास 'ग्रेसिस द तासी' ने लिखा है । हमारे संविधान में 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया, किंतु उसको 26 जनवरी 1950 ई को लागू किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी को अधिकारिक रूप से राज्य भाषा की मान्यता प्रदान की गई । इसलिए प्रत्येक वर्ष देश मे14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है एवं विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है। हिंदी का इतिहास विशाल है फिर भी यह हमारी राष्ट्रभाषा क्यों नहीं ? प्रश्न या होगा, कि हिंदी की राष्ट्रभाषा क्यों? हिंदी देश में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। देश के 70-80% लोग हिंदी बोलते हैं। दक्षिण प्रदेशों के लोग हिंदी भाषा से प्रभावित होकर हिंदी सीख रहे हैं। 2011 जनगणना के अनुसार, देश में हिंदी भाषा के मूल वक्ता 43▪5% है। उत्तर भारत के सभी प्रदेशों में हिंदी भाषा बोली जाती है। आदि काल से वर्तमान काल तक लगातार हिंदी भाषा का विकास हो रहा है। मध्यकालीन युग में मुगल पारसी, हिंदी एवं उर्दू भाषाओं का मिश्रित प्रयोग करते थे। हमारे राष्ट्रीय आंदोलनों में भी हिंदी भाषा का ही अधिकाधिक प्रयोग किया गया है। 1917 में गांधी जी ने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया गुजरात के भरूच में हुए शिक्षा सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त किए। हमारे राष्ट्रगीत 'सुजलाम सुफलाम मलयम शीतलाम' में भी बांग्ला एवं हिंदी भाषाओ का मिश्रित प्रयोग देखने को मिलता है। देश में ही नहीं अपितु विदेश में भी हिंदी भाषा का परचम लहरा रहा है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि विश्व के 132 देशों में निवास कर रहे 2 करोड़ भारतीय मूल के लोग अपना कार्य हिंदी में ही निस्तापित करते हैं। हिंदी 160 देशों में बोली जाती है जो कि अंग्रेजी भाषा से बहुत अधिक है।

साल में 96 दिन होते हैं पितरों के

बेटा या भाई न हो तो पत्नी भी कर सकती है श्राद्ध

पितरों की पूजा के लिए ग्रंथों में कई तरह के नियम और अधिकार बताए गए हैं। इनमें ये बताया गया है कि पूरे साल में श्राद्ध के लिए कितने दिन होते हैं, कौन किसका श्राद्ध कर सकता है। साथ ही इस बात का भी जिक्र है कि पितृ पक्ष में श्राद्ध न कर पाएं तो ऐसा क्या किया जाए जिससे पितर संतुष्ट हो जाए। गया के विष्णु पद मंदिर के पुजारी पं. गोकुल दूबे और पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र से जानते हैं श्राद्ध के इन सवालों के जवाब...

श्राद्ध के लिए कौन से दिन बताए गए हैं इस पर पं. दूबे का कहना है कि पितरों की पूजा के लिए शास्त्रों में अलग-अलग सुविधाएं दी गई हैं। ग्रंथों में रोज श्राद्ध करने का विधान बताया है। इसमें 1 दिन से लेकर पूरे साल यानी 365 दिन तक श्राद्ध की व्यवस्था है। जो रोज श्राद्ध करते हैं, उनके लिए नित्य श्राद्ध का विधान है, लेकिन समय न होने की वजह से रोज न कर पाएं तो साल की 12 अमावस्याएं, 12 संक्रांतियों, 16 दिन के पितृ पक्ष सहित साल में 96 दिन बताए गए हैं, जिनमें श्राद्ध किया जा सकता है। इन दिनों में श्राद्ध न हो पाए तो पितृ पक्ष के 16 दिनों में कर सकते हैं। पूरे 16 दिन भी न हो पाए तो सिर्फ एक दिन यानी सर्वपितृ अमावस्या पर श्राद्ध करने से पितरों को तृप्ति मिल जाती है।

श्राद्ध न कर पाएं तो सूर्य को अर्घ्य दें

पितृ पक्ष में श्राद्ध न कर पाएं तो गीता के सातवें अध्याय पाठ करें। साथ ही रोज सुबह उगते हुए सूर्य के सामने जल और अन्न ले जाकर प्रार्थना करें किः ₹हे सूर्यदेव, यमराज आपके पुत्र हैं, हमारे घर के जो भी गुजर गए उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। सूर्य से प्रार्थना करें की गीता पाठ का फल पितरों का मिले।

1. गौतम धर्मसूत्र का कहना है कि पुत्र न हो तो भाई-भतीजे, माता के कुल के लोग यानी मामा या ममेरा भाई या शिष्य श्राद्ध कर्म कर सकते हैं। इनमें से कोई भी न हो तो कुल-पुरोहित या आचार्य श्राद्ध कर्म कर सकते हैं।

2. परिवार या कुल का कोई सदस्य न बचा हो तो उनका श्राद्ध कुल-पुरोहित या आचार्य भी कर सकते हैं।

3. पिता के लिए पिण्ड दान और जल-तर्पण पुत्र को करना चाहिए पुत्र न हो तो पत्नी और पत्नी न हो तो सगा भाई भी श्राद्ध कर्म कर सकता है।

4. विष्णु पुराण में कहा गया है कि मृत व्यक्ति के पुत्र, पौत्र, भाई की संतति पिण्ड दान करने के अधिकारी होते हैं।

5. मार्कण्डेय पुराण में कहा गया है कि अगर किसी व्यक्ति का पुत्र न हो तो उसकी बेटी का पुत्र भी पिण्ड दान कर सकता है। वो भी न हो तो पत्नी बिना मंत्रों के श्राद्ध-कर्म कर सकती है। पत्नी भी न हो तो कुल के किसी व्यक्ति द्वारा श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।

6. माता-पिता कुंवारी कन्याओं को पिण्ड दान कर सकते हैं। शादीशुदा बेटी के परिवार में कोई श्राद्ध करने वाला न हो तो पिता उसको भी पिण्ड दान कर सकता है।

7. बेटी का बेटा और नाना एक-दूसरे को पिण्ड दान कर सकते हैं। इसी तरह दामाद और ससुर भी एक दूसरे के लिए कर सकते हैं। बहु भी अपनी सास को पिण्ड दान कर सकती है।

सुबह 11.36 से 12.24 के बीच श्राद्ध करने से पितरों को मिलती है संतुष्टी

अथर्ववेद में कहा गया है कि जब अश्विन महीने के दौरान सूर्य कन्या राशि में हो तब पितरों के लिए श्राद्ध किया जाना चाहिए। इसलिए पितरों की पूजा के लिए आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष को बहुत शुभ माना गया है। शास्त्रों में दक्षिण को पितरों की दिशा माना गया है। वहीं चंद्र लोक में पितरों वास माना जाता है। ज्योतिष के मुताबिक अश्विन माह के कृष्ण पक्ष में चंद्रमा पृथ्वी के करीब आ जाता है। इसलिए इन दिनों में पितरों के लिए श्राद्ध और तर्पण का विधान है।

श्राद्ध के लिए दिन का आठवां मुहूर्त शुभ

पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध शास्त्रों में बताए उचित वक्त पर करने से ही फलदायी होते हैं। इसलिए दिन के आठवें मुहूर्त में श्राद्ध करना चाहिए। इस मुहूर्त को कुतुप काल कहते हैं। जो तकरीबन सुबह 11.36 से 12.24 के बीच होता है। मान्यता है कि इस वक्त पितरों का मुख पश्चिम की ओर हो जाता है। इससे पितर अपने वंशजों द्वारा श्रद्धा से भोग लगाए कव्य बिना किसी कठिनाई के ले लेते हैं।

तर्पण और श्राद्ध के लिए कब है श्रेष्ठ समय और पितरों से जुड़ी जरूरी बातें

1. पितृ शांति के लिए तर्पण का श्रेष्ठ समय संगवकाल यानी सुबह 11.36 से 12.24 तक माना जाता है। इस दौरान जल से किए तर्पण से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

2. पितृ कार्य करने के साथ पितरों की प्रसन्नता के लिए पितृ स्त्रोत का पाठ भी करना चाहिए।

3. पुराणों का कहना है कि पितरों की भक्ति से पुष्टि, आयु, वीर्य और धन की प्राप्ति होती है।

4. सबसे पहले पिता को, उनके बाद दादा को उसके बाद परदादा को पिंड देना चाहिए। यही श्राद्ध की विधि है।

5. तर्पण करते समय पिता, दादा और परदादा आदि के नाम का स्पष्ट उच्चारण करना चाहिए।

6. हर पिंड के दान के वक्त एकाग्रचित्त होकर गायत्री मंत्र का जाप तथा सोमाय पितृमते स्वाहा मंत्र बोलना चाहिए।

7. अग्नि में हवन करने के बाद जो पितरों के निमित्त पिंडदान दिया जाता है, उसे ब्रह्म राक्षस भी दूषित नहीं करते। श्राद्ध में अग्निदेव को उपस्थित देखकर राक्षस वहां से भाग जाते हैं।

8. ब्रह्माजी, पुलस्त्य, वसिष्ठ, पुलह, अंगिरा, क्रतु और महर्षि कश्यप- ये सात ऋषि महान योगेश्वर और पितर माने गए हैं।

आखिर क्यों लगता है पितृ दोष

कैसे पहचाने घर में पितृ दोष है या नहीं?

पितृ पक्ष पूर्वजों का आदर सत्कार करने का समय होता है। जी दरअसल ऐसी मान्यता है साल में 15 दिन पितर धरती लोक पर आते हैं और परिजनों द्वारा किए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध से तृप्त होते हैं। 10 सितंबर 2022 से पितृ पक्ष शुरू हो रहे हैं। आपको बता दें कि श्राद्ध पक्ष को पितर दोष से मुक्ति पाने का खास समय मानते हैं और पितरों के आशीर्वाद से परिवार और घर फलता-फूलता है हालाँकि अगर पूर्वज नाराज हो जाए तो कई पीढ़ियों तक पितृ दोष का दंश झेलना पड़ता है। अब हम आपको बताते हैं किन गलतियों से लगता है पितृ दोष, पितृ दोष के लक्षण।

पितृ दोष क्यों लगता है- मृत्यु के बाद अगर विधि विधान से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया न की जाए तो ऐसे में पितृ दोष लगता है। वहीं अकाल मृत्यु हो जाने पर परिवार के लोगों को कई पीढ़ियों तक पितृ दोष दंश का सामना करना पड़ता है।
इसी के साथ ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ और दुर्भाग्य का कारक माना जाता है। कहा जाता है अकाल मृत्यु होने पर पितर शांति पूजा करना जरूरी माना जाता है। इसके अलावा माता पिता का अनादर, मृत्यु के बाद परिजनों का पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध न करने पर पूरे परिवार पर पितृ दोष लगता है। जी हाँ और पितरों का अपमान करना, किसी असहाय की हत्या, पीपल, नीम और बरगद के पेड़ कटवाना, जाने-अनजाने नाग की हत्या करना या करवाना पितृ दोष का कारण बनते हैं।

कैसे पहचाने घर में पितृ दोष है - पितृ दोष होने पर वैवाहिक जीवन में सदा तनाव बना रहता है। इसके अलावा पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़े होते हैं। इसी के साथ परिवार में एकता नहीं होती। अक्सर घर में क्लेश होते है, मानसिक शांति नहीं मिलती, बिना बात के घर में लड़ाई होना पितृ दोष के लक्ष्ण हैं। इसके अलावा पितृ दोष होने पर विवाह में बाधाएं उत्पन्न होती है।
शादी में तमाम तरह की परेशानियां आती है। कई बार तो शादी पक्की होने पर टूट जाती है। मांगलिक कार्य में रुकावट आती है। इसके अलावा शादी के बाद तलाक या अलगाव भी पितृ दोष का कारण है। जी हाँ और वंश वृद्धि न होना भी पितृ दोष का कारण है। पितृ दोष होने पर घर में बीमारियों का डेरा होता है और परिवार के सदस्य हमेशा अस्वस्थ रहते हैं। ऐसे में बार-बार दुर्घटना का शिकार भी होते हैं। इसके अलावा नौकरी और बिजनेस में अक्सर घाटा होना।

रामायण से जुड़े कुछ ऐसे रहस्य शायद ही आपको मालूम होंगे

ऐसा कहा गया है की मूल रामायण की रचना ऋषि वाल्मीकि ने की थी। वही मान्यता है की तुलसी दास, संत एकनाथ और इत्यादि ने भी रामयण की संस्करणों की रचना की है। प्रत्येक संस्करणों में अलग-अलग तरीके से कहानी की रचना की है, पर सब का मूल आधार एक ही है। ऐसा माना जाता है की रामायण की कथा चौथी और पांचवी शताब्दी ई.पू है। रामायण का हिन्दू धर्म में एक विशिष्ठ स्थान है। मनुष्य जाति के जीवन और उनके कर्मों का विस्तार से विवरण किया है। रामायण में भगवान राम और माता सीता का जन्म एवं जीवन यात्रा को दर्शया गया है। रामायण की कथा आप लोगो ने सुनी होगी या देखि भी होगी, पर आज हम आपको रामयण से जुड़े कुछ ऐसे रहस्यों के बारे में अवगत कराने जा रहे है जिससे आप अभी तक वंचित होंगे।

➔रामायण के हर 1000 श्लोक के बाद आने वाला प्रथम अक्षर से गायत्री मंत्र बनता है।

गायत्री मंत्र में 24 अक्षर होते है और वाल्मीकि रामायण में 24,000 श्लोक है। रामायण के हर 1000 श्लोको के बाद आने वाले पहले अक्षर से गायत्री मंत्र बनता है। गायत्री मंत्र को सर्वप्रथम ऋगवेद में उल्लेख किया गया है।

➔रामायण में भगवान राम की बहन

भगवान राम के तीन भाइयो (लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न) के आलावा एक बहन भी थी जिनका नाम **शांता** था। वे आयु में चारो भाइयो से बड़ी थी, उनकी माता कौशल्या थी।

➔कौन से वन में किया था वनवास

भगवन राम, सीता और लक्ष्मण ने दंडकारण्य नाम के वन में अपनी वनवास यात्रा पूरी की थी। दंडकारण्य वन 35,600 वर्ग में फैला हुआ था।
➔ भगवन राम विष्णु जी के अवतार थे लेकिन उनके अन्य भाई किसके अवतार थे

रामायण में भगवन राम को विष्णु जी का अवतार माना गया है। वही रामायण में उनके भाइयो के अवतार के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी नहीं दी गयी है। लक्ष्मण जी शेषनाग के अवतार है, जबकि भरत और शत्रुघ्न को भगवान विष्णु द्वारा हाथो में धारण किये गए सुदर्शन चक्र और शंख-शैल का अवतार माना गया है।

➔भगवान शिव जी के धनुष का नाम

श्री राम का सीता से विवाह एक स्वयंवर के माध्यम से हुआ था। यह सब तो हम जानते ही है पर भगवान राम ने शिव जी के जिस धनुष को उठाकर प्रत्यंचा चढाई थी, उस धनुष का नाम शायद ही आपको पता होगा तो उस धनुष का नाम ₹पिनाक₹ था।

फेंगशुई के सिक्के घर में लाते हैं सुख-समृद्धि

जीवन में सौभाग्य और सुख-शांति प्राप्त करने के लिए वास्तु का सहारा लिया जाता है। वास्तु शास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जो सुखी जीवन के लिए बेहद कारगर साबित होते हैं। ऐसा ही उपाय है चीनी सिक्कों का। सिक्कों को धन का प्रतीक माना जाता है। फेंगशुई शास्त्र में चीनी सिक्कों का महत्व बताया गया है। पंडित इंद्रमणि घनस्याल के अनुसार, फेंगशुई सिक्कों को घर पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ये धन वृद्धि में भी मददगार साबित होते हैं। आइये जानते हैं फेंगशुई सिक्के का महत्व और लाभ।

कैसे होते हैं चीनी सिक्के?

फेंगशुई शास्त्र के अनुसार, चीनी सिक्कों के अंदर वर्गाकार छेद होता है। ये सिक्के बाहर से गोल होते हैं। ऐसा माना जाता है कि 3 या 6 या फिर 9 सिक्कों को लाल या पीले रंग के रिबन में बांधकर घर के मेन गेट पर लटकाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती। घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। घर के अलावा आप इसे कार्यालय में भी लटका सकते हैं। इससे व्यापार में भी वृद्धि होती है।

फेंगशुई सिक्कों का महत्व

-फेंगशुई शास्त्र के अनुसार, चीनी सिक्कों को घर के मुख्य द्वार पर लटकाना शुभ होता है। इससे घर में बुरी शक्तियों को प्रवेश से रोका जा सकता है। इससे घर की दरिद्रता दूर होती है।

-माना जाता है कि चीनी सिक्कों से घर में धन की देवी लक्ष्मी का वास होता है। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ ही घर का माहौल भी आनन्ददायी रहता है।

-चीनी सिक्कों को घर पर रखने से जीवन में सफलता हाथ लगती है। व्यापार में लाभ होने के साथ करियर, नौकरी मे तरक्की के रास्ते खुलते हैं। इसके लिए फेंगशुई सिक्कों को त्रिकोण में बांधकर अपने पास रखें। आप इन सिक्कों को कार्यालय में भी रख सकते हैं।

– चीनी सिक्कों को लाल या पीले रंग के रिबन में बांधकर ही रखा जाता है। इससे स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां भी दूर होती हैं और भगवान की कृपा हमेशा परिवार पर बनी रहती है।

केंद्र मुफ्त बिजली देने के खिलाफ नहीं : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार किसानों को मुफ्त बिजली देने के खिलाफ नहीं है। नामपल्ली में भाजपा के राज्य कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने पूछा कि जब राज्य सरकार मुफ्त बिजली देना चाहती है तो केंद्र आपत्ति क्यों उठाएगा।

हालांकि, बिजली क्षेत्र में सुधार लाने की केंद्र सरकार की मंशा राज्यों में डिस्कॉम को बढ़ते कर्ज से उबारना और यह सुनिश्चित करना था कि बिजली विभाग के कर्मचारियों को समय पर वेतन मिले। सोमवार को राज्य विधानसभा में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कि एनडीए सरकार पंप सेटों को मीटर लगाने के लिए मजबूर कर रही थी, उन्होंने पूछा कि केंद्र सरकार ने बिजली (संशोधन) अधिनियम 2022 में ऐसा कोई नियम जारी नहीं किया है। रेड्डी ने पूछा कि हमें नहीं पता कि मुख्यमंत्री को वह दस्तावेज कहां से मिला जो विधानसभा में प्रदर्शित किया गया, जिसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार मीटर लगाने के लिए मजबूर कर रही है? विधानसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मुख्यमंत्री की नाराजगी पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि मोदी को यह नहीं भूलना चाहिए कि लोग राज्य में सब कुछ देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने बिजली क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधारों पर झूठ बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र के इस कदम का उद्देश्य बिजली विभाग के कर्मचारियों को आर्थिक रूप से लाभान्वित करने वाली बिजली उपयोगिताओं की रक्षा करना है। सत्तारूढ़ दल के नेताओं को राज्य में होने वाली हर विकास गतिविधि में केंद्र के योगदान को नहीं भूलना चाहिए।

एमएलसी कविता ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में बतुकम्मा समारोह के लिए आमंत्रित

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस एमएलसी के. कविता को सितंबर में ऑस्ट्रेलियाई संसद में बतुकम्मा के समारोह के लिए निमंत्रण मिला है। मंगलवार को यहां एक विज्ञप्ति के अनुसार, फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ एक्ट (फिनएक्ट) ऑस्ट्रेलिया की संसद में कैनबरा में बतुकम्मा उत्सव समारोह का आयोजन कर रहा है। एमएलसी कविता दुनिया भर में बतुकम्मा समारोहों की एक अंतराष्ट्रीय ध्वजवाहक रही हैं। बतुकम्मा उत्सव के साथ उनका जुड़ाव और तेलंगाना आंदोलन के दौरान लोगों को सांस्कृतिक रूप से एकजुट करने और जुटाने में इसकी भूमिका सांस्कृतिक आंदोलनों के इतिहास में दर्ज है। ऑस्ट्रेलिया की संसद तेलंगाना के लोकप्रिय बतुकम्मा समारोह का गवाह बनने के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम एसीटी तेलंगाना एसोसिएशन द्वारा 25 सितंबर को आयोजित किया जाता है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का ओपी जालान स्मृति क्रिकेट कप सम्पन्न

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5146वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज तेलंगाना के द्वारा ओपी जालान स्मृति क्रिकेट कप अत्तापुर स्थित विजयानन्द क्रिकेट मैदान में सम्पन्न हुआ। समाज अध्यक्ष एके अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिलीप पंसारी, मानद मंत्री कपुरचन्द गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान, क्रिकेट कप के संयोजक रमेश अग्रवाल और अन्य की उपस्थिति में श्रीमती सीता देवी जालान और श्रीमती भावना जालान के द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की पुजा-अर्चना के उपरान्त उक्त क्रिकेट कप की शुरुआत हुई। मैच रेफरी विशाल शर्मा के द्वारा टास प्रक्रिया में तेजस एकेल के कप्तान उमेश अग्रवाल के द्वारा विजय होने के उपरांत तेजस एलेवन ने प्रथम बल्लेबाजी लेते हुए निर्धारित 12 ओवर्स में कुल 75 रन बनाये जिसके जवाब में प्रेसिडेन्ट एलेवन निर्धारित ओवर्स में मात्र 65 रन ही बना सकी। तेजस टीम के कप्तान उमेश अग्रवाल तथा उपकप्तान धीरज गुप्ता तथा प्रेसिडेन्ट टीम के कप्तान पुरुषोत्तम अग्रवाल तथा उपकप्तान मनीष अग्रवाल के नेतृत्व में खेले गये। उक्त मैच में तेजस टीम के हरिओम सराफ को मैन आफ दी मैच का खिताब प्राप्त हुआ। तेजस की तरफ से रितेश, ललीत अग्रवाल, धीरज गुप्ता, उमेश अग्रवाल, एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, उदय गुप्ता, तरुण तुलस्यान, राजेश अग्रवाल और मुकेश कुमार अग्रवाल तथा प्रेसिडेन्ट एलेवन की तरफ से अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय गुप्ता, संदीप मित्तल, राकेश जलान, दिनेश अग्रवाल, लोकेश सुखाई, नवीन अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, योगेश जैन, विशम्भर अग्रवाल और दिलीप पसरिया ने मैच खेला। इसी बीच वर्षा के कारण टीम चेन्नई और टीम हैदराबाद के बीच सम्पन्न मैच रद्द हुआ। क्रिकेट कप के उक्त आयोजन ने समाज के द्वारा आयोजित उक्त क्रिकेट को सराहा।

राजभाषा कार्यान्वयन दायित्व बोध का प्रश्न

डॉ. संजय कुमार झा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिश्र धातु निगम लिमिटेड, कंचनबाग, हैदराबाद

हम सभी भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि इस वर्ष हम अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। गर्व का विषय तो है ही, किंतु उससे भी अधिक चिंतन-मनन का विषय भी है। भारत नित नए आयाम तय कर रहा है। नए रूप में समर्थ, सशक्त होकर आत्मनिर्भता की ओर अपने कदम बढ़ा रहा है। वैश्विक पटल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करने के सभी प्रयासों में सफल होने की नई ऊर्जा हासिल कर रहा है।

हाल ही में नए भारत के संकल्पों और विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश होने की एक बड़ी मिसाल हमारे सामने घटित हुई। जनजातीय समुदाय की एक महिला भारत की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन हुई। महामहिम राष्ट्रपति के पद पर आसीन होकर परमादरणीय श्रीमती द्रौपदी मुर्म भारत में स्त्री सशक्तिकरण ही नहीं, बल्कि स्त्री शक्ति के नेतृत्व में विकास की सोच का परिचायक बनी हैं। नए रूप में ढल रहे भारत में बदलाव की नई लहर दिखाई दे रही है। इस अवसर पर राजभाषा हिंदी के कार्यान्यवन के दायित्व की ओर भी देखना जरूरी है। राजभाषा नीति, संकल्प, राष्ट्रपति आदेश, राजाभाषा अधिनियम व नियम बने हुए हैं और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से हर वर्ष जारी होने वाले वार्षिक कार्यक्रम भी हमारे सामने हैं। इन सबके बावजूद, यदि यह कहा जाए कि राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन हर्ष के योग्य नहीं है, तो गलत नहीं होना चाहिए।

वैश्विक पटल पर अपना परचम लहराने के लिए तैयार भारत में राजभाषा के रूप में हिंदी को अधिक रणनीतिक रूप से क्रियान्वयित करने की आवश्यकता है। इसके लिए शीर्षस्थ अधिकारियों, वैज्ञानिकों, अभियंताओं, प्रशासनिक कर्मचारियों आदि से लेकर सामान्य जनता तक को अपने दायित्व का बोध होना बेहद जरूरी है। संविधान के अनुच्छेद 351 और राजभाषा नियम, 1976 के नियम 12 के अनुसार भेले ही राजभाषा के प्रचार-प्रसार व कार्यान्वयन का दायित्व क्रमशः क्रेंद्र सरकार तथा कार्यालय प्रधान पर है। किंतु देश की जनता सरकार से और कार्यालय के कर्मचारी कार्यालय प्रधान से अलग नहीं हैं। जनता ने सरकार बनाई है। कर्मचारी अपने कार्यक्षेत्र में कार्यालय प्रधान के प्रतिनिधि हैं। रामचरितमानस के रचनाकार गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं - कीरति भणिति भूति भलि सोई/सुरसरि सम सब कहं हित होई।

यहाँ उन्होंने रामचंद्र जी की कीर्ति की प्रशंसा करते हुए अपनी कविता की न्यूनता की ओर इशारा किया है। इस कथन को हम राजभाषा कार्यान्यवन के साथ जोड़कर देखें तो हमें यह अहसास होगा कि भारत की कीर्ति तो रामचंद्र जी की तरह प्रशंसनीय है, वह बढ़ भी रही है किंतु राजभाषा के रूप में हिंदी की कीर्ति होना अभी बाकी है।

मैंने अपनी आरंभिक शिक्षा से बारहवीं तक की पढ़ाई हिंदी माध्यम से की है, लेकिन उच्च शिक्षा के लिए मुझे अंग्रेजी को शिक्षा के माध्यम के रूप में चुनना पड़ा और क्रमेन आगे की पढ़ाई भी अंग्रेजी में ही करनी पड़ी। आशा है कि नई शिक्षा नीति 2020 के सुचारू रूप से लागू होने पर भारत में यह स्थिति बदलेगी। हिंदी व मातृभाषा में सहजता के साथ अभिव्यक्ति का विकास होगा। तब तक हमें हिंदी के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह करते रहना होगा। यह अनिवार्य है। राजभाषा कार्यान्वयन के लिए हमने अब तक अपनी रचनात्मक भूमिका को जिस श्रद्धा के साथ निभाया है, उसमें कमी नहीं करनी होगी। अन्यथा अब तक का सफर अधूरा रह जाएगा।

रोजमर्रा की वस्तुओं के बढते दाम के संबंध में नागरिक आपूर्ति विभाग के आयुक्त अनिल कुमार द्वारा विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई बैठक में भाग लेते हुए सिकंदराबाद बोइनपल्ली व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए. गौतम जैन, सुरेश अग्रवाल, गोपाल बंग, हरिकिशन बंग, आनंद बंग, मधुबाबू व अन्य।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा अन्नदान

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा अन्नदान का आयोजन किया गया। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रकल्प जन सेवा के तहत मोंडा मार्केट स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में शाखा की जनसेवा संयोजिका दिव्या घोड़ेला ने स्कूल के बच्चों में अन्नदान किया गया। बच्चों में खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रथम विजेता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सभी बच्चों को रिटर्न गिफ्ट में पानी की बोतल एवं आवश्यक राशन सामग्री दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने मे सह मंत्री सुमन घोड़ेला, सुगना घोड़ेला, पूनम बोहरा, कविता मांडण, पुष्पा कोठारी, प्रीति सोनी, मंजू घोड़ेला, हेमलता घोड़ेला, रिद्धि बोहरा संदीप घोड़ेला दिव्यांश सोनी,का सराहनीय योगदान रहा। शाखा कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का

मारवाडी महिला संगठन ने हिन्दी दिवस कार्यक्रम के संदर्भ में की बैठक

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-सिकंदराबाद मारवाडी महिला संगठन द्वारा लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में कलावती जाजू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आगामी 23 सितंबर को हिन्दी दिवस कार्यक्रम के संदर्भ में चर्चा की गयी। पूजा गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 23 सितंबर को हिन्दी प्रचार सभा में कार्यक्रम रखा जाएगा। इसमें प्रमुख वक्ता हिन्दी अधिकारी होमनिधी शर्मा एवं प्रत्यूषा होंगे।

बैठक में सभी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में भारत माता के साथ-साथ राष्ट्रीय वेशभूषा व कविता पठन भी होगा। इसमें साहित्य समिति की प्रमुख विभा भारती तथा संयोजिका पूजा गुप्ता, विभा बंग, इन्द्रा दंदाली, श्याम नावंदर है। बैठक में कलावती जाजू, सीमा इनानी, पूजा गुप्ता, पदमा व्यास, इन्द्रा इंदानी, विभा बंग, प्रिया किमती उपस्थित रहे। अध्यक्ष कलावती जाजू ने सभी महिलाओं से निवेदन किया हे कि कार्यक्रम में भाग ले व आनंद ले।

वनस्थलीपुरम महिला मंडल द्वारा श्रीमद्भागवत कथा जारी

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम महिला मंडल द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा 12 सितंबर से 18 सितंबर तक श्री गणेश मंदिर एनजीओ कालोनी वनस्थलीपुरम में पंडित सुखेन्द्र शास्त्री चित्रकूट वाले के श्रीमुख से कथा चल रही है। प्रथम दिवस भानुराम, जय भगवान गर्ग द्वारा पुजन किया गया। आज दूसरी दिन विनोद गर्ग व रवि अग्रवाल द्वारा पुजन किया गया। महाराज न भागवत सुनने के लाभ बताये व जीवन में धर्म व भक्ती की आवश्यकता का महत्व बताया। दुसरे दिन भक्ति को बिना स्वार्थ के करने पर ही भगवत प्राप्ती होती है। यह कुंती चरित्र द्वारा समझाया। परिक्षीत अवतार से यह ज्ञात होता है कि माता-पिता के चरित्र के अनुरूप ही संतान की प्राप्ती होती है। शिष्य चरित्र द्वारा राजधर्म एवं दान धर्म की व्याख्या की। कथा में महिला मंडल की सभी सदस्य उपस्थित रही। गोविन्दी देवी काबरा, कौशल्या देवी, सुशीला देवी, मीना गोयल, शकुंतला मित्तल उषा गर्ग, उर्मिला देवी, शाती देवी गर्ग, चाने वाली दादी, यशोदा देवी व अन्य उपस्थित रही। एन.के. सिंह के नेतृत्व में यह कार्यक्रम चल रहा है। इसमें रमेश कावरा, जय भगवान गर्ग, सुरेश गोयल, विनोद गर्ग, सुशील शर्मा, देवेन्द्र पुनिया, महेश गिडवानी, लक्ष्मण कावरा व तुलसी राम बंसल ने सभी भक्तों के साथ भागवत कथा का आनन्द लिया।

सऊदी में नई नौकरी ज्वाइन करने से कुछ घंटे पहले हैदराबादी युवक की मौत

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सऊदी अरब में एक हैदराबादी युवक की नई नौकरी ज्वाइन करने से कुछ घंटे पहले मौत हो गई, जिसकी तलाश वह लंबे समय से कर रहा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हैदराबाद में टोली चौकी के पास हकीमपेट के मूल निवासी मोहम्मद मुजाहिद अली (36) रविवार को जेद्दा की राजधानी रियाद के मारफौह जिले में अपने आवास में मृत पाए गए। वह रविवार से एक नई कंपनी नौकरी ज्वाइन करने वाले थे। पड़ोसियों से जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया जहां डॉक्टरों ने प्रमाणित किया कि मुजाहिद की मृत्यु दिल का दौरा पड़ने के बाद हुई थी।

गणेश उत्सव समिति प्रमुख ने विसर्जन समारोह के सुचारू संचालन के लिए सरकार को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के मुख्य सचिव डॉ.एम. भगवंत राव ने आज मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनकी सरकार, पुलिसकर्मियों, जीएचएमसी और अन्य संबंधित विभागों को बिना किसी समस्या के गणेश नवरात्रि समारोह और निमज्जनम के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि केसीआर हमारे मुख्यमंत्री हैं और हम उनके खिलाफ कभी कोई अनुचित टिप्पणी नहीं करते हैं। यह कहते हुए कि उन्होंने गणेश उत्सव समारोह के लिए केवल असम के मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया, भगवंत राव ने स्पष्ट किया कि उत्सव समिति का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्वागत मंच का निर्माण समिति द्वारा हर साल हमेशा की तरह किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एक स्थानीय टीआरएस नेता, जो मंच पर आए थे, ने कार्यक्रम में गड़बड़ी की और राजनीतिक फ्लेक्स तय करके इसका राजनीतिकरण किया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने तीन दिनों के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। उन्होंने अफसोस जताया कि राज्य सरकार असम के मुख्यमंत्री को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही है, जिन्हें समारोह में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने उत्सव समिति द्वारा लगाए गए स्वागत मेहराब और मंच की स्थापना को रोकने की योजना बनाई है।

जन सेवा संघ संचालन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन संचालन समिति के संयोजक पीपी पांडेय ने किया। पीपी पांडेय ने सभी सदस्यों से कार्य प्रगति की जानकारी लिया तथा सभी सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने का आग्रह किया। जन सेवा संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी ने बताया कि कई कार्यों को किया जा रहा है, जिसमें बिहार के निवासियों को आने जाने के लिए ट्रेन एवं बस के सेवा संबंधित सन्दर्भित अधिकारियों से बात किया गया है। उस पर अधिकारियों ने शीघ्र ही कार्य करने का आश्वासन दिया है। जन सेवा संघ के महासचिव केडी चौबे ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाए जा चुके हैं तथा बस्ती अध्यक्ष भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी संभागीय अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने संभाग में बचे हुए क्षेत्रों में क्षेत्रीय अध्यक्ष का चयन शीघ्रता से करें। संगठन सचिव वीडी चौबे ने बताया कि वह सभी संभागीय अध्यक्षों से बातचीत कर रहे हैं और शीघ्र ही सभी क्षेत्रों में बैठक का आयोजन किया जाएगा। राजेश चौबे ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में कई सदस्य बनाए गए हैं और उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वह बनाए गए सदस्यों की सूची कार्यालय में जमा करें। नारायण ओझा ने बताया कि संस्था का उद्देश्य है कि बाहर से आए हुए लोगों के लिए कम से कम एक दो दिन के लिए ठहरने की व्यवस्था किया जाएगा परंतु यह व्यवस्था अभी तक संभव नहीं हो पाया है। उन्होंने इस पर तेजी से कार्य करने का सुझाव दिया। सुशील श्रीवास्तव ने बताया कि बिहार आने जाने के लिए एक ही ट्रेन है जिस कारण सभी लोगों को काफी परेशानियां हो रही हैं। अतः ट्रेन की संख्या बढ़ाने के लिए संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके ज्ञापन देने का सुझाव दिया। अन्य कई सदस्यों संजय सोलंकी, सुनील श्रीवास्तव, श्रीकांत पांडे, डीडी तिवारी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

किशन रेड्डी ने किया आग दुर्घटना स्थल का दौरा

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज सिकंदराबाद में बहुमंजिला इमारत का दौरा किया जिसमें सोमवार की रात आग लग गई थी। उन्होंने जले हुए भवन के अंदर जाकर शोरूम का निरीक्षण किया और अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों से भी मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय करने का सुझाव दिया। किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घटना में घायल हुए लोगों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

जीवन रेड्डी ने सरकार से एपीआरए के वादों पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को केंद्र ले जाने की मांग की

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने आज मांग की कि राज्य सरकार आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में किए गए वादों को पूरा करने के लिए एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को केंद्र सरकार के पास ले जाए। उन्होंने राज्य सरकार से कहा कि अधिनियम में किया गया एक भी वादा केंद्र द्वारा अब तक पूरा नहीं किया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि एक आईटीआईआर परियोजना स्थापित करने के वादे को केंद्र सरकार ने पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।

परिषद में बोलते हुए, जीवन रेड्डी ने कहा कि राज्य में आदिवासियों को तेलंगाना राज्य के गठन के बाद बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि जहां केंद्र सरकार आदिवासियों को 7.5 प्रतिशत आरक्षण दे रही है, वहीं राज्य सरकार केवल छह प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर रही है। कृष्णा नदी के पानी के वितरण पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि पानी का आवंटन भी ठीक से नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन में सक्रिय भाग लेने वाले सीएम केसीआर केंद्र से राज्य के अधिकारों को हासिल करने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भगवा पार्टी को राज्य में वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने एपी पुनर्गठन अधिनियम में किए गए वादों की उपलब्धि के मुद्दे पर सीएम केसीआर को पूर्ण समर्थन देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने मांग की कि केंद्र राज्य के भद्राचलम मंडल के साथ पड़ोसी एपी के साथ विलय किए गए सात मंडलों को फिर से मिलाए।

मुलुगु में पहला वन विश्वविद्यालय शुरू करेगी सरकार

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मंगलवार को वन विश्वविद्यालय तेलंगाना विधेयक 2022 को विधानसभा में पेश किया, जिससे तेलंगाना राज्य वन विश्वविद्यालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। यह वन में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय होगा, जिसका मुख्यालय मुलुगु में होगा। दुनिया में केवल रूस और चीन में वन विश्वविद्यालय हैं। तीसरा भारत में है वह भी तेलंगाना में। तेलंगाना सरकार ने वानिकी शिक्षा, अनुसंधान, विस्तार और आउटरीच के लिए एफसीआरआई को विश्व स्तरीय संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है।

हम गुजरात विकास मॉडल नहीं चाहते, देश चाहता है केसीआर पीएम बनें : कडियम श्रीहरि

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस एमएलसी कडियम श्रीहरि ने आज कहा कि वे तेलंगाना में गुजरात विकास मॉडल नहीं चाहते हैं और कहा कि तेलंगाना विकास मॉडल गुजरात की तुलना में कहीं बेहतर है। श्रीहरि ने कहा कि देश के लोग मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे तेलंगाना मॉडल का प्रचार नहीं कर रहे हैं और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विफल गुजरात मॉडल को खूब प्रचारित कर रहे हैं।

कई संगठनों ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, संगठन के नेता पुलिस हिरासत में

ट्रैफिक जाम से परेशान रहे वाहन चालक व राहगीर

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के पास कुछ समय के लिए माहौल तब तनावपूर्ण हो गया, जब अध्यापक संगठन, वीआरए संगठन के अलावा रेड्डी एसोसिएशन ने विधानसभा में धावा बोलने की कोशिश की। सभी प्रदर्शनकारियों ने अपनी-अपनी मांगों को लेकर आज प्रदर्शन किया। इस कारण भारी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें तितर-बितर करने की कोशिश की। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से बचने के लिए इधर-उधर भागा, जिस

कारण काफी ट्रैफिक जाम लग गया। धरना चौक इंदिरा पार्क से लेकर सचिवालय तथा विधानसभा तक काफी ट्रैफिक जाम रहा। यह ट्रैफिक जाम वाहनचालकों से लेकर राहगीरों के लिए सिरदर्द बन गया।

उधर, रेड्डी संगठनों ने तेलंगाना विधानसभा के अंदर जाने का प्रयास किया। रेड्डी एसोसिएशन रेड्डी कॉरपोरेशन को 2,000 करोड़ का वित्तीय सहायता जारी करने की मांग कर रहा है। उनका दावा है कि तेलंगाना प्रशासन लंबे समय से इस मुद्दे पर अपने पैर खींच रहा है। उन्होंने यह भी मांग की है कि इसी तरह के विधेयक को विधानसभा के एजेंडे में रखा जाए। रेड्डी संगठनों के नेताओं को पुलिस ने रोका और हिरासत में ले लिया। आज विधानसभा के पास पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई संगठन अपनी मांगों लेकर विधानसभा के पास पहुंचे थे। इस संबंध में 12 लोगों को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया है।

विधानसभा से बीजेपी विधायक इटेला राजेंदर निलंबित

इटेला के निलंबन पर बंडी व किशन ने सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी और राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए विधायक इटेला राजेंद्र को विधानसभा से निलंबित करने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की। राजेंदर को सस्पेंड करने पर फैसला लेने से पहले राज्य सरकार को पिछली अप्रिय घटनाओं के रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए थी जो कि संयुक्त आंध्र प्रदेश में विधानसभा में हुई थी। उन्होंने दावा किया कि राजेंद्र ने अध्यक्ष के खिलाफ कुछ भी आपत्तिजनक नहीं कहा।

रेड्डी ने जानना चाहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ अनावश्यक टिप्पणी करने के लिए सत्तारूढ़ दल के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई। संजय ने कहा कि आम तौर पर लोगों से जुड़े मुद्दों पर विधानसभा में चर्चा होनी चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से सत्ताधारी पार्टी के नेता सदन में राजनीति पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने सरकार की विफलताओं को उजागर करने के लिए कुछ सप्ताह पहले एक विधायक को जेल भेजा था और अब एक अन्य विधायक को विधानसभा में लोगों के मुद्दों को उठाने से रोकने के लिए निलंबित कर दिया गया है। फिर भी, भाजपा लोगों के मुद्दों के समर्थन में लड़ना जारी रखेगी, उन्होंने कहा। इस बीच, राजेंदर ने विधानसभा के पास पुलिस की मनमानी को अपनी गलती बताया। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल पिछले एक साल से मेरे खिलाफ साजिश कर रहा है और मुझे विधानसभा में बोलने नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि वह राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ लड़ना जारी रखेंगे।

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ टिप्पणी करने वाले भारतीय जनता पार्टी हुजूराबाद के विधायक इटेला राजेंदर को आज तेलंगाना विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। सदन को संबोधित करते हुए मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने अध्यक्ष के खिलाफ रोबोट वाली टिप्पणी के मामले में भाजपा विधायक को विधानसभा से निलंबित करने का अनुरोध किया। मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने विधायक इटेला राजेंद्र से विधानसभा में बने रहने के लिए अपनी टिप्पणी पर विधानसभा अध्यक्ष से माफी मांगने का प्रस्ताव रखा। विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर चेन्नूर विधायक बालका सुमन ने इटेला राजेंद्र को विधानसभा सत्र से निलंबित करने की मांग की। माफी मांगने से इनकार करने के बाद स्पीकर ने इटेला राजेंदर को निलंबित कर दिया।

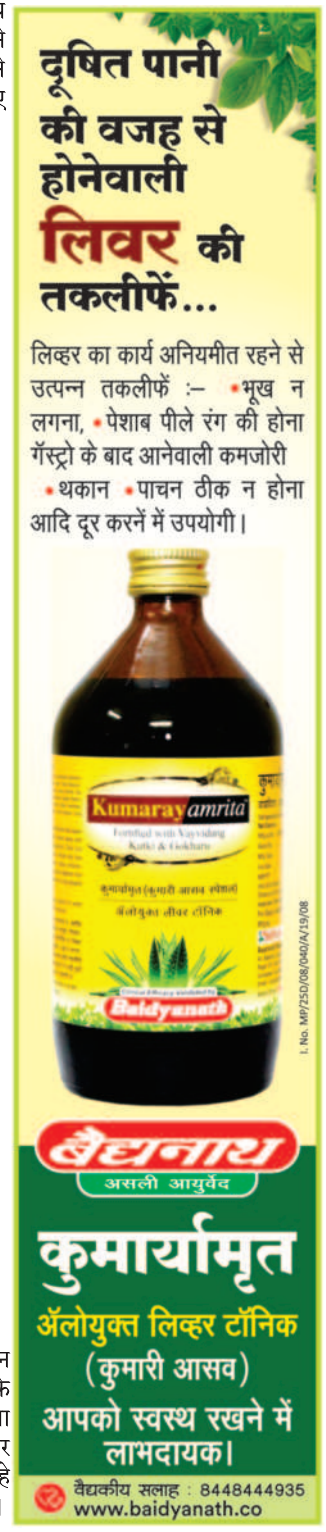

नौकरी का मजा मिलने से पहले ही चली गई इंजीनियरिंग छात्रा की जान

बिच्छू के काटने से अस्पताल में भर्ती छात्रा की मौत

राजन्ना-सिरसिल्ला, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बी.टेक तृतीय वर्ष की छात्रा रही डोंथुला मालती के लिए भविष्य आशाजनक प्रतीत नहीं हुआ। उसे हाल ही में पढाई पूरी होने के पहले ही कैंपस प्लेसमेंट मिल चुका था। मध्यम वर्गीय परिवार के लिए पढ़ाई पूरी करने के तुरंत बाद नौकरी मिलना बड़ी बात है और पूरा परिवार उसकी नई नौकरी में आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था, लेकिन भाग्य को कुछ अन्य ही मंजूर था। गणेश निमज्जन की छुट्टियों के कारण सिरसिला कस्बे के पास रागुडु गांव में घर गई मालती की मंगलवार को बिच्छू के काटने से मौत हो गई। मालती अपने परिवार के सदस्यों को उनके खेत से सब्जियां काटने में मदद करना चाहती थी और रविवार को अपने परिवार के सदस्यों के साथ खेत में चली गई। जैसे खेतों में काम करते समय कमीज पहनने की प्रथा है, मालती ने भी खेत में जाने से पहले कमीज पहनी थी।

उसे पता नहीं था कि एक बिच्छू शर्ट से चिपक गया था और उसने उसे डंक मार दिया। जैसे ही मालती ने शोर मचाया, उसके परिवार के सदस्य उसे सिरसिला शहर ले गए, जो गाँव से लगभग चार किलोमीटर दूर है। सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने उसकी जांच की और माता-पिता को उसे बेहतर इलाज के लिए करीमनगर ले जाने की सलाह दी, क्योंकि बिच्छू का जहर उसके पूरे शरीर में फैल गया था। उसे करीमनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां मंगलवार सुबह उसने अंतिम सांस ली। उसकी मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम छा गया, क्योंकि वह गांव की सभी लड़कियों के लिए एक आदर्श थीं।

केंद्र पर तेलंगाना का 1,05,812 करोड़ रुपये बकाया : हरीश राव

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार पर तेलंगाना का 1,05,812 करोड़ रुपये लंबित धन, अनुदान और मुआवजे के रूप में बकाया है। यदि मानदंडों और सिफारिशों के अनुसार भुगतान किया जाता है, तो राज्य सरकार अपने 3.29 लाख करोड़ रुपये के राज्य ऋणों में से एक तिहाई का भुगतान कर सकती है। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने केंद्र के एकतरफा फैसलों और राज्य के खिलाफ प्रतिबंध लगाने के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में बताते हुए कहा कि कर्जों को चुकाने की बात तो दूर, अगर केंद्र ने आज तक इन फंडों को जारी किया तो हमें ऋण प्राप्त करने की भी आवश्यकता नहीं होगी। वित्तीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) सीमा के तहत ऋण प्राप्त करना।

वह मंगलवार को विधानसभा में "एफआरबीएम अधिनियम के कार्यान्वयन में केंद्र सरकार की दोहरी नीति-राज्य की प्रगति पर प्रभाव" पर संक्षिप्त चर्चा में भाग ले रहे थे। उन्होंने केंद्र से बकाया राशि प्राप्त करने में सफल होने पर राज्य सरकार की ओर से भाजपा विधायकों और सांसदों को सम्मानित करने की पेशकश की।

वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र

सरकार राज्यों पर प्रतिबंध लगाकर एफआरबीएम अधिनियम के कार्यान्वयन में दोहरा मापदंड अपना रही है, लेकिन खुद उनका अभ्यास नहीं कर रही है, जबकि 15वें वित्त आयोग ने उधार की समीक्षा के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को शामिल करते हुए एक उच्च-स्तरीय अंतर-सरकारी समिति के गठन की सिफारिश की, केंद्र सरकार ने समिति का गठन किए बिना राज्यों के उधार पर प्रतिबंध लगाने का एकतरफा निर्णय लिया। इसके अलावा, ये प्रतिबंध पूर्वव्यापी प्रभाव से लगाए जा रहे हैं।

हरीश राव ने कहा कि हालांकि तेलंगाना अपने जीएसडीपी के 4 प्रतिशत तक ऋण लेने के योग्य है, लेकिन केंद्र द्वारा कृषि पंप सेटों पर स्मार्ट मीटर लगाने पर जोर देने के बाद, उसने किसानों की खातिर 0.5 प्रतिशत ऋण को छोड़ दिया था। केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग के प्रदर्शन के आधार पर तेलंगाना को विभिन्न मदों के तहत 6,268 करोड़ रुपये जारी करने की सिफारिशों की भी अनदेखी की। जीएसटी कार्यान्वयन के माध्यम से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों के कर हिस्से को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का वादा किया। लेकिन अधिक उपकर लगाकर, इसने राज्य को कर घटक कम कर दिया है, वित्त मंत्री ने कहा। जबकि केंद्र सरकार अपने राजस्व का लगभग 22.26 प्रतिशत उपकर और अधिभार के माध्यम से अर्जित कर रही थी, राज्यों को अपना राजस्व खो रहा है और केंद्र द्वारा अर्जित कुल राजस्व का केवल 29.6 प्रतिशत के साथ समाप्त हो रहा है। हरीश राव ने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार के विपरीत, जिसने अपने ऋणों को चुकाने के लिए ऋण प्राप्त किया, राज्य सरकार ने पूंजीगत व्यय पर उधार खर्च किया और संपत्ति बनाई। उन्होंने कहा कि हमने कलेश्वरम परियोजना, मिशन भगीरथ, मिशन काकतीय और अन्य कार्यक्रमों जैसी सिंचाई परियोजनाओं को हाथ में लिया, जिससे राज्य के लिए संपत्ति का निर्माण हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना की ऋण रैंक देश में 23वें स्थान पर है।

पिछले आठ वर्षों में, तेलंगाना ने 11.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ राज्य के स्वामित्व वाले कर-राजस्व में वृद्धि के मामले में शीर्ष स्थान ग्रहण किया। ओडिशा 9.7 प्रतिशत के साथ दूसरे, हरियाणा 9.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसी तरह, देश की आबादी का केवल 2.9 प्रतिशत होने के बावजूद, पिछले आठ वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद में तेलंगाना का योगदान 4 प्रतिशत से बढ़कर 4.9 प्रतिशत हो गया।

क्यातनपल्ली नगरपालिका का नाम बदलकर अब रामकृष्णपुर कर दिया गया

मंचेरियल, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक ऐतिहासिक कदम में, क्यातनपल्ली नगरपालिका का नाम बदलकर रामकृष्णपुर नागरिक निकाय कर दिया गया है। तेलंगाना विधानसभा ने मंगलवार को इस आशय के एक विधेयक को मंजूरी दे दी। सरकारी सचेतक बालका सुमन ने स्वीकृति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि रामकृष्णपुर कभी कोयला खनिकों और उनके परिवारों के साथ एक हलचल भरा शहर था। कोल बेल्ट टाउन सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के नेताओं की राज्य की राजनीति का स्थल था। लेकिन समय के साथ इसने अपनी चमक खो दी। हालांकि, नाम बदलने से शहर को अपना गौरव हासिल करने में मदद मिलेगी। इस बिल का मकसद ऐतिहासिक शहर को दोबारा जन्म देना है। स्थानीय लोगों की इच्छा के अनुसार, क्यातनपल्ली नागरिक निकाय का नाम बदलकर रामकृष्णपुर नगरपालिका कर दिया गया। इससे शहर को एक पहचान मिल सकेगी। इस शहर के लोगों को अब दूसरे हिस्सों में पलायन करने की आवश्यकता नहीं होगी, सुमन ने टिप्पणी की।

सरकारी सचेतक ने जोर देकर कहा कि शहर को सुंदर बनाने और बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिए कई विकासात्मक गतिविधियां की जा रही हैं। उन्होंने जंक्शनों के सौंदर्यीकरण, पुस्तकालय के निर्माण, रामालयम से मनचेरियल जंक्शन तक एक सड़क के चौड़ीकरण, रेलवे लाइन पर फ्लाई ओवर ब्रिज, बिजली की रोशनी, एकीकृत सब्जी बाजार, डंपिंग यार्ड और अन्य सुविधाओं का हवाला दिया जिससे शहर को अपने अस्तित्व की रक्षा करने में मदद मिलेगी। सुमन ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और नगर निगम और शहरी प्रशासन मंत्री के तारका रामा राव को विधानसभा के समक्ष विधेयक पेश करने और रामकृष्णपुर के लोगों के लंबे समय से पोषित सपने को साकार करने के लिए धन्यवाद दिया। इस बीच, सामुदायिक संगठनों के सदस्यों, ट्रेड यूनियनों और तेलंगाना राष्ट्र समिति के कार्यकर्ताओं ने नगरपालिका का नाम बदलने के फैसले का जश्न मनाया।

तेलंगाना बनने के बाद बदली मुनुगोड़े की किस्मत : जगदीश रेड्डी

नलगोंडा, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने मंगलवार को याद दिलाया कि मुनुगोड़े का भाग्य तेलंगाना राज्य के गठन के बाद ही फ्लोराइड मुद्दे के स्थायी समाधान के साथ बदल गया था। मरीगुडा में आयोजित टीआरएस सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों की एक बैठक में बोलते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र के मुद्दों को हल करने पर ध्यान केंद्रित किया, विशेष रूप से तेलंगाना राज्य के गठन के बाद फ्लोराइड खतरे। तेलंगाना के गठन से पहले मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई सुविधा के अभाव में सूखे जैसे हालात बने हुए थे। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र दशकों से फ्लोराइड की समस्या से जूझ रहा है, जिससे हजारों लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि टीआरएस सरकार ने फ्लोराइड के मुद्दे को हल किया और इसे केंद्र ने लोकसभा के पटल पर स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग चंद्रशेखर राव के शासन में खुशी से रह रहे हैं, उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के लोग भी मुख्यमंत्री के नेतृत्व की तलाश में थे और राज्य में लागू होने वाली कल्याणकारी योजनाओं के लिए अपनी सरकारों की मांग कर रहे थे। इसे पचा पाने में असमर्थ, केंद्र की भाजपा सरकार ने तेलंगाना पर निशाना साधा और हमारे राज्य में कल्याणकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास किया। रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री को रोकने की ताकत किसी में नहीं है, जो लक्ष्य तक पहुंचने की सही रणनीति के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। चंद्रशेखर राव ने एक बार निर्णय लेने के बाद उस पर कोई कदम नहीं उठाया। इसलिए भाजपा नेता उनसे डर रहे थे। उन्होंने मुनुगोड़े उपचुनाव में टीआरएस उम्मीदवार को जीत दिलाने के लिए पार्टी सदस्यों से सैनिकों की तरह काम करने को कहा। उपचुनाव में भाजपा के षडयंत्रों को परास्त करने की जरूरत थी। उन्होंने विश्वास जताया कि टीआरएस उम्मीदवार उपचुनाव में मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में जीत हासिल करेंगे। बैठक में राज्यसभा सदस्य बदुगुला लिंगैया यादव, एमएलसी और नलगोंडा के पार्टी प्रभारी ठक्केलपल्ली रविंदर राव और मुनुगोड़े के पूर्व विधायक कुसुकुंतला प्रभाकर भी शामिल थे।

जालसाजों ने कलेक्टर का फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाया

कोत्तागुडेम, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जालसाजों ने कोत्तागुडेम के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी की तस्वीर के साथ एक नकली व्हाट्सएप अकाउंट बनाया है और पैसे भेजने की मांग करने वाले संदेश पोस्ट कर रहे हैं।

कलेक्टर ने जनता और सरकारी अधिकारियों से कहा कि ऐसे धोखेबाजों के संदेशों का जवाब न दें। उन्होंने कहा कि जालसाजों के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज किया जा रहा है और जिस मोबाइल नंबर से इस तरह के संदेश भेजे जा रहे थे, उसे ब्लॉक कर दिया जाएगा।

चुनाव प्राधिकरण ने लोगों से किया आग्रह

आधार को वोटर कार्ड से लिंक करें

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव प्राधिकरण, हैदराबाद ने मंगलवार को हैदराबाद जिले के 15 विधानसभा क्षेत्रों के लोगों से अपने आधार कार्ड को मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड यानी मतदाता कार्ड से जोड़ने का आग्रह किया। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा संशोधित पंजीकरण प्रपत्रों में मतदाताओं के आधार विवरण प्राप्त करने का प्रावधान किया गया है। मौजूदा मतदाताओं के आधार विवरण एकत्र करने के लिए एक नया फॉर्म -6 बी भी पेश किया गया है।

जिला चुनाव प्राधिकरण, हैदराबाद ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आधार कार्ड को https://nvsp.in पर जाकर जोड़ा जा सकता है और फॉर्म बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा दरवाजे पर वितरित किए जाएंगे। हैदराबाद जिले के 15 विधानसभा क्षेत्रों के योग्य लोगों को https://www.nvsp.in/ में लॉग इन करके मतदाता के रूप में अपना नामांकन कराना चाहिए। ईसीआई द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक को नामांकन के दौरान अपलोड किया जाएगा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MAHMOODA R/o.H No. 13-5-610/22/A, Tappachabutra, Hyd-500006.T.S.Have changed Name as MAHMOODA BEGUM W/o.MOHAMMED FAROOQ ALI.

I, K.M.MONI YAAW, R/o. H.No.2-3-656/6, Azad Nagar, AMberpet, Hyd, T.S. changed My Name as JUVERIA TABASSUM, W/o. MOHSEEN AHMED.

I, MENHDI HASAN URF RAJ, R/o H No. 2-3-790/62/2, Shanthi Nagar, Amberpet, Hyd, T.S, changed my Name as MOHAMMED MEHNDI HASAN.

I, JAHANARA, R/o. H.No.9-1-1/221/A, Hashim Nagar, Langer House, Golconda. Hyd. T.S. Changed My Name as "IQBAL FATIMA"

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, इन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

टीएस हैंडलूम कॉरपोरेशन के अध्यक्ष के रूप में सी. प्रभाकर का स्वागत

संगारेड्डी, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी में तेलंगाना राष्ट्र समिति के नेताओं और कैडर ने चिंता प्रभाकर की तेलंगाना राज्य हथकरघा विकास निगम उद्योग और वाणिज्य के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति को कड़ी मेहनत और वफादारी के सम्मान और पुरस्कार के रूप में करार दिया।

2018 के विधानसभा चुनाव में मामूली अंतर से हारने के बावजूद, चिंता प्रभाकर ने पिछले चार वर्षों में पार्टी के आधार को बरकरार रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

दरअसल, संगारेड्डी नगर अध्यक्ष बोंगुला विजयलक्ष्मी ने कहा कि प्रभाकर ने पार्टी का आधार मजबूत किया है. पिछले चार वर्षों के दौरान, संगारेडी में कई नगर पार्षद, और सदाशिवपेट नगर पालिकाओं, सरपंच, और विपक्षी दलों के एमपीटीसी सदस्य प्रभाकर की उपस्थिति में टीआरएस पार्टी में शामिल हुए। उनके काम के सम्मान में, टीआरएस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने हाल ही में उन्हें पार्टी जिलाध्यक्ष के रूप में नामित किया था।

न केवल पार्टी को मजबूत करने पर, बल्कि प्रभाकर ने वित्त मंत्री टी. हरीश राव, आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के साथ मिलकर 2018 और 2022 के बीच और अधिक विकास कार्य किए। संगारेड्डी के पूर्व विधायक ने संगारेड्डी को मेडिकल कॉलेज दिलाने का भी प्रयास किया था, जिसका वादा मुख्यमंत्री ने 2014 के चुनावों के दौरान किया था। चूंकि वह एक गैर-विवादास्पद व्यक्ति हैं, प्रभाकर को सभी टीआरएस नेताओं, विशेष रूप से वित्त मंत्री टी हरीश राव का समर्थन प्राप्त है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीट्टर @SCRailwayindia पर फालो करें। दम रेलवे संबंधित निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देख सकते हैं।

सं.वाई/सी/ वाई/सी/285/पार्सल/पैकिंग/टेंडर-2/2022-23, दि.9-9-2022

PUB/0801

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, द्वारा **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज से जुडे नियम व शर्तों के अपलोड करने के अनुसार, 3 वर्ष की अवधि के लिए हैदराबाद डिवीजन के काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर स्थित पार्सल आफिस के डोर पिक अप तथा डिलीवरी विकल्प के साथ टू व्हीलर एवं पैकेजेस पैकिंग सर्विस(गैर विस्फोटक तथा गैर आक्रामक पार्सल अथवा नान-एक्सप्लोसिव एंड नान-आर्फेसिव पार्सल्स/आर्टिकल्स/पैकेजेस मात्र) के लिए ठेका प्रदान या एवार्ड आफ कांट्राक्ट हेतु आयआरईपीएस के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.	स्टेशन	अनुमानित वार्षिक पूधरा रु.	आरक्षित मूल्य रु.
1.	काचीगुडा	3,30,000/-	16,500/-

महत्वपूर्ण तिथियां

निविदा प्रपत्र प्रस्तुति की अंतिम तिथि	3-10-2022 के 15.00 बजे तक
निविदा बंद करने की तिथि	3-10-2022 के 15.00 बजे
निविदा खुलने की तिथि	3-10-2022 के 15.00 बजे के बाद

A1086 वरिष्ठ मंडलीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

निर्यात शुल्क नहीं देना चाहते खरीदार, बंदरगाहों पर 10 लाख टन चावल अटका

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार द्वारा चावल निर्यात पर रोक लगाने के फैसले से निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। विदेशी चावल खरीदारों ने अतिरिक्त शुल्क चुकाने से मना कर दिया है। इससे बंदरगाहों पर 10 लाख टन चावल फंस गए हैं। पिछले दिनों सरकार ने घरेलू बाजार में चावल की कीमतें बढ़ने से रोकने के लिए निर्यात पर प्रतिबंध के साथ ही 20 फीसदी अतिरिक्त शुल्क चुकाने का भी नियम लगा दिया था। भारतीय चावल निर्यातक संगठन के अध्यक्ष बीवी कृष्ण राव ने कहा, सरकार ने तत्काल प्रभाव से शुल्क लगा दिया, लेकिन खरीदार इसके लिए तैयार नहीं थे। फिलहाल हमने चावल का लदान रोक दिया है। दुनिया के सबसे बड़े चावल निर्यातक भारत के रोक लगाने के बाद अब पड़ोसी देशों सहित दुनिया के चावल आयातक देशों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। भारत हर महीने करीब 20 लाख टन चावल का निर्यात करता है। इसमें सबसे ज्यादा लोडिंग आंध्र प्रदेश के कनिकड़ा और विशाखापट्टन बंदरगाह से होती है। बंदरगाहों पर फंसे चावल का निर्यात चीन, सेनेगल, संयुक्त अरब अमीरात और तुर्की को होना था। इसमें सबसे ज्यादा शिपमेंट टूटे चावल का था।

निर्मला सीतारमण ने भगवान हनुमान से की भारतीय कंपनियों की तुलना,कहा- निवेश को लेकर झिझक क्यों?

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को उद्योग जगत की तुलना भगवान हनुमान से की। उन्होंने पूछा कि आखिर वे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश को लेकर क्यों झिझक रहे हैं और कौन सी चीजें रोक रही हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशी निवेशक भारत को लेकर भरोसा जता रहे हैं जबकि ऐसा लगता है कि घरेलू निवेशकों में निवेश को लेकर कुछ झिझक है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग के साथ मिलकर काम करने को इच्छुक है और नीतिगत कदम उठाने को तैयार है। सीतारमण ने कहा, "यह समय भारत का है...हम अवसर को नहीं खो सकते।" उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना लेकर आई, विनिर्माण क्षेत्र में निवेश के लिये कर दरों में कटौती की। वित्त मंत्री ने कहा, "कोई भी नीति अपने-आप में अंतिम नहीं हो सकती.. जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं यह विकसित होती रहती है। यह उन उद्योगों पर भी लागू होता है जो उभरते क्षेत्र से जुड़े हैं, जिनके लिए हमने प्रोत्साहन के माध्यम से नीतिगत समर्थन दिया है।" उन्होंने कहा, "मैं उद्योग जगत से जानना चाहूंगी कि आखिर वे निवेश को लेकर झिझक क्यों रहे हैं...हम उद्योग को यहां लाने और निवेश को लेकर सब कुछ करेंगे..लेकिन मैं भारतीय उद्योग से सुनना चाहती हूं कि आपको क्या रोक रहा है?" सीतारमण ने माइंडमाइन शिखर सम्मेलन में कहा कि दूसरे देश और वहां के उद्योगों को भारत को लेकर भरोसा है। यह एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) और एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेश) प्रवाह और शेयर बाजार में निवेशकों के विश्वास से पता चलता है। वित्त मंत्री ने कहा, "क्या यह हनुमान की तरह है? आप अपनी क्षमता पर, अपनी ताकत पर विश्वास नहीं करते हैं और आपके बगल में कोई खड़ा होता है और कहता है कि आप हनुमान हैं, इसको कीजिए? वह व्यक्ति कौन है जो हनुमान को बताने वाला है? यह निश्चित रूप से सरकार नहीं हो सकती।"

सेंसेक्स 455 अंक बढ़कर 60,571 पर बंद

सोने में गिरावट और चांदी में तेजी; डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ रुपया

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार (13 सितंबर) को तेजी देखने को मिली। बाजार में तेजी का सिलसिला, पिछले चार कारोबारी दिन से जारी है। सेंसेक्स 455 अंक की तेजी के साथ 60,571 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 133 अंकों के उछाल के साथ 18,070 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयरों में तेजी रही। वहीं 6 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर सोने में गिरावट और चांदी में तेजी देखने को मिली। आज 24 कैरेट सोना 50,676 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी की बात करें तो ये आज 57,270 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 36 पैसे मजबूत हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	सिंह	में	सिंह...	04-12	बजे
चंद्र-	मेष	में	कन्या	06-19	बजे
मंगल	वृष	में	तुला -	08-24	बजे
बुध-	कन्या	में	वृश्चिक	10-34	बजे
गुरु-	मीन	में	धनु---	12-48	बजे
शुक्र-	सिंह	में	मकर-	14-54	बजे
शनि-	मकर	में	कुंभ -	16-45	बजे
राहु-	मेष	में	मीन...	18-22	बजे
केतु-	तुला	में	मेष--	19-58	बजे
			वृष--	21-43	बजे
			मिथुन..	23-44	बजे
			कर्क...	01-47	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **- 10-25** तक उपरान्त, पंचमी
मास - अश्विन कृष्ण पक्ष ,बुधवार, **14 Sep**
नक्षत्र - अश्विनी **- 06 -57** - तक उपरान्त, भरणी
योग - ध्रुव **- 06- 16** - तक उप- व्याघात
करण- बालव **- 10 -25** - तक,उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पंचमी श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल **12:12** से **13:43** तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	**06:07 - 07:37**	शुभ	उत्पात	**18:18 - 19:46**	अशुभ
अमृत	**07:37 - 09:08**	शुभ	शुभ	**19:46 - 21:15**	शुभ
काल	**09:08 - 10:40**	अशुभ	अमृत	**21:15 - 22:43**	शुभ
शुभ.	**10:40 - 12:12**	शुभ	चंचल	**22:43 - 00:12**	शुभ
रोग	**12:12 - 13:43**	अशुभ	रोग	**00:12 - 01:40**	अशुभ
उत्पात	**13:43 - 15:15**	अशुभ	काल	**01:40 - 03:08**	अशुभ
चंचल	**15:15 - 16:46**	शुभ	लाभ	**03:08 - 04:37**	शुभ
लाभ	**16:46 - 18:16**	शुभ	उत्पात	**04:37 - 06:07**	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) - आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं।हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा। जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी।आपसे कितना भी तेज गति से काम करने की उम्मीद क्यों की जाए।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) - आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी। कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी।आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे।दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - ।आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है।वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है।दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं।हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा।आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं।जहां तक सै।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं।लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं। इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी। आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा।यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है।आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाह्ते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा।कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें।हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) - आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है। अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें।आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें। ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - दिन शांत रहेगा।पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी।आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें।कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांच्छित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे। आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) - आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं। आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा। इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

फुल टाइम के साथ पार्ट टाइम जॉब पड़ेगी भारी

जा सकती है नौकरी, इन्फोसिस ने 'मूनलाइटिंग' पर कर्मचारियों को दी सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस ने अपने कर्मचारियों को 'मूनलाइटिंग' को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। एचआर की ओर से सभी कर्मचारियों को भेजे गए ई-मेल में कहा गया है कि कोड ऑफ कंडक्ट के लिहाज से 'मूनलाइटिंग' की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर नौकरी से निकाले जाने समेत कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है। ई-मेल का शीर्षक है 'नो टू टाइमिंग, नो 'मूनलाइटिंग'। इन्फोसिस के एचआर की यह ई-मेल विप्रो के अजीम प्रेमजी की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने 'मूनलाइटिंग' को धोखाधड़ी करार दिया था। 'मूनलाइटिंग' के तहत कर्मचारियों को अपनी नौकरी करने के अलावा दूसरा काम (पार्ट टाइम जॉब) करने की कुछ स्थितियों में इजाजत होती है। सोमवार को जारी की गई इस ई-मेल में इन्फोसिस ने साफ-साफ कहा है कि कर्मचारियों को कंपनी के काम करने के तय घंटे के अलावा किसी दूसरी कंपनी या व्यक्ति के लिए काम की इजाजत नहीं दी जाएगी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक एक साथ दो संस्थाओं के लिए काम करने वाले को हर लिहाज से हतोत्साहित किया जाएगा, जिसमें कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शामिल है। इस ई-मेल में इन्फोसिस कर्मचारियों को दिए गए ऑफर लेटर की कुछ शर्तों का हवाला दिया गया है।

इसके मुताबिक इन्फोसिस के कर्मचारी फुल टाइम या पार्ट टाइम किसी दूसरी कंपनी के लिए बतौर निदेशक/साझेदार/सदस्य या कर्मचारी के रूप में बगैर इन्फोसिस प्रबंधन के इजाजत के काम नहीं कर सकते, क्योंकि 'मूनलाइटिंग' की वजह से न केवल कंपनी की उत्पादकता और उसके हित प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि कंपनी की गुप्त सूचनाओं के आदान-प्रदान होने की आशंका बढ़ रही है।

सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले का हब बनेगा गुजरात

सरकार और वेदांत-फॉक्सकॉन ग्रुप के बीच हुआ एमओयू

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीनगर में सरकार और भारतीय कंपनी वेदांता और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र की दिग्गज फॉक्सकॉन ग्रुप के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव व गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मौजूद रहे। कार्यक्रम में वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि वेदांता और फॉक्सकॉन ग्रुप की साझा सेमीकंडक्टर इकाई गुजरात में लगने जा रही है। उन्होंने कहा, यह कदम भारत को आत्मनिर्भर सिलिकॉन वैली की तरफ बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, राज्य में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण इकाई से यह क्षेत्र इसका हब बनेगा। उन्होंने कहा, अभी तक सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले को छोड़कर बाकी का निर्माण हमारी फैक्ट्रियों में किया जा सकता था।वहीं इस मौके पर भूपेंद्र पटेल ने कहा, दोनों कंपनियां गुजरात में यूनिट लगाने के लिए 1,54,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इससे राज्य में एक लाख रोजगार का सृजन होगा।

आज का सोना भाव: 14 से 24 कैरेट गोल्ड हुआ सस्ता

चांदी के दाम में 839 रुपये की उछाल

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी के हाजिर भाव में आज बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सोना जहां सोमवार के बंद भाव के मुकाबले सस्ते रेट पर खुला तो चांदी थोड़ी महंगी हो गई है। मंगलवार को 24 कैरेट सोना 50566 रुपये पर खुला, जो सोमवार के बंद भाव से 297 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता है। वहीं, चांदी 839 रुपये चढ़कर 56776 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 5688 रुपये सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 19232 रुपये सस्ती है। इसके अलावा 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 50364 रुपये पर है। वहीं, 22 कैरेट 46318, जबकि 18 कैरेट 37924 और 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 29581 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है। सोना-चांदी जिस रेट पर खुलते हैं, उससे कहीं अधिक दाम आपको देना पड़ता है। मसलन इसमें जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज तो जुड़ता ही है, साथ में ज्वेलर का मुनाफा भी ऐड होता है। ऐसे में आज आइए आपको बताते हैं कि जीएसटी औल ज्वेलर का एक अनुमानित मुनाफा जोड़ने के बाद आपको आईबीजेएद्वारा जारी रेट से कितना अधिक चुकाना पड़ता है...आज 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी यानी 1516 रुपये जोड़ने के बाद इसका रेट 52082 रुपये हो जा रहा है। वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 57291 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 58479 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 64327 रुपये में देगा। 23 कैरेट गोल्ड पर भी 3 फीसद जीएसटी और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 57062 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। जबकि, 22 कैरेट सोने का भाव तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 47707 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 52478 रुपये का पड़ेगा। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 3 फीसद जीएसटी के साथ 39061 रुपये प्रति 10 ग्राम होगी। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 42967 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव जीएसटी के साथ यह 30468 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 33515 रुपये का पड़ेगा।

शुरुआती कामकाज में रुपया मजबूत

डॉलर के मुकाबले 28 पैसे बढ़कर 79.25 पर पहुंचा

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा बाजार यानी फॉरेक्स मार्केट में आज शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत रहा। यह 28 पैसे मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 79.25 पर पहुंच गया। इसकी वजह डॉलर में गिरावट और विदेशी फंडों की आवक बढ़ना रही। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.30 पर खुला और फिर शुरुआती सौदों में 79.25 का स्तर छू गया। इस तरह इसमें सोमवार के बंद भाव की तुलना में 28 पैसे की बढ़त दर्ज की गई। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे बढ़कर 79.53 पर बंद हुआ था। उधर, वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा सौदों में 0.21 फीसदी गिरकर 93.80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स 292.69 अंक या 0.49 फीसदी की तेजी के साथ 60,407.82 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी 93.25 अंक या 0.52 फीसदी बढ़कर 18,029.60पर पहुंच गया। शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक खरीदार बने हुए हैं। सोमवार को उन्होंने 2,049 करोड़ करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीदी की।

देश की पहली प्राइवेट ट्रेन में सफर कर सकेंगे सरकारी कर्मी, ये कर्मचारी होंगे पात्र

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। देश की पहली प्राइवेट ट्रेन 'तेजस एक्सप्रेस' में अब केंद्रीय कर्मियों को सफर करने का मौका मिलेगा। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने इसे लेकर आदेश जारी कर दिए हैं। जिस तरह से सरकारी कर्मियों को 'शताब्दी' रेलगाड़ी में यात्रा करने का अवसर मिलता था, उसी तर्ज पर मंत्रालय ने केंद्रीय कर्मियों को 'तेजस एक्सप्रेस' में यात्रा करने की सुविधा प्रदान की है। हालांकि वित्त मंत्रालय द्वारा सरकारी कर्मियों के लिए यात्रा के कुछ नियम/शर्तें निर्धारित की गई हैं। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने 12 सितंबर को यह आदेश जारी किया है। तेजस एक्सप्रेस की शुरूआत 24 मई 2017 को हुई थी। पहले दिन यह गाड़ी मुंबई छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से गोवा करमाली के बीच चली थी। हालांकि देश की पहली प्राइवेट ट्रेन के तौर पर 'तेजस एक्सप्रेस' ने 4 अक्तूबर 2019 को रफ्तार पकड़ी थी। इस गाड़ी के किराये में उतार-चढ़ाव होता रहता है। कोरोना महामारी के दौरान यह ट्रेन लंबे समय तक बंद रही थी। इसे अक्तूबर 2020 में दोबारा से चलाने का फैसला लिया गया था। लखनऊ-नई दिल्ली और अहमदाबाद-मुंबई, इन दोनों रेलमार्गों पर तेजस एक्सप्रेस शुरू की गई। ऐसे सभी मामलों में केंद्रीय कर्मी, तेजस एक्सप्रेस में सफर कर सकते हैं। कार्यालय ज्ञापन के मुताबिक, सरकारी दौरे पर तेजस एक्सप्रेस रेलगाड़ी द्वारा यात्रा की स्वीकार्यता के मामले में वित्त विभाग में विचार किया गया है। 13 जुलाई 2017 के कार्यालय ज्ञापन के पैरा 2क (ii) में उल्लिखित गाड़ियों के अलावा तेजस एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में यात्रा करने की अनुमति दिए जाने का निर्णय लिया गया है। तेजस एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में यात्रा की हकदारी इस विभाग के 13 जुलाई 2017 के समसंख्यक कार्यालय ज्ञापन के पैरा 2क (ii) में यथा उलिखित शताब्दी रेलगाड़ियों के समान होगी। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने तेजस एक्सप्रेस में यात्रा करने वाले यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की हैं। यात्रियों को मुआवजा देना, इन्हीं सुविधाओं में से एक है।

एंटीबायोटिक्स, टीके और कैंसर रोधी दवाएं

एनएलईएम में नई सूची जारी

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। देश में जरूरी दवाएं सस्ती होने वाली हैं। दरअसल आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) में आइवरमेक्टिन, मुपिरोसिन, निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी जैसी कुछ संक्रमण रोधी दवाओं को भी जोड़ दिया गया है। इस सूची में अब 384 दवाएं शामिल हो गई हैं। वहीं 26 दवाओं को इस राष्ट्रीय सूची से हटा दिया गया है, जिनमें रैनिटिडिन, सुक्रालफेट, व्हाइट पेट्रोलेटम, एटेनोलोल और मेथिल्डोपा भी शामिल हैं। आवश्यक दवाओं की सूची में जुड़ने से कई एंटीबायोटिक्स, टीके और कैंसर रोधी दवाएं सस्ती हो जाएंगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को ताजा आवश्यक दवाओं की सूची जारी की। मंडाविया ने ट्वीट किया, 'आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची 2022 जारी की। इसमें 27 कैटगरी में 384 दवाएं शामिल हैं। कई एंटीबायोटिक्स, टीके, कैंसर रोधी दवाएं और कई अन्य आवश्यक दवाएं सस्ती हो जाएंगी और मरीजों के जेब खर्च को कम करेंगी। इस सूची में फ्लूड्रोकोरटिसोन, ऑरमेलॉक्सीफेन, इन्सुलिन ग्लेरजीन और टेनेलाइटिन जैसी अंतःस्त्रावी और गर्भनिरोधक दवाओं को भी जोड़ा गया है। इसके अलावा मॉन्टेलुकास्ट (श्वसन पथ के लिए दवा) और लैटानोप्रोस्ट (नेत्र रोग संबंधी दवा) का नाम भी सूची में शामिल किया गया है।

इसके अलवाा कार्डियोवैस्कुलर, डबीगट्रान और टेनेक्टेप्लेस को भी सूची में जगह दी गई है। दवाओं पर स्थायी राष्ट्रीय समिति के उपाध्यक्ष डॉ. वाई.के. गुप्ता ने कहा, ₹एनएलएम की सूची में आइवरमेक्टाइन, मेरोपेनेम, सेफुरोक्साइम, एमिकासिन, बेडाक्विलाइन, डेलामेनिड, इट्राकोनाजोल एबीसी डोलटेग्रेविर जैसी दवाओं को जोड़ा गया है।

हड़ताल के बाद बैकफुट पर लुफ्थांसा एयरलाइंस

पायलटों की वेतन वृद्धि पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी में पायलटों की लगातार हड़ताल के बाद लुफ्थांसा एयरलाइंस बैकफुट पर आ गई है। उसने पायलट यूनियन की मांगो को मानते हुए लुफ्थांसा और लुफ्थांसा कार्गो में अपने पायलटों को इस साल 5.5 प्रतिशत वेतन वृद्धि देने की घोषणा की है। पायलट यूनियन ने इस पर सहमति व्यक्त की है। इसके बाद पायलटों को दो चरणों में 490 यूरो के अपने मूल मासिक वेतन में यह बढ़ी हुई वृद्धि मिलेगी। अधिकारियों ने बताया, यह वेतन वृद्धि एक अगस्त 2022 से 1 अप्रैल 2023 तक प्रभावी होगी। समझौते के तहत पायलट 30 जून, 2023 तक हड़ताल पर नहीं जा सकेंगे, जिससे कि उड़ानें बाधित हों। बता दें, बीते दिनों लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलट हड़ताल पर चले गए थे, जिससे एयरलाइंस को काफी नुकसान उठाना पड़ा था।लुफ्तांसा एयरलाइंस के पायलटों द्वारा दो सितंबर को हड़ताल की गई थी। इससे जर्मनी के साथ-साथ कई देशों की उड़ानों पर फर्क पड़ा था। दिल्ली एयरपोर्ट पर भी करीब 900 यात्री इससे प्रभावित हुए थे और जबरदस्त हंगामा किया था। पायलटों की इस हड़ताल के कारण बीते दिनों लुफ्थांसा एयरलाइंस को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

शाह के दौरे के बाद राजस्थान बीजेपी में गुटबाजी तेज

पूनिया की पदयात्रा में नहीं आए शेखावत-चौधरी, नेता बोले-हमें जानकारी नहीं

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के राजस्थान दौरे के बाद बीजेपी में फिर गुटबाजी बढ़ गई है। प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया की ओर से पहले रद्द की गई पोकरण से रामदेवरा की पदयात्रा अचानक रविवार को अकेले ही करने से इसे पार्टी नेताओं में दरार और बढ़ने से जोड़कर देखा जा रहा है। इसे राजस्थान बीजेपी में सीएम फेस के लिए चल रही खींचतान का नतीजा माना जा रहा है।

शाह ने जोधपुर में साफ संदेश दिया कि PM मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा जाएगा। साथ ही राजस्थान में पार्टी नेताओं से एकजुटता का मैसेज मंच से दिलवाया। उन्होंने पूनिया के प्रदेशाध्यक्ष के तौर पर अब तक के कार्यकाल की तारीफ भी की। पूर्व सीएम राजे के पिछले दो कार्यकाल की योजनाओं की सराहना की। केंद्रीय मंत्री शेखावत को भी अपना मित्र बताते हुए उनके कामों की भी प्रशंसा की। साथ ही प्रदेश की गहलोत सरकार को लॉ एंड ऑर्डर, गवर्नेंस, किसान कर्जमाफी जैसे मुद्दों पर जमकर घेरा।

लेकिन पार्टी प्रदेशाध्यक्ष के 'एकला चलो' की तर्ज पर निकाली गई पदयात्रा पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इससे पहले 6 सितंबर को पूनिया की यह पदयात्रा केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कैलाश चौधरी के साथ प्रस्तावित थी। वह दोनों भी रविवार को पूनिया

के साथ नहीं आए।

पदयात्रा से पहले जोधपुर एयरपोर्ट और सांसद पीपी चौधरी के निवास पर ये नेता साथ रहे इससे पहले जोधपुर में पाली सांसद पीपी चौधरी के निवास पर तमाम बीजेपी नेताओं ने चाय पर चर्चा की थी। पूनिया ने रविवार सुबह जोधपुर एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को सी-ऑफ भी किया।

इस दौरान उनके साथ प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, सांसद राजेंद्र गहलोत, पीपी चौधरी, सीपी जोशी मौजूद रहे।

लेकिन पदयात्रा में ये नेता कहीं दिखाई नहीं दिए, क्योंकि पदयात्रा अचानक फिर से तय हुई। अबकी बार किसी नेता को जानकारी नहीं दी गई। यहां तक कि नेता प्रतिपक्ष गुलाबचन्द कटारिया, प्रभारी अरुण सिंह ने भी कार्यक्रम से दूरी बनाकर रखी।

इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर निकालनी पड़ी रामदेवरा पदयात्रा सूत्रों के मुताबिक एक कद्दावर और सीनियर पार्टी लीडर ने दिल्ली में पार्टी हाईकमान से उन्हें और पार्टी के अन्य नेताओं को आमंत्रित नहीं किए जाने की शिकायत कर दी। इसके बाद वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किए बिना पार्टी के बैनर पर इस तरह की धार्मिक पदयात्रा को स्थगित करने को कह दिया।

पूनिया ने इस पदयात्रा को व्यक्तिगत धार्मिक पदयात्रा के तौर पर निकालकर ट्वीट कर मैसेज दे दिया- 'सफर में धूप तो होगी, जो चल सको चलो। सभी हैं भीड़ में, तुम भी निकल सको तो चलो। किसी के वास्ते राहें कहां बदलती है। तुम अपने आप को खुद ही बदल सको तो चलो।'

ईश्वर कुछ ना कुछ नीति और नीयत से करता है, आशीर्वाद और हुकुम देता है

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा- हम लोकदेवताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता और आस्था रखते हैं। कोई ना कोई हमारी अपनी इस तरह की मन्नत होती है कि हम बाबा के दर पर शीश नवाते हैं। बहुत अरसे से मन में था। मेरी धार्मिक यात्रा तय होने के बाद अमित शाह का कार्यक्रम तय हो गया था।

बूथ सम्मेलन से अच्छा सकारात्मक संदेश गया। हम राजनीति के व्यक्ति हैं, समाज के लिए समर्पित और उत्तरदायी हैं। प्रदेश में खुशहाली रहे। मेरी पार्टी के परिवार के लोग स्वस्थ और खुश रहें। राजनीतिक तौर पर 2023 और 2024 के लिए हमारी पार्टी डेडिकेटेड है।

हिन्दूधर्म महासभा 20 को जयपुर में

निश्चलानन्द सरस्वती महाराज की गोविंददेव जी मंदिर में होगी धर्मसभा

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में 20 सितम्बर को हिन्दूराष्ट्र संगोष्ठी और धर्मसभा का आयोजन होने जा रहा है। इस धर्मसभा को श्री गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर श्रीमज्जद गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चला नन्द सरस्वती महाराज संबोधित करेंगे। जयपुर के गोविंद देवजी मंदिर सभागार में 20 सितंबर को शाम 5 बजे होगी। इस दौरान महाराज 3 दिवसीय प्रवास पर जयपुर रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन आदित्य वाहिनी, धर्मसंघ, पीठपरिषद और आनन्द वाहिनी की ओर से किया जा रहा है।आदित्य वाहिनी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि महाराज के सानिध्य में राष्ट्रोउत्कर्ष अभियान यात्रा के अंतर्गत हिंदू राष्ट्र संगोष्ठी आयोजित होगी। इसके लिए महाराज 19 सितम्बर को नागौर से जयपुर पहुंचेंगे, जिनका सुबह 4 बजे जयपुर रेलवे स्टेशन पर हजारों श्रद्धालुओं की ओर से आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 19 सितम्बर शाम 5 बजे पत्रकार कॉलोनी रोड मानसरोवर में बने माहेश्वरी समाज के जनोपयोगी भवन पर पादुका पूजन व गोष्ठी होगी। इसके बाद अगले दिन 20 सितम्बर को विशाल धर्मसभा शाम 5 बजे ठिकाना श्री गोविंददेव जी मंदिर सभागृह में आयोजित की जाएगी। 21 सितम्बर को पादुका पूजन, गोष्ठी, दीक्षा और विदाई अभिनंदन कार्यक्रम होगा।

जयपुर में सरकार के खिलाफ बेरोजगारों ने खोला मोर्चा

उपेन बोले - मांग पूरी नहीं हुई तो 2 अक्टूबर से गुजरात में निकालेंगे दांडी मार्च

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती परीक्षा के रिजल्ट को लेकर विरोध बढ़ने लगा है। भर्ती परीक्षा में शामिल प्रदेशभर के अभ्यर्थियों ने सरकार के खिलाफ जयपुर के शहीद स्मारक पर प्रदर्शन किया। भर्ती परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों ने बताया कि भर्ती परीक्षा का पेपर नेट और गेट के स्तर का था। जिसकी वजह से कुल पदों के बराबर अभ्यर्थी भी 40% अंक हासिल नहीं कर पाए। ऐसे में कटऑफ में शिथिलता दी जानी चाहिए। लेकिन अगर सरकार ने हमारी मांग पूरी नहीं की। तो हम कांग्रेस के खिलाफ गुजरात विधानसभा चुनाव में प्रचार करेंगे। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि सरकार तानाशाही कर रही है। जब भर्ती परीक्षा 10,157 पदों पर निकाली गई थी। तो फिर ढाई हजार से ज्यादा पदों को खाली क्यों रखा जा रहा है। ऐसे में अगर 1 अक्टूबर तक हमारी मांग पूरी नहीं की। तो प्रदेशभर के बेरोजगार 2 अक्टूबर से गुजरात के पालनपुर कांग्रेस कार्यालय अहमदाबाद तक 150 किलोमीटर पैदल दांडी यात्रा निकाल कर कांग्रेस की कथनी और करनी के अंतर को गुजरात के युवाओं को भी बताएगें।

बेरोजगारों की प्रमुख 3 मांग

कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती में रिक्त रहे पदों पर 40% की बाध्यता में शिथिलता देकर जल्द एक और सूची जारी की जाए।

कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन का शेड्यूलजारी कर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जाए ।

ओबीसी-ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र की वजह से किसी भी अभ्यर्थी को कंप्यूटर अनुदेशक, वीडीओ भर्ती से बाहर नहीं किया जाए।

वहीं, अभ्यर्थियों के विरोध के साथ ही कर्मचारी चयन बोर्ड भी हरकत में आ गया है।

खाचरियावास बोले- मंत्री तो खुद सरकार हैं

कहा- बाड़मेर प्रशासन ठीक काम नहीं कर रहा तो हेमाराम किससे कह रहे हैं, वे खुद सक्षम

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। वन मंत्री हेमाराम चौधरी के खनन मामले को लेकर बाड़मेर प्रशासन पर सवाल उठाने के बाद सियासत तेज हो गई है। वन मंत्री के बयान पर अब खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने हर मंत्री को सरकार बताते हुए बचाव किया है।

प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- हेमाराम चौधरी को लगता है कि बाड़मेर प्रशासन ठीक ढंग से काम नहीं कर रहा है तो वे किससे कह रहे हैं, वे खुद सक्षम हैं, मंत्री तो खुद सरकार हैं। सरकार के मंत्री कमजोर नहीं हैं, अफसर गलती कर रहा है तो सख्त कार्रवाई होगी। बजरी के नाम पर कोई माफिया गड़बडी कर रहा है तो सख्त कार्रवाई करेंगे।

खाचरियावासने कहा- विधायकों-मंत्रियों को जनता ने चुनकर भेजा है। हम सबको जनता ने अधिकार दिए हैं। हम लोग मंत्री हैं उन्हें तो अलग से पावर है।

हेमाराम चौधरी हमारे बडे भाई हैं, उन्हें लगता है कि बाड़मेर प्रशासन ठीक से काम नहीं कर रहा है तो आप खुद सक्षम हैं, आप किससे कह रहे हैं, आप खुद मीटिंग बुलाइए। सारे अफसरों को बुलाकर डारयेक्शन दीजिए। आपका अधिकार है,आप प्रभारी मंत्री को साथ लेकर चर्चा कीजिए। कहीं सुधार की जरूरत है तो मुख्यमंत्री से अकेले में बात करके समाधान करना चाहिए। उन्हें कोई दिक्कत है तो

कलेक्टर एसपी को डायरेक्शन दे सकते हैं। वहां प्रशासन की बैठक बुलाकर वे निर्देश दे सकते हैं,मंत्री का तो अपना पावर है।

अफसरों पर कई मंत्री सवाल उठा चुके

स्थानीय प्रशासन और विभागों के कामकाज को लेकर पहले भी कई विधायक और मंत्री पहले भी सवाल उठा चुके हैं। बाड़मेर में बजरी खनन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। अवैध बजरी खनन कई जिलों में बड़ा विवाद बना हुआ है।वन मंत्री हेमाराम चौधरी के सवाल उठाने के बाद कई तरह की चर्चाएं हैं।

हेमाराम चौधरी ने कहा था- बजरी के नाम पर लूट बर्दाश्त नहीं करूंगा, मेरे लिए जनता पहले सरकार बाद में

वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने रविवार को बाड़मेर में कहा था कि बजरी के नाम पर लूट बर्दाश्त नहीं करूंगा। मेरे लिए जनता पहले है, सरकार बाद में। मैंने खनन मंत्री प्रमोद जैन भाया को फोन करके बता दिया है। आने वाले दिनों में अगर बजरी खनन की लूट को नहीं रोका गया तो मैं जनता के साथ खड़ा रहूंगा। बजरी 550 रुपए टन से ज्यादा भाव में बेची जा रही है। रॉयल्टी पर्ची 40 रुपए के आसपास काटी जा रही है। खनन माफिया राजस्व का नुकसान तो कर ही रहे हैं, जनता को भी लूट रहे हैं।

10 साल की बच्ची और पिता-चाचा को कुचला

स्कूल से बाइक पर घर जा रहे थे तीनों; सीने, हाथ-पैर पर चढ़कर निकला टैंकर

जोधपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। स्कूल से बेटी को लेकर घर लौट रहे पिता-चाचा को टैंकर ने कुचल दिया। हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई। चाचा ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। झकझोर देने वाला रहा कि दम तोड़ने तक पिता बेटी का हाथ पकड़े हुए था। घटना मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे जोधपुर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना इलाके में पाल बाइपास पर हुई।

जानकारी के मुताबिक पाल गांव के खड़की निवासी जोराराम (30) अपने छोटे भाई अर्जुन (25) के साथ अपनी 10 साल की बेटी मनीषा को स्कूल लेने गया था। स्कूल की छुट्टी के बाद तीनों एक ही बाइक पर घर की तरफ लौट रहे थे। इसी दौरान पाल बाइपास पर सामने से आ रहे टैंकर ने जैसे ही टर्न लिया तो बाइक को टक्कर मार दी। बाइक टकराते ही तीनों टायर के नीचे आ गए। टैंकर उनके सीने, हाथ-पैर पर चढ़कर तरफ निकल गया। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

हादसा इतना दर्दनाक था कि टैंकर का टायर उनके सीने और हाथ-पैर को रौंदते हुए निकल गया। बाप- बेटी ने वहीं दम तोड़ दिया, जबकि वहां मौजूद लोगों ने बच्ची के चाचा अर्जुन को अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। इसके बाद दुर्घटना से गुस्साए लोगों ने बाइपास जाम कर लिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझा-बुझाकर किसी तरह से जाम खुलवाया।

जोराराम सेनेट्री का काम करता है। बेटी पाल गांव के रवि नगर के एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ती थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेल से भरा टैंकर जैसलमेर रोड की तरफ से आ रहा था। बाड़मेर की तरफ वह टर्न ले रहा था तभी जोराराम ने पाल रोड की तरफ टर्न लिया। टर्न लेते ही बाइक टैंकर के पिछले टायर से टकरा गई और तीनों टायर के नीचे आ गए।

गहलोत जिंदाबाद का नारा नहीं लगाया तो उठा लेगी पुलिस

राजीव गांधी अमर रहे भी बोलना होगा; राजस्थान के सीएम के सलाहकार की धमकी

जयपुर/दूदू, 13 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार और निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर ने लोगों को धमकाते हुए कहा- 'यहां किसी को नारा लगाना है तो केवल राजीव गांधी अमर रहे और अशोक गहलोत जिंदाबाद का ही नारा लगाना है।' अगर किसी ने इन दो के अलावा तीसरा नारा लगाया तो पुलिस उठा ले जाएगी। बंद कर देगी और केस लग जाएगा। बाद में मुझे मत कहना।

नागर मंगलवार को जयपुर से करीब 60 किमी दूर दूदू की जिस सभा में जनता को धमका रहे थे, वह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सभा थी। मुख्यमंत्री के आने से कुछ देर पहले ही नागर जनता को धमका रहे थे। दूदू में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ब्लॉक स्तरीय ग्रामीण ओलिंपिक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करने के साथ कई विकास के कामों का लोकार्पण-शिलान्यास किया।

नागर ने लोगों से कहा- कोई किसी के नारे नहीं लगाएंगे, दो नारे मैंने बताए हैं। राजीव गांधी अमर रहे, अशोक गहलोत जिंदाबाद, तीसरा कोई किसी का नारा नहीं लगाएगा। तीसरा नारा

लगाना है तो उठकर जा सकता है। फिर मुझे दोष मत देना। केवल आपको ताली बजानी है बस। नारे केवल दो ही लगेंगे।

नागर ने आगे लोगों को नसीहत देते हुए कहा- आपके ब्लॉकों में कोई न्यूसेंस करें, तो इशारा करो तत्काल। कई बार पड़ोसी न्यूसेंस कर दे तो जिसने गलती नहीं की वह लपेटे में आ जाता है। पिछले 24 साल का इतिहास है, मेरे किसी कार्यक्रम में अनुशासनहीनता नहीं हुई और न मैं इसे बर्दाश्त करता हूं।

बाबूलाल नागर सीएम अशोक गहलोत के शुरू से नजदीकी रहे हैं। नागर गहलोत की पिछली सरकार में खाद्य मंत्री थे। एक महिला ने उन पर रेप का आरोप लगाया था, जिसके बाद वे जेल गए थे। बाद में उन्हें बरी कर दिया गया था। 2018 के विधानसभा चुनाव में नागर को कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया था तो वे बागी होकर निर्दलीय लड़े और जीते। विधानसभा चुनाव से पहले हुई सभा में उस समय संगठन महासचिव अशोक गहलोत ने जनता से नागर को जितवाने की अपील की थी। नागर कांग्रेस की टिकट पर दूदू से तीन बार विधायक रह चुके हैं।

दूदू में सचिन पायलट समर्थकों की अच्छी संख्या है। नागर को पायलट समर्थकों की नारेबाजी का डर था। इसलिए पहले से ही अच्छी तरह पड़ताल करने के अलावा जनता को भी दूसरे नेता के पक्ष में नारेबाजी नहीं करने के लिए पुलिस से उठवाने तक की धमकी दे डाली। सोमवार को पुष्कर में मंत्री अशोक चांदना के भाषण के दौरान जूते उछाले जाने की घटना के बाद सभा में खास एहतियात बरती गई। नागर ने खुलेआम पुलिस से उठवाने की ही धमकी दे दी।

राजस्थान में जोरदार बारिश का अलर्ट

तीन दिन 10 से ज्यादा जिलों में होगी बरसात

मानसून सितंबर में भी तोड़ सकता है रिकॉर्ड

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अच्छी बारिश का दौर एक बार फिर शुरू हो सकता है। बीते 48 घंटे में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हुई। इससे तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट रही है। तेज गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली है।

अब मानसून दोबारा से जोर पकड़ेगा। बारिश का यह दौर 15 सितंबर या उससे बाद तक जारी रह सकता है। वैसे तो राजस्थान से मानसून की विदाई 15 सितंबर के बाद से होती है, लेकिन इस बार यह कुछ लेट तक सक्रिय रह सकता है।

उधर, मौसम विभाग की रिपोर्ट देखें तो पिछले 24 घंटे में दक्षिणी राजस्थान के बांसवाड़ा, डूंगरपुर के अलावा पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जालोर, बीकानेर और बाड़मेर जिले के कई इलाकों में बरसात हुई। सबसे ज्यादा बारिश जोधपुर के बालेसर में 44मिमी हुई।

प्रदेश में पिछले 2 दिन से हो

रही हल्की बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है। चूरू में शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस था, वह गिरकर 37.4 डिग्री पर पहुंच गया।

राजस्थान में मानसून के दौरान 1 जून से 8 सितंबर तक कुल 546.3 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। जबकि सामान्य तौर पर 402.5 मिलीमीटर बारिश होती है।

पश्चिमी राजस्थान में 427.9 मिलीमीटर बारिश हुई है। जबकि सामान्य बारिश 262.7 मिलीमीटर होती है। पश्चिम राजस्थान में 63 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है।

इससे पहले 1944 में जून, जुलाई और अगस्त महीने के दौरान प्रदेश में कुल 611 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई थी। माना जा रहा है कि सितम्बर महीने में 78 साल पुराना 1944 का सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड टूट सकता है।

जयपुर मौसम केंद्र ने मंगलवार को बाड़मेर, जैसलमेर, सिरोही, जोधपुर, पाली, उदयपुर और डूंगरपुर जिलों और उनके आसपास के क्षेत्रों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की से तेज बारिश होने की संभावना जताई है।

इसी तरह 14 सितंबर को बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़ और सवाई माधोपुर जिलों में अच्छी बारिश होने का अनुमान जताया है।

वहीं 15 सितंबर को बारां, भरतपुर, बूंदी, धौलपुर, झालावाड़, करौली और सवाई माधोपुर जिले में अच्छी बारिश होने की संभावना जताई है।

जयपुर में परिचित युवक ने नाबालिग से किया रेप

नहाते समय खींची अश्लील फोटोज, ब्लैकमेल कर 4 सालों तक करता रहा दुष्कर्म

जयपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में परिचित युवक के नाबालिग से रेप करने का मामला सामने आया है। परिचित युवक ने नहाते समय बनाए अश्लील फोटो से ब्लैकमेल किया। अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर चार साल तक दुष्कर्म करता रहा। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी तक दी। कानोता थाने में पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच SHO अरुण कुमार कर रहे है।

पुलिस ने बताया कि कानोता निवासी एक व्यक्ति ने सोमवार को रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसकी 16 साल की बेटी से परिचित कैलाश ने रेप किया। सितम्बर 2018 में उसकी मां की डेथ हो गई थी। मां की मौत होने पर कैलाश का घर पर आना-जाना लगा रहता था। इस दौरान मौका पाकर आरोपी ने नहाते समय नाबालिग बेटी के अश्लील फोटो मोबाइल में खींच लिए। मोबाइल में खींच अश्लील फोटो को नाबालिग बेटी को दिखाकर रेप किया।

ओबीसी आरक्षण में कमियों को दूर करने की मांग

आम सभा के बाद निकाली रैली, सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

नागौर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। ओबीसी आरक्षण में विसंगतियों को दूर करने की मांग की जा रही है। इसको लेकर सर्व ओबीसी महासभा की ओर से मंगलवार को नागौर में रैली निकाली गई। इससे पहले हजारों की संख्या में समाज के लोग पशु प्रदर्शनी मेला स्थल पर शामिल हो गए थे। रैली से पहले आम सभा का आयोजन किया गया। ओबीसी आरक्षण सर्व समाज महासभा संघर्ष समिति के अर्जुन राम लोमरोड ने बताया नागौर जिले के हजारों युवाओं को हक दिलवाने की मांग को लेकर रैली निकाली गई। आम सभा में आरक्षण में विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर बायतु विधायक हरीश चौधरी सहित जिले के विधायक पूर्व विधायक प्रधान सहित कई जनप्रतिनिधियों ने संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि आरक्षण में विसंगतियों की वजह से समाज के युवाओं को नुकसान हो रहा है। सभा में संघर्ष समिति के अर्जुनर राम ने बताया कि ओबीसी आरक्षण में 2018 में किए गए संशोधन के खिलाफ युवाओं में आक्रोश हैं। राजस्थान में कार्मिक विभाग ने ओबीसी आरक्षण में संशोधन करते हुए 17 अप्रैल 2018 को एक आदेश जारी किया था। जिसमें भूतपूर्व सैनिकों को मिल रहे 12.5 फीसदी आरक्षण को समाप्त कर दिया गया था और भूतपूर्व सैनिकों को ओबीसी वर्ग के 21 प्रतिशत आरक्षण में शामिल कर दिया गया था।

हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हिन्दी के बिना राष्ट्रीयता असम्भव

विगत कई दशाब्दियों से हिन्दी दिवस मनाने की परम्परा के अनुसार इस वर्ष भी इस दिवस पर निश्चित रूप से एक आयोजन कर हम अपने कर्तव्य की पूर्ति कर आगामी वर्ष की प्रतीक्षा में सो जायेंगे। अब तक ऐसा ही होता आया, प्रगति अथवा वास्तविक उद्देश्य पूर्ति में सर्वधा विफल रहे हैं।

क्या हिन्दी दिवस पर ही राष्ट्रभाषा का स्मरण करना हमारा ध्येय अथवा लक्ष्य है? मात्र इस दिन कोई आयोजन कर अपने कर्तव्य की इतिश्री करने से ही हम राष्ट्रभाषा के हितैषी होने का गर्व कर सकते हैं? यह एक भ्रान्ति है और इसी भ्रान्ति के कारण राष्ट्रभाषा की दुर्गति हो रही है। भारतीय संविधान की धारा 343 स्पष्ट रूप से कहा गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। संघ के राजकीय प्रायोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंगों का रूप भारतीय अंकों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप होगा। लेकिन, दुर्भाग्य है कि इसे क्रियान्वित करने वाले सत्ताधारी छह दशकों से मैकाले के मानस पुत्र बने हुए हिन्दी के प्रति सौतेला आचरण अपनाए है हुए हैं।

रमेश कुमार बंग
चेयरमैन व ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव बैंक लि.

भारतेन्दु हरिशचन्द्र ने कहा था 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल'। यह इसलिए कि भाषा सामाजिक जीवन का अपरिहार्य अंग है। इसके बिना समाज की कल्पना करना ही सम्भव नहीं। अतएव समाज और उसकी भाषा का परस्पर ऐसा अटूट सम्बन्ध हैं जैसा भूख और भोजन का तथा प्यास और पानी का। जैसे भोजन के बिना भूख शान्त नहीं होगी, पानी के बिना प्यास शान्त नहीं होगी वैसे ही अपनी भाषा के बिना मानव की मानसिक भूख शान्त नहीं होती, हृदय की प्यास नहीं बुझती।

निज भाषा की उन्नति समाज की उन्नति है और अवनति समाज की अवनति और पराधीनता का प्रमाण है। निज भाषा जननी तुल्य है। उसके बिना ज्ञान-विज्ञान में दक्षता, चिन्तन मनन में कुशलता और सृजन कार्य का अभ्यास ही संभव नहीं। आज वस्तुस्थिति यह है कि जहाँ हिन्दी है, वहीं सही अर्थ में भारतीय राष्ट्रीयता है और जहाँ हिन्दी नहीं है, वहाँ क्षेत्रीयता के विषाक्त कोषिकाओं ने अपनी जड़ें जमा ली हैं।

गाँधीजी ने 25 अगस्त 1946 को हरिजन में लिखा था कि मेरी मातृभाषा में कितनी ही खामियाँ क्यों न हों, मैं उससे उसी तरह चिपटा रहूँगा जिस तरह नन्हें बच्चें अपनी माँ की छाती से। माँ से शुद्ध दूध मिलता है, जो जीवनदायी है। बिना इस शुद्ध दूध के हमारी उन्नति असम्भव है। जब तक हिन्दी को व्यावहारिक रूप से राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा का दर्जा नहीं मिल पाता, तब तक देश की एकता खतरे में रहेगी और हमारा उद्धार कभी नहीं हो सकेगा। हम विदेशी भाषा के जुए के नीचे दबे रहेंगे। हमारी मानसिकता अंग्रेजी स्कूलों तथा अंग्रेजी पुस्तकों के अन्दर गिरवी हो गई है। अतः यह अत्यन्त आवश्यक है कि राष्ट्र के कर्ता-धर्ता (सत्ताधारी) अपने निजी स्वार्थों को त्याग कर इस तथ्य को भतिभाँति समझें कि हिन्दी के बिना न तो राष्ट्रीयता उभरेगी, न ही राष्ट्रीय एकता सम्भव है और ना श्रेष्ठ भारत की कल्पना सम्भव है।

हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
स्थापना: सन् 1935 ई. अमृत महोत्सव वर्ष 2011.
हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद
एवं प्रादेशिक सभाएँ
* आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद * महाराष्ट्र हिंदी प्रचार सभा, औरंगाबाद
* कर्नाटक हिंदी प्रचार सभा, गुलबर्गा * तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद
द्वारा संचालित
नागरीबोध, प्रवेश, प्रथमा, मध्यमा, उत्तमा
केंद्रीय सरकार द्वारा एस. एस. सी., इण्टर तथा बी.ए. हिंदी के समकक्ष मान्यता प्राप्त हिंदी विशारद, हिंदी भूषण एवं हिंदी विद्वान की परीक्षाओं में सम्मिलित होकर राजभाषा हिंदी का ज्ञान बढाइए।

प्रो. चंद्रदेव, अध्यक्ष | जे. प्रेम कुमार, प्रधानमंत्री | प्रो. सुरेश पुरी, परीक्षा मंत्री
स्टेशन रोड़, नामपल्ली, हैदराबाद -500001
फोन नंबर : 040-23201956, 040-23201965
ईमेल: hps1935@gmail.com

हिन्दी प्रेमियों को हिन्दी दिवस पर हार्दिक बधाई
मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद दक्षिण भारत का गौरवशाली प्रकाशन
मिलिन्द प्रकाशन
(हिन्दी प्रकाशन एवं पुस्तक विक्रेता)
(दक्षिण भारत में 150 हिन्दी प्रकाशकों के प्रमुख विक्रेता)
4-3-178/2, सुल्तान बाजार, हैदराबाद - 500 095
हिन्दी में उत्तम साहित्य हेतु हमारे यहाँ पधारें या फोन पर सम्पर्क करें.
फोन : 24753737, मो. 9391052988

HINDI MAHAVIDYALAYA
(Autonomous & NAAC Re-accredited)
(Arts, Commerce, Management, Science and PG centre)
Affiliated to Osmania University: Nallakunta, Hyderabad-500044
Email: info@hindimahavidyalaya.org : Phone: 040-27616330
COMMITED TOWARDS PROFESSIONAL EXCELLENCE IN EDUCATION SINCE 1961
PROGRAMMES
UG ENGLISH MEDIUM:
B.Com (Computer Applications)
B.B.A (Bachelor of Business Administration)
B.B.A (Business Anyalytics)
B.Sc. (Mathematics, Statistics, Computer Science)
B.Sc. (Mathematics, Physics, Computer Science)
B.Sc. (Mathematics, Physics, Chemistry)
B.Sc.(Biotechnology, Microbiology, Chemistry)
B.Sc. (Biochemistry, Microbiology, Chemistry)
B.Voc (Bachelor of Vocational Programmes) :
B.Voc (Banking and Insurance)
B.Voc (Hospitality & Tourism Administration)
B.Voc (Practical Accounting & Taxation)
PG ENGLISH MEDIUM:
M.Com. M.Sc. (Applied Statistics)
M.Sc.(Mathematics)
HINDI MEDIUM: Inter (CEC)
B.A.(History, Hindi(ML), Political Science)
B.Com (General), M.A. (Hindi)
PROGRAMME HIGHLIGHTS
- Excellent infrastructure
- Qualified and experienced faculty
- Adopting best practices in teaching and learning
- Campus recruitment training and placement services
- Indoor & Outdoor Sports Facility
- Best mentoring and counseling systems
- special focus on NCC and NSS
- Well equipped labs and library
- Hostel facility for girls & boys
- Scholarship for Meritorious and deserving candidates.
- well connected with all modes of transport
Join today for bright future.....
FURTHER DETAILS & ADMISSIONS
CONTACT
040-27616330
Email: info@hindimahavidyalaya.org

भाकृअनुप - केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture (CRIDA)
संतोषनगर/Santoshnagar, हैदराबाद/Hyderabad - 500 059, फोन/Phone : 040-24530177 (Office), 040-24530157, 61, 63 (PABX) फैक्स/Fax : 040-24531802
ई-मेल/E-mail : director.crida@icar.gov.in वेबसाइट/Website : www.crida.in
की ओर से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जलवायु समुत्थान कृषि
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप) ने उन्नत उत्पादन एवं जोखिम प्रबंधन तकनीकों के विकास एवं प्रयोग के माध्यम से भारतीय कृषि के समुत्थान में वृद्धि के लिए वर्ष 2011 के दौरान राष्ट्रीय जलवायु समुत्थान कृषि में नवप्रवर्तन (निक्रा-एनआईसीआरए) नामक परियोजना आरंभ की । भाकृअनुप-केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआरआईडीए-क्रीडा), हैदराबाद इस परियोजना के नोडल सेंटर के रूप में कार्य कर रहा है।
जलवायु परिवर्तन पर कृषि की जोखिम एवं संवेदनशीलता के मूल्यांकन पर अध्ययन दर्शाते हैं कि 573 जिलों में से 109 अति उच्च जोखिम संभावित हैं और 201 उच्च संभावित हैं । इसे विभिन्न हितधारकों द्वारा जलवायु परिवर्तन के स्रोतों पर प्राथमिकता देने के लिए उपयोग किया जाता है।
सूखा, तापमान, खारा, जलमग्न एवं देश के विभिन्न भागों के लिए योग्य दबाव सहिष्णुता के लिए पहचाने गए डोनर्स हेतु जलवायु समुत्थान फसल किस्मों की प्रजातियां विकसित की गई हैं।
देश में जलवायु जनित कीटों एवं रोगों का अध्ययन किया गया, जिससे फसल एवं पशु-पालन में पूर्वानुमान मॉडलों का निर्माण किया जा सके। कीटों के पूर्वानुमान के लिए मोबाइल एप्स को विकसित करनोपरांत गूगल के माध्यम से प्रयोग (एसेस) करने हेतु उपलब्ध कराया गया है।
भागीदारी तकनीकी विकास निक्रा परियोजना का एक विशिष्ट गुण है। 2,35,874 हैक्टर भूमि पर 446 गांवों के 2,13,421 घरों को शामिल करते हुए 151 केंद्रों द्वारा जोखिम मूल्यांकन एवं अनुकूलन तकनीकियों का लाभ किसानों तक पहुंचाया गया है। स्थान विशेष समुत्थान तकनीकियों को बड़े पैमाने पर प्रदर्शित किया गया, जिससे कि जलवायु संवेदनशीलता की समस्या का निदान किया जा सके।
नवप्रवर्तन संस्थागत हस्तक्षेपों को निक्रा गांवों में कार्यान्वित किया गया है, जैसे कि समय पर कृषि कार्यों का परिचालन एवं लघु किसानों को मशीनरी, बीज एवं चारा उत्पादन प्रणाली उपलब्ध कराने हेतु कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना की गई है ताकि ग्राम स्तर पर उन्नत गुणवत्ता वाले बीजों की पहुंच एवं उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।
प्रस्तावित सेवाएँ
केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान ने अंतर विषयक संरचना के साथ-साथ कृषि भागीदारी अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया है। संस्थान के संसाधनों का अधिकतर हिस्सा इन आउटरीच प्रोग्रामों पर समर्पित है।
संस्थान में 60 बहु-विषयक वैज्ञानिकों की एक मजबूत टीम है, जो निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है:-
- वर्षा आधारित कृषि तथा जलवायु समुत्थान कृषि में क्षमता निर्माण।
- परामर्श सेवाएं।
- अनुबंध अनुसंधान (कॉन्ट्रेक्ट रिसर्च)।
- मृदा एवं पादप नमुनों से पोषक तत्वों की पहचान में अनुबंध सेवाएं।

सर्वे भवन्तु सुखिनः | मानव सेवा-माधव सेवा
अग्रवाल समाज (रजि.) तेलंगाना
301, तीसरा माला, राघव रत्ना टॉवर्स, चिराग अली लेन, आबिड्स, हैदराबाद
Email : agarwalsamajtelangana.gmail.com Website : www.agarwalsamajtelangana.com
ira IRA Realty Tech Pvt. Ltd.
अग्रसेन जयंती महोत्सव 2022
शनिवार 10 सितम्बर से सोमवार 26 सितम्बर 2022
MPL ट्रेजर हंट कार रैली रविवार दि.18-9-2022
महाराजा श्री अग्रसेन जी की अखण्ड ज्योत रथ यात्रा दि. 11 से 26 सितम्बर 2022
अग्र महिला रजत जयन्ती उत्सव गुरुवार दि. 22 सितम्बर 2022
महाराजा श्री अग्रसेन जी जयन्ती समारोह सोमवार दि. 26 सितम्बर 2022 - सुबह श्री अग्रसेन चौक, बंजारा हिल्स, हैदराबाद
RANGTAALI NAVRATRI MAHOTSAV 27 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2022 तक - क्लासिक कनवेंशन 3, शमशाबाद
महाराजा श्री अग्रसेनजी जयन्ती उत्सव - प्रमुख कार्यक्रम सोमवार दि.26-09-2022, क्लासिक कनवेंशन 3, शमशाबाद
DRS International School — DRS SILVER LUCKY DRAW सोमवार दि.26-09-2022, क्लासिक कनवेंशन 3, शमशाबाद
MPL STEEL PIPES Issi par hai bharosa
Theme MYTHOLOGY
Treasure hunt 2022
NEW FORMAT MORE EXCITING MORE CHALLENGING
Free Entry For Vintage Car
Co-Sponsored By : Chhota Bheem, dinterio furniture koncepts, The Bedford, Lite Gold Refined Sunflower Oil, Mickey, RH Readymade Holidayz, AGRA Mithaiwala, Official Photography Click Magik
Starting Point : Pitstop, Necklace Road
DATE: 18th September 2022
REPORTING TIME : 9.00 AM
FLAG OFF TIME 9.30 AM
THEME MYTHOLOGY
Sumptuous Lunch & Exciting Prizes
1st Prize 21000/-
2nd Prize 11000/-
3rd Prize 7000/-
Best Decorated Car
1st Prize 5000/-
2nd Prize 3000/-
Best Dressed Team
1st Prize 5000/-
2nd Prize 3000/-
Best Nari Shakti Car 5000/-
Best Yuva Shakti Car 5000/-
Entry Fee : Rs 3000/- Upto 4 Participants Per Car
REGISTER IMMEDIATELY
CONTACT FOR REGISTRATION : Vitesh Dochania - 9246366552 | Sandesh Agarwal - 9849766671
Ashish Dochania - 9849118900 | Naveen Agarwal - 9849014311 | Lokesh Sanghai - 8686910613 | Kanchan Agarwal - 9246533060
Agrasen Jayanti Convenors: Manish Agarwal, Purshottam Agarwal, Naveen Kumar Agarwal, Ashish Dochaniya, Suryakamal Gupta
Co-Ordinators: Ritesh Jignani, Achal Gupta, Jaideep Gupta, Pankaj Mittal, Manish Agarwal, Dheeraj Gupta, Umesh Agarwal
अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल | उपाध्यक्ष एवं जयंती प्रधान संयोजक डॉ. दिलीप कुमार पंसारी | मानद मंत्री कपूरचन्द गुप्ता | सह-मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल | कोषाध्यक्ष एवं जयंती संयोजक राकेश जालान | निवर्तमान अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल
For Stall booking at Jayanti Mahotsav on 26th September at Classic Convention III Contact : Pavan Dokania : 90306 80525

सीएसआईआर- राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्)
उप्पल रोड, हैदराबाद

वर्ष 1961 में स्थापित, सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) का प्रतिष्ठित पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान संस्थान है। अधिदेश के अनुसार, संस्थान भूविज्ञान, भूभौतिकी, भूरसायनिकी एवं भूकालानुक्रम विज्ञान के व्यापक विषय क्षेत्रों को शामिल कर नवोन्मेषी मूल एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान करता आ रहा है। इसके बहुविषयी पृथ्वी विज्ञान अनुसंधान कार्यक्रम सीएसआईआर ध्येय और सीमांत वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप हैं।
हमारे मूल अनुसंधान एवं विकास सामर्थ्य:
- हाइड्रोकार्बन, खनिज और भूजल का अन्वेषण
- भूकम्प विज्ञान, भूकम्प आपदा मूल्यांकन और भूकम्प प्रक्रियाएं
- भारतीय स्थलमंडल की संरचना, गतिकी और विकास को समझना
हमारे लक्ष्य हैं:
- प्राकृतिक संसाधनों (हाइड्रोकार्बन, खनिज और भूजल) जो कि अकसर जटिल और चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय विन्यासों में पाए जाते हैं, के अन्वेषण के साथ-साथ दोहन के लिए नई और अनूठी प्रौद्योगिकियों का विकास करना
- भारतीय समाज के लिए भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का एक वास्तविक मूल्यांकन प्रदान करना
- उथली और गहरी पृथ्वी प्रक्रियाओं की व्यापक जानकारी प्रदान करना
- विशेषकर पेयजल और पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में मानवजनित और भूजनित प्रदूषण का मूल्यांकन, प्रबंधन और नियंत्रण कार्य नीतियाँ तैयार करना
निम्नलिखित के लिए विशिष्ट सेवाएँ और सुविधाएँ हैं: भूजल अन्वेषण
- खनिज अन्वेषण
- गैस हाइड्रेट और हाइड्रोकार्बन अन्वेषण
- पर्यावरणीय मॉनीटरन
- भूतकनीकी जाँच-पड़ताल
- उथले अधस्तल अन्वेषण
- सक्रिय पर्पटीय विरूपण
- गभीर पृथ्वी की खोज, भूरसायनिकी और
ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में:
- सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों में दक्कन ज्वालामुखीय इलाकों के चे छिपे मोटे मध्यजीवी अवसादों का चित्रण किया गया जिससे नए तेल और गैस क्षेत्रों का पता लगाया जा सकता है।
- भारतीय अपतटीय क्षेत्रों के लिए गैस हाइड्रेटों और मुक्त गैस के रूप में मेथेन का मात्रात्मक आकलन।
- कोयला, कोयला संस्तर मेथेन (सी बी एम) और यूरेनियम के अन्वेषण के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- एनजीआरआई-एनटीपीसी के सहयोग के अंतर्गत तपोबन और तत्तापानी विद्युत उत्पादन क्षेत्रों में भूतापीय ऊर्जा के लिए अन्वेषण।
भूकंप मॉनीटरन और आपदा मूल्यांकन:
- विस्तृत बैंड भूकंप वैज्ञानिक स्टेशनों के नेटवर्कों के माध्यम से उच्च जोखिम क्षेत्रों में भूकंपों का वास्तविक काल मॉनीटरन जिससे संसूचन में देहलियों को कम करने में मदद मिलती है।
- नाभिकीय बिजली स्टेशनों और बाँध जैसे सामरिक संस्थापनों के लिए भूकंपीय जोन 4 एवं 5 में स्थित प्रमुख शहरों का भूकंप आपदा मूल्यांकन।
- मूलभूत जलाशय जनित भूकंपनीयता को समझने के लिए कोयना- वार्ना भूकंप अवकेंद्रीय जोन में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के गभीर ड्रिलिंग कार्यक्रम (7 कि.मी. तक) की पहल में सक्रिय भागीदारी।
भू गतिकी और भारतीय स्थलमंडल के उद्भव एवं क्रमिक विकास को समझना:
- भारतीय स्थलमंडल की संरचना के लिए सक्रिय और निष्क्रिय भूकम्प विज्ञान
- गणितीय मॉडलिंग द्वारा से क्रोड़ और मैंटल गतिकी का अनुकरण
- प्रमुख गभीर भ्रंशों के आर-पार विवर्तनिक विस्थापनों के मूल्यांकन के लिए भूमि, वायुवाहित और उपग्रह आधारित पृथ्वी प्रेक्षण
- पुराचुबंकीय, भूकालानुक्रम विज्ञान, स्थायी और रेडियोसक्रियताजन्य समस्थानिक भूरसायनिकी के जरिए स्थलमंडलीय क्रमिक विकास का पुनर्निर्माण
अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
निदेशक, सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, उप्पल रोड, हैदराबाद - 500 007
फोन नं. +91-40-23434600 & 27012000, फैक्स: +91-40-23434651 & 27171564
ई-मेल: director@ngri.res.in; वेबसाइट: www.ngri.org.in

न्यूजीलैंड को साउथ अफ्रीका लीजेंड्स ने 9 विकेट से हराया

पुटिक ने छक्के से जिताया मैच, न्यूजीलैंड ने दिया था 100 रन का टारेगट

कानपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के चौथे मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 9 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका के पुटिक ने 14वें ओवर में एक चौका और दो छक्के मारकर मारकर टीम को जीत दिलाई। टीम ने यह जीत महज एक विकेट खोकर हासिल कर ली। मोर्ने वान विक 22 गेंदों में 14 रन बनाकर कैच आउट हुए थे।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी थी लेकिन, 20 ओवर में न्यूजीलैंड की टीम 100 रन भी नहीं बना सकी। न्यूजीलैंड ने 8 विकेट खोकर सिर्फ 99 रन बनाए। पहले ही ओवर से अफ्रीकी गेंदबाजों के पकड़ बना ली थी। पहले ही ओवर की तीसरी गेंद पर डेवसिच को जोहान बोथा ने आउट कर दिया।

न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में 3 विकेट खोकर सिर्फ 26 रन ही बना पाए। रॉस टेलर भी 11 गेंदों पर 4 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद से न्यूजीलैंड की टीम संभल नहीं पाई।

एक के बाद एक विकेट गिरते चले गए। सिर्फ ब्राउनली ही 48 रन बनाए। 8 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी छू नहीं सके। साउथ अफ्रीका की टीम को जीत के लिए 100 रन चाहिए। अफ्रीकी खिलाड़ी जोहान बोथा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। वहीं टी तशबाला ने 3 विकेट झटके।

अफ्रीका की तरफ से एंड्रयू पुटिक और मोर्ने वान विक बल्लेबाजी करने आए हैं। अफ्रीका ने 4 ओवर में बिना विकेट खोए 20 रन बनाए हैं।

न्यूजीलैंड की टीम शाम करीब 6:30 बजे ग्रीन पार्क पहुंची थी। सभी खिलाड़ियों ने नेट प्रैक्टिस की। साउथ अफ्रीका टीम भी मैदान में उतरने वाली थी, तभी बूंदाबांदी शुरू हो गई। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम लौट गए। ग्रीन पार्क में पिच को कवर कर दिया गया है। आयोजकों का कहना है कि मैच शुरू होने में कुछ देरी हो सकती है।

दोनों टीमों के दिग्गज खिलाड़ी तैयार हैं। पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स को इंडिया लीजेंड्स ने हरा दिया था। इस मैच से दक्षिण अफ्रीका के पास वापसी करने का मौका है। वहीं, न्यूजीलैंड लीजेंड्स जीत से आगाज करने के लिए दम दिखाएगी।

सोमवार सुबह ग्रीन पार्क में न्यूजीलैंड लीजेंड्स के खिलाड़ियों ने 4 घंटे नेट प्रैक्टिस की। बैटिंग-बॉलिंग के साथ ही पिच को समझा। शहर में पड़ रही गर्मी में खुद को ढालने की कोशिश की। वहीं, साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों ने सोमवार को प्रैक्टिस नहीं की। रविवार को टीम ने 4 घंटे प्रैक्टिस की थी।

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का मैच रोमांचक हो सकता है

सीरीज में इंडिया लीजेंड्स के बाद न्यूजीलैंड लीजेंड्स की टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब ओरम, काइल मिल्स, स्कॉट स्टाइरिस, शेन बांड, क्रेग मैकमिलन जैसे दिग्गज खिलाड़ी हैं। जो साउथ अफ्रीका लीजेंड्स के गेंदबाजों के साथ बल्लेबाजों पर भारी पड़ सकते हैं।

हालांकि दक्षिण अफ्रीका लीजेंड्स के खिलाफ कप्तान जोंटी रोड्स और मोर्ने वान, एंड्रयू पुटिक, अलविरो पीटरसन, हेनरी डेविस, जैक्स रुडोल्फ जैसे खिलाड़ी हैं, जो इस मुकाबले को रोमांचक बना सकते हैं। पहले मुकाबले में भले ही उन्हें हार मिली हो, लेकिन वह यहां पिच और ग्राउंड के माहौल से समझ चुके हैं, जिसका उन्हें फायदा मिल सकता है।

इस बार के मैच में मोर्ने वान विक पर रहेगी। पिछले सीजन में अफ्रीकी खिलाड़ी मोर्ने वान विक ने 6 पारियों में 228 रन बनाए थे। इस सीजन के पहले मैच में उन्होंने 26 रन बनाये थे। पिछले सीजन में अफ्रीका की तरफ से पांच मैचों में एंड्रयू पटिक ने 185 रन बनाए थे और इंडिया के खिलाफ इस सीजन में 23 रन। साउथ अफ्रीका के कप्तान जोंटी रोड्स की बात करें तो उन्होंने लास्ट सीजन में 6 मैचों में सिर्फ 98 रन बनाए थे, लेकिन शनिवार को खेले गए इंडिया के खिलाफ मैच में उन्होंने टीम के लिए सबसे ज्यादा 38 रन बनाए थे।

टी-20 सीरीज के लिए आज भारत पहुंचेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

16 सितंबर को मोहाली में होगी टीम इंडिया 20 सितंबर से टी-20 सीरीज की शुरुआत

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया को घर में 20 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला मैच 20 सितंबर को मोहाली में खेला जाएगा। दूसरा मैच 23 सितंबर को नागपुर में और तीसरा टी-20 मैच 25 सितंबर को हैदराबाद में खेला जाना है। इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय माहौल में ढलने के लिए बुधवार (14 सितंबर) को भारत पहुंचेगी और प्रैक्टिस शुरू करेगी। वहीं भारतीय टीम 16 सितंबर को मोहाली में एकत्रित होगी।

हर्षल पटेल और बुमराह की वापसी

एशिया कप से बाहर रहे जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल टी-20 वर्ल्ड कप के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के साथ सीरीज के लिए वापसी हुई है। वहीं टी-20 वर्ल्ड कप के स्कॉड में शामिल अर्शदीप सिंह ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर रहेंगे और वे नेशनल क्रिकेट एकेडमी में प्रैक्टिस करेंगे, जबकि भुवनेश्वर और हार्दिक पंड्या इसके बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के दौरान एनसीए में फिटनेस पर काम करेंगे।

डेविड वॉर्नर के बिना आएगी ऑस्ट्रेलिया टीम

ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे पर डेविड वॉर्नर के बिना आएगी। वॉर्नर को वर्कलोड मैनेज करने के लिए सीरीज से आराम दिया गया है। उनकी जगह कैमरून ग्रीन टीम का हिस्सा होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए शमी और दीपक चाहर टीम में शामिल

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए घोषित 15 खिलाड़ियों के स्कॉड में अपना स्थान पक्का नहीं कर पाए मोहम्मद शमी और दीपक चाहर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और उसके बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में जगह दी गई है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में शामिल सभी खिलाड़ियों को मोहाली पहुंचने के लिए कहा गया है। टीम 16 से वहां पर प्रैक्टिस करेगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, आर. अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह।

एमपी को पहली बार रणजी जिताने वाले ईश्वर का संन्यास

बोले- अगर धोनी एक मौका दे देते तो मेरा करियर कुछ और होता

रीवा, 13 सितंबर (एजेंसियां)। रेवांचल एक्सप्रेस... के नाम से मशहूर मध्यप्रदेश के तेज गेंदबाज ईश्वर पांडेय ने इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, वे रोड सेफ्टी जैसी इंटरनेशनल लीग में खेलते रहेंगे। वे जून में पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली मध्यप्रदेश टीम का हिस्सा थे।

33 साल के इस तेज गेंदबाज ने सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की। वे देश के उन बदकिस्मत क्रिकेटर्स में से एक हैं, जिन्हें टीम इंडिया में तो चुना गया, लेकिन डेब्यू कैप नसीब नहीं हुई। ईश्वर 2014 में न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने गए थे, लेकिन उन्हें डेब्यू करने का मौका नहीं मिला।

6 फीट 2 इंच के ईश्वर ने संन्यास के बाद दैनिक भास्कर से उस दर्द को साझा करते हुए कहा, 'अगर धोनी एक मौका दे देते तो मेरा करियर कुछ और होता'। उन्होंने कहा, 'तब मैं 23-24 साल का था और मेरी फिटनेस भी बहुत अच्छी थी। अगर धोनी भाई मुझे चांस देते और मैं देश के लिए अच्छा कर जाता तो निश्चित ही मेरा करियर कुछ और होता।

डिविलियर्स का विकेट लेने के बाद भी पड़ी थी डांट

ईश्वर ने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ बिताए यादगार लम्हे को साझा करते हुए कहा- एक बार हम बेंगलुरु में RCB के खिलाफ मैच खेल रहे थे। एबी डिविलियर्स बैटिंग करने आए, तो माही भाई ने मुझे बॉल थमाई और कहा कि इसे यॉर्कर मत मारना और अच्छी बॉलिंग करना। मैंने डिविलियर्स को तीन-चार बॉल बीट करा दी और पांचवीं में चौका खा गया। एक बॉल बची थी तो मैंने सोचा यॉर्कर मार दूं। मैंने यॉर्कर डाली और वह लो फुलटॉस हो गई। डिविलियर्स उसी गेंद पर आउट हो गए। विकेट मिलने के बाद धोनी मेरे पास आए और मुझे मजाकिया लहजे में डांटते हुए कहा कि तुम्हें मना किया था न कि यॉर्कर मत डालना। फिर बाद में पीठ थपथपाते हुए कहा- कोई बात नहीं, आगे ध्यान रखना।

डोमेस्टिक करियर

फार्मेट	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी
फर्स्ट क्लास	75	263	8/84	2.90
लिस्ट ए	58	63	4/44	4.92
टी-20	71	68	4/20	7.07

तेंदुलकर अगले मुकाबले के लिए जमकर बहा रहे हैं पसीना

वर्क आउट करने का वीडियो किया शेयर कैप्शन में लिखा- हर एक पल सुंदर है

नई दिल्ली, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में इंडिया लीजेंड्स टूर्नामेंट में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। इंडिया लीजेंड्स ने कानपुर के ग्रीन पार्क में खेले गए मैच में साउथ अफ्रीका लीजेंड्स को हरकार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है।

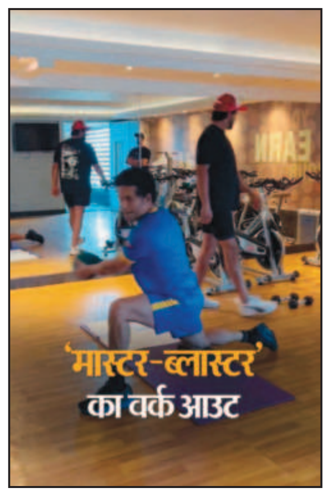

इंडिया लीजेंड्स को अब अगला मुकाबला 14 सितंबर को वेस्टइंडीज लीजेंड्स के खिलाफ खेलना है। वहीं टीम के खिलाड़ी अगले मुकाबले के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। कप्तान सचिन तेंदुलकर भी अगले मैच की तैयारी में जुटे हुए है।

जिम में कर रहे हैं वर्क आउट

तेंदुलकर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वर्क आउट करते हुए देखे जा सकते हैं। इस वीडियो में वह जिम में ट्रेनिंग से लेकर ग्राउंड पर शॉट्स और कैच की प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। सचिन ने वीडियो के कैप्शन में लिखा है- हर एक पल सुंदर है। पहले मैच का आनंद लिया। अब अगले मैवच की ओर।" उनसे पहले रैना भी वर्क आउट करते हुए नजर आए, जबकि सचिन और युवराज ने होटल में स्विमिंग करते दिखे।

इंडिया लीजेंड्स ने साउथ अफ्रीका लीजेंड्स को 61 रन से हराया

सचिन तेंदुलकर ने अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में 15 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 16 रन बनाए थे। वहीं इस मैच में इंडिया लीजेंड्स ने साउथ अफ्रीका लीजेंड्स को 61 रन से मात दी। 10 सितंबर को खेले गए मैच में सचिन तेंदुलकर की टीम के लिए सुरेश रैना (33) और स्टुअर्ट बिन्नी (82*) ने तीसरे विकेट के लिये 64 रनों की साझेदारी की थी। सुरेश रैना ने 22 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के लगाए थे। बिन्नी ने 42 गेंदों पर पांच चौके और छह छक्के लगाए थे।

वॉर्न के जन्मदिन पर इमोशनल हुए सचिन

सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखा- तुम बहुत जल्दी चले गए; तुम्हारे साथ बिताए पल हमेशा याद आएंगे

मुंबई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न का मंगलवाल को जन्मदिन है। इस मौके पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने उन्हें याद किया है। तेंदुलकर ने अपने सोशल अकाउंट पर वॉर्न की याद में एक इमोशनल पोस्ट लिखी है।

सचिन ने लिखा- 'तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हें याद कर रहा हूं वॉर्नी। तुम बहुत जल्दी चले गए। तुम्हारे साथ मेरे कई यादगार पल हैं। उन्हें मैं हमेशा संजोए रखूंगा।'

सचिन ने वॉर्न के साथ अपनी एक तस्वीर भी साझा की। दोनों अच्छे दोस्त थे और दोनों कई मौकों पर एक-दूसरे की तारीफ करते नजर आते थे। इसी साल 4 मार्च को हार्ट अटैक की वजह से शेन का निधन हो गया था।

कोका कोला कप के बाद वार्न को सपने में दिखने लगे थे सचिन

साल 1998 में कोका कोला कप के दौरान सचिन ने शेन वॉर्न की गेंदों पर जमकर छक्के-चौके जड़े थे। इस कप के आखिरी दो मुकाबलों में सचिन ने शानदार बल्लेबाजी की। कोका कोला कप के छठे मुकाबले में सचिन ने आक्रामक बल्लेबाजी की। हालांकि, भारत ये मैच हार गया। लेकिन तेंदुलकर की पारी यादगार रही। अच्छे नेट रन के चलते भारत को फाइनल में जगह मिली।

फाइनल में तेंदुलकर ने 134 रन की शानदार पारी खेली और भारत ने ट्रॉफी जीती। यह मैच 24 अप्रैल 1998 को खेला गया था। इस दिन सचिन अपना 25वां जन्मदिन मना रहे थे। सचिन की इन पारियों के बाद शेन ने बताया था कि सचिन उनके सपने में आते हैं और चौके-छक्के मारकर उन्हें डराते हैं।

पूर्व दिग्गजों ने वर्ल्ड कप टीम पर उठाए सवाल

श्रीकांत बोले- मैं हर्षल की जगह शमी को चुनता; अजहर ने कहा- श्रेयस और शमी को नजरअंदाज किया गया

मुंबई, 13 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर्स ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए घोषित टीम इंडिया के सिलेक्शन पर सवाल उठाए हैं। 1983 की वर्ल्ड चैंपियन टीम के मेंबर कृष्णम्माचारी श्रीकांत, पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने मोहम्मद शमी, संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल नहीं करने पर नाराजगी जाहिर की है।

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 16 अक्टूबर से होने वाली है। इसमें भारत का पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ होगा। BCCI की सिलेक्शन कमेटी ने सोमवार को टीम इंडिया का ऐलान किया। उसने 15 सदस्यीय टीम के साथ 4 स्टैंड बाय खिलाड़ी भी चुने। उसके बाद दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गईं। आइए जानते हैं पूर्व दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं...

मैं हर्षल की जगह शमी को चुनता : श्रीकांत

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और सिलेक्शन कमेटी के पूर्व चेयरमैन कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा, 'अगर मैं सिलेक्शन कमेटी का चेयरमैन होता, तो मोहम्मद शमी टीम में जरूर होते। हम ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं। उनके पास पेस है और बाउंस करने की क्षमता है। वह शुरुआती ओवर में विकेट ले सकता है। ऐसे में मैं हर्षल के बजाय शमी को टीम में रखता। इसमें कोई संदेह नहीं कि हर्षल पटेल एक अच्छे गेंदबाज हैं, लेकिन परिस्थितियों के मुताबिक मोहम्मद शमी बेहतर खिलाड़ी साबित होते।'

अजहर बोले- शमी और अय्यर को न देखकर हैरान हूं

वहीं पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन भी सिलेक्शन कमेटी के इस फैसले से नाखुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर के अपनी नाराजगी जाहिर की है। टी-20 वर्ल्ड कप के 15 सदस्यीय टीम में मोहम्मद शमी और श्रेयस अय्यर को न देखकर हैरान हूं। मेरी नजर में श्रेयस को दीपक हुड्डा की जगह तो मोहम्मद शमी को हर्षल पटेल की जगह टीम में होना चाहिए।'

सैमसन की अनदेखी गलत है : कनेरिया

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी के लिए ये थोड़ा अनफेयर है। उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप टीम में मौका दिया जाना चाहिए था। उन्होंने ऐसी क्या गलती की है जिसके चलते उन्हें टीम में स्थान नहीं दिया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंडिया की घरेलू सीरीज में भी सैमसन को नजरअंदाज किया गया था। मैं ऋषभ पंत के बजाय संजू सैमसन को चुनता।

रेट्रो नंबर्स पर डांस करते नजर आए युवराज सिंह

सुरेश रैना-इरफान पठान ने गाया गाना; सचिन तेंदुलकर वीडियो बनाते नजर आए

कानपुर, 13 सितंबर (एजेंसियां)। सिक्सर किंग कहे जाने वाले युवराज सिंह का फनी अंदाज देखने को मिला है। वे रेट्रो बॉलीवुड नंबर्स पर डांस करते नजर आए हैं। 40 साल के इस पूर्व क्रिकेटर ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट में एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें वे पुराने बॉलीवुड सॉन्ग पर फनी डांस स्टेप करते नजर आए। इतना ही नहीं, क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर खुद युवराज के

डांस का वीडियो बनाते दिख रहे हैं। जबकि इसी वीडियो में मिस्टर आईपीएल सुरेश रैना और इरफान पठान गाना गाते दिख रहे हैं।

इस वीडियो में युवी ने अपने साथी खिलाड़ियों को चैलेंज भी किया है। वे अपने साथियों को 'आओ मैदान में...' कहते नजर आ रहे हैं। उन्होंने मुनाफ पटेल, मनप्रीत गोनी, प्रज्ञान ओझा को टैग भी किया।

युवी इन दिनों अपने साथियों के साथ रोड सेफ्टी सीरीज खेल रहे हैं। वे इंडिया लीजेंड्स का हिस्सा हैं। टीम ने पहला मुकाबला 61 रनों से जीता है। उसने साउथ अफ्रीका लीजेंड्स को हराया है। सीरीज के पहले मुकाबले में युवराज सिंह बेरंग रहे। उन्होंने 8 गेंदों में 75.00 के स्ट्राइक रेट से 6 रन बनाए।

टीम का अगला मुकाबला 14 सितंबर को वेस्टइंडीज लीजेंड्स के साथ कानपुर में खेला जाएगा। युवराज मैदान ही नहीं, सोशल मीडिया में भी अपने चौके-छक्कों के लिए जाने जाते हैं।

मंत्री केटीआर के आश्वासन के बाद राजस्व सहायकों ने बंद किया आंदोलन

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस सरकार ने ग्राम राजस्व सहायकों (वीआरए) द्वारा उठाए गए विभिन्न लंबित मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी और मंगलवार को यहां विधानसभा समिति हॉल में वीआरए एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया। आईटी और उद्योग मंत्री के. तारका रामा राव (केटीआर) ने वीआरए एसोसिएशन के नेताओं से मुलाकात की और उनके साथ बात की। उन्होंने उनके ध्यान में लाया कि तेलंगाना सरकार वेतनमान और पदोन्नति को लागू करने और वीआरए के नियमितीकरण के वादे को पूरा करने में विफल रही है। केटीआर ने नेताओं को उनके मुद्दों पर गौर करने और उन्हें जल्द से जल्द हल करने का आश्वासन दिया।

दिल दहला देने वाले अग्निकांड के मामले में पुलिस का सख्त रवैया

रुबी होटल व जेमोपाल इलेक्ट्रिकल स्कूटर के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद में पासपोर्ट कार्यालय के पास दिल को दहला देने वाले अग्निकांड में पुलिस ने कड़ा रवैया अपना लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार और आईटी मंत्री केटीआर ने भी राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 3 लाख रुपए अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। सोमवार की रात आग लगने की घटना में आठ लोगों की लापरवाही से मौत के मामले में मार्केट पुलिस ने रूबी होटल और जेमोपाल इलेक्ट्रिकल स्कूटर के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक बीती रात ई-बाइक या जनरेटर में विस्फोट होने के कारण आग लगने की आशंका है। रूबी होटल और जेमोपाल इलेक्ट्रिक स्कूटर राजेंद्र सिंह बुग्गा, सुमीत सिंह और भाइयों द्वारा चलाए जा रहा हैं। वे एक ही बिल्डिंग के तहखाने में एक साल से अवैध रूप से इलेक्ट्रिक स्कूटर की एजेंसी चल रही हैं। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और दस लोग घायल हो गए। 7 मृतकों की शिनाख्त हुई। शेष एक मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मामले की जांच महाकाली एसीपी बी रमेश कर रहे हैं। फोरेंसिक विशेषज्ञों और सुराग टीमों ने मंगलवार सुबह जांच और विश्लेषण के लिए होटल का दौरा किया। पुलिस ने कहा कि जेमोपाल इलेक्ट्रिक स्कूटर के मालिक को बिल्डिंग में इलेक्ट्रिक वाहन रखने की अनुमति नहीं थी। घटनास्थल का दौरा केन्द्रीय मंत्री व सिकंदराबाद से भाजपा सांसद जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली, पशु संवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, सिटी पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद, डीसीपी नार्थ जोन सुश्री चंदना दीप्ति, अतिरिक्त डीसीपी नॉर्थ जोन वेंकटेश्वरलु ने घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया।

मृतकों व घायलों की सूची

सिकंदराबाद अग्निकांड में पुलिस के मुताबिक 8 लोगों की मौत हो गई है और 10 लोग घायल और झुलसे हुए है। मृतकों में विजयवाड़ा के अल्लादी हरीश, दिल्ली के व्यापारी वीरेंद्र कुमार देवकर, चेन्नई के सीतारमन, चेन्नई के बालाजी, दिल्ली के राजीव मलिक व संदीप मलिक, ओडीशा के मिताली महापात्रा और एक अज्ञात पुरूष शामिल है। इसी क्रम में घायलों में केवी संतोष, जयंत, देबा शीश गुप्ता, बी योगिता, के के केशवन, दीपक यादव, उमेश कुमार आचार्य, मनमोहन खन्ना, राजेश जगदीश छाबड़ा, अशोक ममीदवार शामिल है।

श्री वेंकटेश्वर वैभवोत्सव हैदराबाद में 11 से 15 अक्टूबर के बीच

तिरुपति, 13 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी जेईओ वीरब्रह्मम ने कहा कि श्री वेंकटेश्वर वैभवोत्सव हैदराबाद में 11-15 अक्टूबर के बीच एनटीआर स्टेडियम में भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। सोमवार शाम को अधिकारियों के साथ एक आभासी बैठक आयोजित करते हुए, जेईओ ने संबंधितों को मेगा धार्मिक आयोजन से दस दिन पहले प्रचार गतिविधि शुरू करने के लिए कहा है, जिसमें स्थानीय भक्तों को वैभवोत्सव के महत्व और प्रत्येक दिन विशिष्ट अनुष्ठानों के बारे में बताया गया। उन्होंने अधिकारियों को धार्मिक भाष्य प्रस्तुत करने के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तियों का चयन करने, आध्यात्मिक आभा में आकर्षित करने के लिए भक्ति संगीत और नृत्य करने के लिए बड़े समारोह के लिए तैयार रहने के लिए कहा।

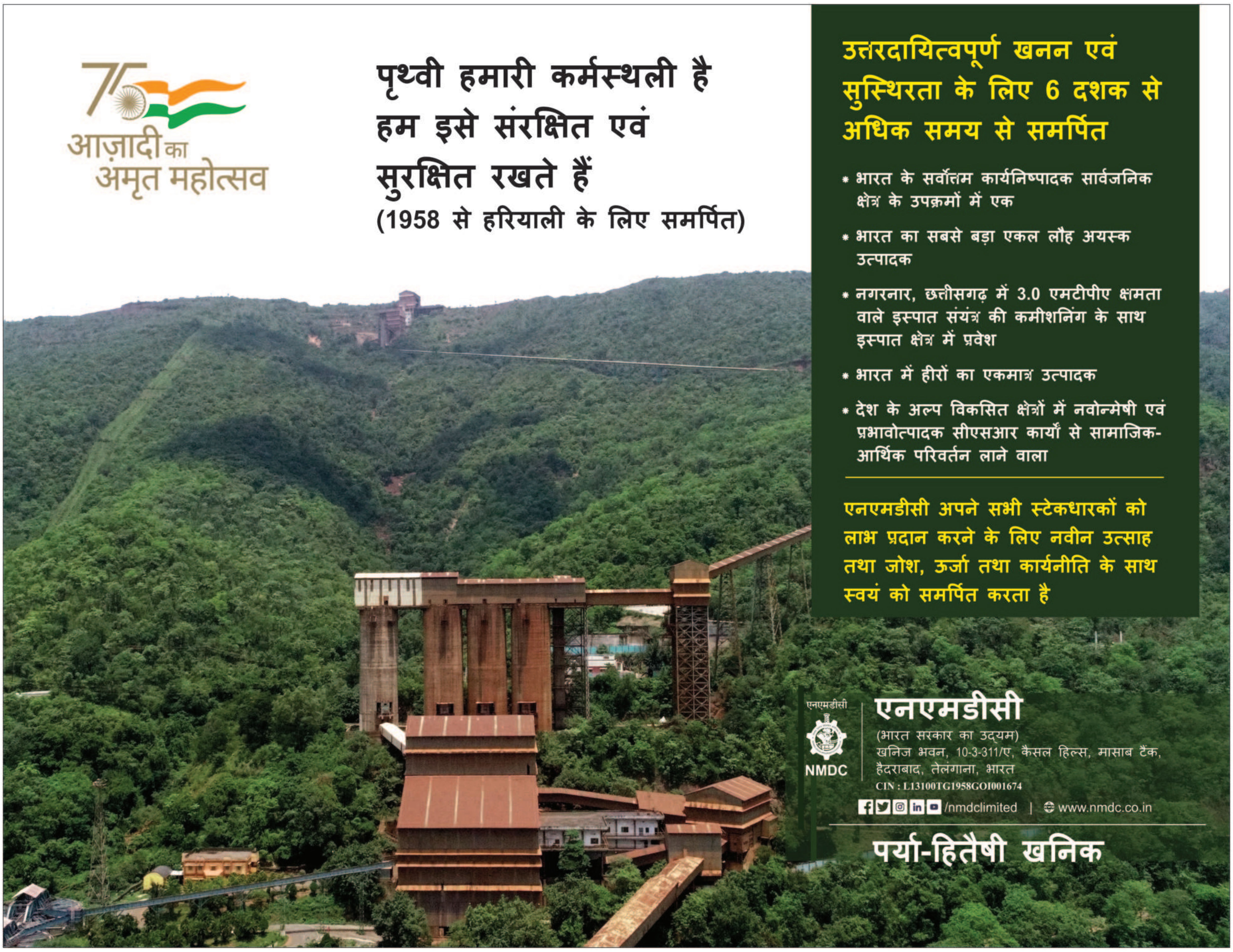

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.